खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 04 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-34

सौ साल बाद अमेरिका में भयंकर ठंड, ठिठुरन के चलते पेड़ों से टपकने लगीं छिपकलियां

वाशिंगटन, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के एक बड़े हिस्से में इन दिनों बाम्ब साइक्लोन ने भारी तबाही मचाई है। बर्फीले तूफान और कड़ाके की ठंड के कारण देश के कई राज्यों में जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। नार्थ कैरोलिना से लेकर फ्लोरिडा तक, कड़ाके की ठंड ने दशकों पुराने रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम दो लोगों की जान जा चुकी है और हजारों उड़ानें रद्द होने से यात्री हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। तूफान के कारण सड़कों पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। सबसे चौंकाने वाले हालात फ्लोरिडा में देखने को मिले, जहाँ पारा शून्य से नीचे जाने के कारण पेड़ों पर रहने वाले इगुआना(छिपकली) सुन्न होकर नीचे गिरने लगे। स्थानीय स्तर पर इसे इगुआना की बारिशकहा जा रहा है। 1 फरवरी को फ्लोरिडा के कई हिस्सों में तापमान ऐतिहासिक रूप से गिरा, जिसने वन्यजीवों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

फ्लोरिडा के आरलैंडो में न्यूनतम तापमान माइनस 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो फरवरी महीने में साल 1923 के बाद का सबसे कम तापमान है। 100 साल बाद आई इस रिकार्ड ठंड ने मौसम वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया है। सामान्यत: यहाँ इन दिनों तापमान 12 से 23 डिग्री के बीच रहता है। ठंड के कारण ठंडे खून वाले जीव इगुआना के शरीर ने काम करना बंद कर दिया और वे सड़कों व फुटपाथों पर बेसुध पड़े नजर आए। प्रशासन ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए इमरजेंसी आदेश जारी किए हैं, जिसके तहत नागरिकों को इन जीवों को सुरक्षित स्थानों या सरकारी दफ्तरों तक पहुंचाने की छूट दी गई है। बचाव कार्य में जुटी जेसिका किलगोर के मुताबिक, ठंड की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सड़कों से सैकड़ों किलो इगुआना इकट्ठा किए गए, जिनमें से कई की मौत हो चुकी थी।

तूफान का सबसे विनाशकारी असर नार्थ कैरोलिना में देखा गया, जहाँ लेक्सिंगटन और वाल्नट माउंटेन्स जैसे इलाकों में 40 से 56 सेंटीमीटर तक बर्फ की मोटी चादर जम गई है। राज्य के गवर्नर जोश स्टाइन ने पुष्टि की है कि बर्फबारी और खराब दृश्यता के चलते पिछले दो दिनों में लगभग 1,000 सड़क हादसे हुए हैं। इसी दौरान गैस्टोनिया शहर में एक ट्रक रेलवे क्रासिंग पर फंस गया और तेज रफ्तार ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी, हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन ने लोगों को फ्रास्टबाइट की चेतावनी देते हुए घरों में रहने की सलाह दी है। ठंड और बर्फबारी ने बिजली आपूर्ति और हवाई सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पेसएक्स और एक्सएआई का विलय मस्क ने कहा-यह अध्याय नहीं, अभियान की अगली किताब

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और प्रसिद्ध टेक उद्यमी एलन मस्क की दो कंपनियों स्पेसएक्स और

एक्सएआई का विलय हो गया। स्पेसएक्स ने सोमवार को घोषणा की कि उसने एक्सएआई को खरीद लिया है। इस विलय के बाद यह दुनिया की सबसे मूल्यवान प्राइवेट इकाई बन गई है। स्पेसएक्स की वेबसाइट पर एक बयान में मस्क ने कहा, यह सिर्फ अगला अध्याय नहीं, बल्कि स्पेसएक्स और एक्सएआई के अभियान की अगली किताब है। सीएनएन की रिपोर्ट में इस विलय की जानकारी देते हुए कहा गया है कि इस विलय को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में मुकाबला करने के लिए एक्सएआई को जरूरी नकद पूंजी और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण (स्पेस एक्सप्लोरेशन) के भविष्य में तकनीक (टेक्नोलाजी) के महत्व के संकेत के तौर पर देखा जा सकता है। यह कदम यह भी दिखाता है कि मस्क जैसी कंपनियों जैसे टेक दिग्गज एआई में ऊंची छलांग लगाने के लिए कितनी मशक्कत कर रहे हैं। मस्क ने लिखा, एआई में मौजूदा तरक्की बड़े जमीनी डेटा सेंटर पर निर्भर है। इसके लिए बहुत अधिक बिजली और कूलिंग की जरूरत होती है। इसलिए इस क्षेत्र को ऐसी जगह ले जाना है जहां बहुत अधिक बिजली और जगह हो। स्पेसएक्स ने शुक्रवार को फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन से 10 लाख सैटेलाइट का एक समूह आर्बिट में लान्च करने की इजाजत मांगी। अनुरोध में कहा गया है कि इसका मकसद सोलर-पावर्ड डेटा सेंटर का एक नेटवर्क देना है ताकि एआई की वजह से डेटा की बढ़ती डिमांड को पूरा किया जा सके। मस्क ने अनुमान जताया है कि दो से तीन साल में एआई कंप्यूट जेनरेट करने का सबसे सस्ता तरीका अंतरिक्ष में होगा।

पुतिन के राइट हैंड का दावा! यूक्रेन का जल्द खेल खत्म करेंगे

मास्को। रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने एक बड़ा और सनसनीखेज बयान

देते हुए दावा किया है कि यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष में रूस की सैन्य विजयअब पूरी तरह साफ दिखाई देने लगी है। युद्ध के चार साल पूरे होने के करीब पहुँचने पर मेदवेदेव का यह आत्मविश्वास भरा लहजा पश्चिमी देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। उन्होंने न केवल रूस की जीत का दम भरा, बल्कि भविष्य की रणनीति और अमेरिकी नेतृत्व पर भी अपनी बेबाक राय रखी। मेदवेदेव ने स्पष्ट किया कि रूस अब युद्ध के बाद की स्थितियों पर विचार कर रहा है, जो यह संकेत देता है कि क्रेमलिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बेहद करीब है। उनका साफ संकेत था कि अब यूक्रेन का जल्द खेल खत्म करेंगे मेदवेदेव ने एक साक्षात्कार के दौरान पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि सैन्य जीत का तथ्य अब कई पैमानों पर उभरकर सामने आने लगा है। उन्होंने कहा कि यह अब बिल्कुल स्पष्ट है कि रूस अपनी मंजिल के करीब पहुँच चुका है और उसका विशेष सैन्य अभियान अपने सभी निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करेगा।

बिल गेट्स ने एपस्टीन के दावों को बताया बेतुका, कहा- रूसी लड़कियों से संबंध नहीं बनाए

वाशिंगटन। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक और अरबपति बिल गेट्स ने रूसी लड़कियों के साथ यौन

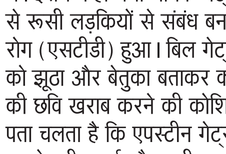

संबंध और यौन रोग होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। ये आरोप यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि गेट्स ने एपस्टीन के माध्यम से रूसी लड़कियों से संबंध बनाए और उसके बाद यौन रोग (एसटीडी) हुआ। बिल गेट्स के प्रवक्ता ने इन दावों को झूठा और बेतुका बताकर कहा कि यह सिर्फ गेट्स की छवि खराब करने की कोशिश है। दस्तावेजों से यह पता चलता है कि एपस्टीन गेट्स से नाराज था कि उसने उससे दूरी बनाई और इसी वजह से झूठे आरोप लगाए। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों, 2,000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक कीं। इन फाइलों में एपस्टीन ने दावा किया कि यौन रोग होने के बाद गेट्स ने उससे एंटीबायोटिक दवाएं मांगी थीं, ताकि वह उन्हें अपनी पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स को बिना बताए दे सके। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन ने गेट्स पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी छवि बचाने के लिए छह साल पुरानी दोस्ती तोड़ दी। गेट्स पहले भी एपस्टीन के साथ संबंधों पर पछतावा जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे मिलने का उद्देश्य केवल गेट्स फाउंडेशन के लिए दान जुटाना था और किसी भी तरह की गलत गतिविधियों में उनका कोई शामिल नहीं था। गेट्स ने 2019 में स्पष्ट किया कि उनका एपस्टीन के साथ कोई कारोबारी या व्यक्तिगत गलत संबंध नहीं था और वे कभी किसी निजी पार्टी या कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने नुश्की शहर से सेना को खदेड़ा, मजीद ब्रिगेड के फिदायीन दंपति की मौत

क्वेटा, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में सेना को विद्रोहियों से कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि नुश्की शहर से सेना को खदेड़ दिया है। शहर में अभी भी उसका नियंत्रण है। साथ ही पिछले दिनों के घमासान में बीएलए के मजीद ब्रिगेड के फिदायीन दंपति की मौत हो गई। इस बीच पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने कहा कि बीएलए से सरकार कोई बातचीत नहीं करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, नुश्की अभी भी बीएलए के नियंत्रण में है। जमीनी संचार सेवाएं बाधित हैं। लड़ाई में दर्जनों लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान की सेना के हवाई हमलों के बावजूद बलोच लड़ाके नुश्की शहर पर अपना नियंत्रण बनाए हुए हैं। खारान के पास बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने पाकिस्तान की सेना के दो जमीनी हमलों को विफल कर दिया। इसके बाद सेना को पीछे हटना पड़ा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना ने दूसरे और तीसरे दिन दर्जनों ड्रोन हमले किए। बावजूद इसके सेना अभी तक नुश्की शहर पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने में सक्षम नहीं हो पाई है। बलोच लिबरेशन आर्मी ने शनिवार सुबह अन्य शहरों की तरह समन्वित अभियानों के माध्यम से नुश्की पर भी नियंत्रण कर लिया। इसके बाद सशस्त्र लड़ाको ने सरकारी इमारतों और पुलिस स्टेशनों के साथ-साथ पाकिस्तान के आईएसआई मुख्यालय और सेना के कई शिविरों पर हमला किया। पिछले तीन दिन से आईएसआई मुख्यालय में तैनात कई अधिकारी और कर्मचारी बीएलए के हमलों का शिकार हुए हैं। तीन दिन बीत जाने के बावजूद सेना अपने कर्मियों को बचाने और उन्हें सहायता प्रदान करने में विफल रही है। नुश्की शहर में नाकाबंदी के कारण अन्य शहरों के निवासी अपने रिश्तेदारों को लेकर चिंतित हैं। कैडेट कालेज में दर्जनों छात्र फंसे हुए हैं। इस बीच बीएलए के आधिकारिक चैनल हकाल पर मजीद ब्रिगेड में शामिल पति -पत्नी का फोटो और विवरण प्रसारित किया गया है। इस दंपति ने पाकिस्तान की सेना के शिविर पर हमले के दौरान जान गंवा दी। यास्मा बलूच उर्फ जरीना और वसीम बलोच उर्फ जरबर (पति-पत्नी) जमरान के रहने वाले थे। यास्मा बलोच का जन्म 14 फरवरी, 1997 को अल-अंदुर बुलाइदा में हुआ था और वह 2022 में मजीद ब्रिगेड में शामिल हुई थी।

तालिबान सरकार ने गर्भनिरोधक गोलियों के इस्तेमाल पर लगाई रोक, कई क्लीनिक बंद

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक गोलियों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। देशभर में क्लीनिक बंद हो रहे हैं। महिलाओं को गर्भधारण या मिसकैरेज का इलाज नहीं मिल पा रहा है। बदगीस प्रांत की एक निजी क्लीनिक में चेतावनी देते हुए सभी दवाएं नष्ट कर दी गई हैं। जवजजान प्रांत में 30 साल से क्लीनिक चला रही एक डाक्टर कहती हैं, तालिबान के सत्ता में आने के बाद गर्भनिरोधक गोली तेजी से खत्म हो रही हैं। यहां 70 में से 30 महिलाओं को इसकी जरूरत होती थी। कंधार प्रांत समेत कई जगहों पर सीधे पुरुष डाक्टरों से इलाज लेने पर सख्ती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 36 साल की एक महिला ने कहा कि अब अपने बच्चों को पहचान ही नहीं पाती। कंधार के गांव में अपनी मां के घर पर बैठी, वह चुपचाप हिलती रहती हैं। नौ बार गर्भवती और छह बार मिसकैरेज हो चुका है। पति और ससुराल वालों के दबाव में वह मानसिक और शारीरिक रूप से टूट चुकी हैं। उनकी मां कहती है कि उन्हें डर और लगातार प्रेगनेंसी ने तोड़ दिया है। वहीं कंधार की 42 साल की महिला 12 बच्चों की मां हैं। वे बताती हैं कि अब उन्हें उठना भी मुश्किल होता है। हड्डियों में दर्द रहता है। पति किसी भी गर्भनिरोधक को लेने से साफ मना कर देते हैं। 29 साल की महिला भूकंप के बाद तंबू में रहने लगी थीं। लगातार तीन दिन टायलेट नहीं जा सकीं। उन्हें आंत की समस्या हुई। डाक्टरों ने चेताया कि अब गर्भवती हुई, तो जान जा सकती है। लेकिन एक साल बाद फिर गर्भवती हो गई। बच्चे को जन्म दिया। जान तो बच गई, लेकिन अब रक्तस्राव से जूझ रही है। संयुक्त राष्ट्र और वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय फंडिंग पिछले साल कम होने से 440 से ज्यादा अस्पताल और क्लिनिक बंद हो गए। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं कई घंटे चलकर क्लिनिक तक पहुंचती हैं। महिलाएं अकेले ही घर पर जन्म देती हैं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली 80फीसदी महिलाएं कुपोषित हैं। उनमें एनीमिया, विटामिन की कमी और लो ब्लड प्रेशर है।

प्रचंड की पार्टी ओली से कोई चुनावी तालमेल नहीं करेगी

काठमांडू, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने कहा कि इस चुनाव में केपी शर्मा ओली के साथ कोई चुनावी तालमेल नहीं होगा। उन्होंने काठमांडू में पत्रकारों से कहा कि वे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से संवाद कर रहे हैं। ओली का नाम लेकर प्रचंड ने कहा कि उनके साथ चुनावी तालमेल की कोई संभावना नहीं है। प्रचंड ने कहा, मैं यह बात पूरी स्पष्टता से कहना चाहता हूं कि मेरी बातचीत राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेताओं से भी हो रही है और कांग्रेस के नेताओं से भी। कल शेरबहादुर देउवाजी से मुलाकात हुई। गगन थापा से भी बातचीत जारी है। केपी ओली से बातचीत करने का मतलब यह नहीं कि कोई सिद्धांत या पहचान खत्म हो जाती है। सभी से संवाद हो रहा है और होता रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी ने सभी 165 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। कहीं भी कोई चुनावी तालमेल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा सभी से बातचीत करना मेरी विशेषता है। मैं सहज रूप से संवाद करता हूं। झापा में केपी ओली को समर्थन करने के सवाल पर प्रचंड ने कहा कि राजनीति में कुछ भी पूरी तरह असंभव नहीं होता, लेकिन फिलहाल ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा अभी तक ऐसी कोई बात नहीं है। केपी ओली से कभी फोन पर, कभी प्रत्यक्ष मुलाकात में चर्चा होती रहती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस दौरान शेरबहादुर देउवा, केपी शर्मा ओली, रवि लामिछाने समेत कई नेताओं से उनकी मुलाकातें हुई हैं। बालेन शाह के पिता के निधन के समय वे उनके घर जाकर संवेदना व्यक्त करने और बातचीत करने भी गए थे। देश कठिन दौर में है। परिवर्तन की जिम्मेदारी निभाने के नाते मैंने कई लोगों से संवाद किया है, प्रचंड ने कहा। रुकुम पश्चिम में केपी ओली द्वारा उनके खिलाफ अन्य दलों से तालमेल करने के सवाल पर प्रचंड ने कहा कि इससे ओली की सोच झलकती है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर उन्होंने ओली से सीधे सवाल भी किया था। बातचीत के बाद ओली ने पूर्वी रुकुम में दिए गए समर्थन को वापस लेकर अपने उम्मीदवार को बरकरार रखा, हालांकि यह प्रचंड के समर्थन में नहीं था। एमाले या कांग्रेस के साथ मिलकर फिर से नंबर एक पार्टी बनने की संभावना के सवाल पर प्रचंड ने दो टूक कहा, न तो एमाले के साथ और न ही कांग्रेस के साथ—कोई समीकरण नहीं है।

इस साल नेपाल पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में हुआ इजाफा

काठमांडू। नए साल 2026 की शुरुआत में ही नेपाल के पर्यटन उद्योग में जबरदस्त उछाल आया। नेपाल पर्यटन बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में नेपाल पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में 15.7फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस रिकार्ड तोड़ कामयाबी का सबसे बड़ा श्रेय भारत को जाता है, क्योंकि नेपाल आने वाले हर चार में से एक से ज्यादा पर्यटक भारतीय हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 में नेपाल में हवाई मार्ग से कुल 92,573 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक पहुंचे, जबकि जनवरी 2025 में यह संख्या 79,991 थी। पर्यटकों की इस भीड़ में भारत ने अपना दबदबा कायम रखा है। आंकड़े बताते हैं कि भारतीयों का नेपाल के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। पिछले साल जनवरी में जहां 20,485 भारतीय हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे थे, वहीं इस साल यह संख्या 30फीसदी बढ़कर 26,624 हो गई है। दक्षिण एशियाई देशों की बात करें तो कुल पर्यटकों का लगभग 40फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आया है। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक पर्यटकों की इस बढ़ती संख्या के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- बेहतर कनेक्टिविटी से भारत और अन्य देशों से नेपाल के लिए हवाई उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय की निपाह वायरस से सतर्क रहने की अपील

काठमांडू, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को निपाह वायरस को लेकर नागरिकों से घबराने के बजाय सतर्क और जिम्मेदार रहने की अपील की है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि कुछ देशों में निपाह वायरस के मामलों से वह अवगत है। इससे निपटने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि एहतियात के तौर पर महामारी विज्ञान एवं रोग नियंत्रण प्रभाग (ईडीसीडी) ने देशभर के स्वास्थ्य संस्थानों और संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया है तथा निपाह वायरस की जांच के लिए व्यवस्था की गई है। यह वायरस संक्रमित चमगादड़ों के मूत्र, मल या लार से दूषित फलों के सेवन के माध्यम से फैल सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने नागरिकों से मानक स्वास्थ्य उपाय अपनाने का आग्रह किया है। इनमें फलों को अच्छी तरह धोकर सेवन करना, सब्जियों को अच्छी तरह पकाकर खाना, उबला या सुरक्षित पानी पीना, पशुशालाओं और खेतों में स्वच्छता बनाए रखना, दस्ताने और मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों का उपयोग करना, साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों में मास्क पहनना शामिल है।

मंत्रालय ने सलाह दी है कि बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, चक्कर आना, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, मतली, उल्टी या गंभीर मामलों में बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने पर संबंधित व्यक्ति को अलग रखा जाए और तुरंत सूचना दी जाए। संदिग्ध लक्षण महसूस होने पर नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान से संपर्क करें या स्वास्थ्य हाटलाइन 1115 पर काल करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि नेपाल में अब तक निपाह वायरस का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है और किसी भी संभावित जोखिम को न्यूनतम करने के लिए स्वास्थ्य प्राधिकरण पूरी तरह तैयार हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार संस्थाओं के समन्वय में स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है तथा नागरिकों से अफवाहों से बचने और केवल मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक स्तर तथा दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में निपाह वायरस से जुड़े समग्र स्वास्थ्य जोखिम को कम आंका है, फिर भी भारत में सामने आए मामलों को देखते हुए मंत्रालय ने तैयारी और जन-जागरूकता के उपायों को और सुदृढ़ किया है।

पेरिस में बनेगा पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर, भेजे गए तराशे हुए पत्थर

बुसी-सेंट-जार्जेस (पेरिस), 03 फरवरी (एजेंसियां)।

फ्रांस के बुसी-सेंट-जार्जेस में बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर के निर्माण के लिए भारत से पहली बार हाथ से तराशे गए पत्थर यहां पहुंचे। फ्रांस का यह पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर होगा। यह मंदिर सदियों पुरानी भारतीय शिल्पकला, वास्तुकला और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत उदाहरण बनेगा।

इन पत्थरों को भारत के कुशल कारीगरों ने पारंपरिक तकनीकों से तैयार किया है, जिनमें बारीक नक्काशी, सांस्कृतिक प्रतीक और आध्यात्मिक भावनाएं समाहित हैं। फ्रांस पहुंचने के बाद इन पत्थरों से मंदिर निर्माण का कार्य भारतीय और फ्रांसीसी कारीगरों की संयुक्त टीम द्वारा किया जाएगा। खास बात यह है कि फ्रांसीसी टीम में वे विशेषज्ञ भी शामिल हैं, जिन्होंने ऐतिहासिक नोट्रे-डेम कैथेड्रल की मरम्मत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे दोनों देशों की पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक इंजीनियरिंग का अनोखा संगम देखने को मिलेगा।

यह सहयोग न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह मंदिर केवल एक पूजा स्थल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह संस्कृति, शिक्षा, आध्यात्मिकता और सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। यहां भारतीय परंपराओं, मूल्यों और जीवन दर्शन को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे फ्रांस में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ-साथ स्थानीय लोग भी जुड़ सकेंगे। मंदिर के पूरा होने के बाद यह भारत और फ्रांस के बीच मित्रता और आपसी सम्मान का स्थायी प्रतीक बनेगा। पत्थरों के आगमन के अवसर पर आयोजित समारोह में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सामुदायिक प्रमुखों ने भी शिरकत की। बीएपीएस पेरिस मंदिर प्रोजेक्ट के सीईओ श्री संजय करा ने कहा कि हर पत्थर अपने साथ विरासत, श्रद्धा और उद्देश्य लेकर आया है।

उन्होंने इसे भारतीय परंपरा और फ्रांसीसी इंजीनियरिंग का सुंदर मिलन बताया। भारत के राजदूत संजीव कुमार सिंघला ने भी इस परियोजना को दोनों देशों की शिल्पकला और सांस्कृतिक मूल्यों का शानदार संगम करार दिया। फ्रांस के अधिकारियों ने भी इस मंदिर को सद्भाव, साझेदारी और सांस्कृतिक संवाद का नया अध्याय बताया। उनका मानना है कि यह परियोजना विविध संस्कृतियों के बीच समझ और सम्मान को और गहरा करेगी। बीएपीएस पेरिस मंदिर का निर्माण कार्य जून 2024 में शुरू हुआ था और इसके 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 04 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-34

18% टैरिफ से एशिया में बड़ा उलटफेर

भारत धुरंधर

File Photo

वाशिंगटन, 03 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा कि भारत अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क ''शून्य'' करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, और बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर ''तत्काल प्रभाव से'' आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए श्री मोदी को अपना ''सबसे अच्छा मित्र'' बताते हुए लिखा कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवतः वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गये हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका तत्काल प्रभाव से भारतीय उत्पादों पर प्रतिवर्ती आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत ''अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क और आयात बाधाओं को घटाकर शून्य'' कर देगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि श्री मोदी इस बात पर सहमत हुए कि भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने के अलावा अमेरिका से आयात बढ़ायेगा।

अमेरिका की कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस ने इस समझौते की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इससे भारत के विशाल बाजार में अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा, जिससे दाम बढ़ेंगे और अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में आमदनी बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि भारत के साथ कृषि व्यापार में साल 2024 में अमेरिका का व्यापार घाटा 1.3 अरब डॉलर था। अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत की बढ़ती आबादी एक महत्वपूर्ण बाजार है और इस घाटे को कम करने में आज के व्यापार समझौते की दूरगामी भूमिका होगी।

कृषि समेत संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा: गोयल

नयी दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की हितों की रक्षा की गयी है और समझौते पर जल्द ही दोनों पक्ष साझा बयान जारी करेंगे।श्री गोयल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दोनों देशों के अधिकारी समझौते के तकनीकी विवरण तय कर रहे हैं और जल्दी ही इस पर एक साझा बयान जारी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से देश के हर क्षेत्र को अमेरिकी बाजार में अवसर मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसमें कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों का संरक्षण किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच सोमवार देर रात टेलीफोन वार्ता के बाद दोनों देशों में व्यापार वार्ता पर सहमति बनी। श्री ट्रम्प ने इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, और बदले में अमेरिका तत्काल प्रभाव से भारतीय उत्पादों पर जवाबी आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत ''अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क और आयात ▶10 पर

झूमा बाजार

मुंबई, 03 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की खबर से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स 3,656.74 अंक उछलकर 85,323.20 अंक पर खुला और देखते ही देखते 4,205.27 अंक चढ़कर 85,871.73 अंक पर पहुंच गया। खबर लिखे जाते समय यह 2,227.60 अंक (2.73 प्रतिशत) ऊपर 83,894.06 अंक पर था।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 सूचकांक भी 1,219.65 अंक की तेजी के साथ 26,308.05 अंक पर खुला। यह 1,252.80 अंक तक चढ़कर 26,341.20 अंक पर पहुंच गया। खबर लिखे जाते समय यह 677.70 अंक यानी 2.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,766.10 अंक पर था। बाजार में सभी सेक्टरों के सूचकांकों में बड़ी तेजी देखी गयी। ▶10 पर

चुनाव खत्म होते ही बढ़ा दिया जाएगा गृह कर : बंडी संजय

करीमनगर/हैदराबाद, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी नगर निकाय चुनाव समाप्त होते ही नगर पालिकाओं में गृह कर (हाउस टैक्स) बढ़ाने की योजना बना रही है।

करीमनगर निगम में नगर निकाय चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे कांग्रेस को वोट न दें, क्योंकि उसने अपनी छह गारंटियों को लागू नहीं किया है।

कांग्रेस और बीआरएस पर तीखा हमला

संजय ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के पिछले दो वर्षों में, राज्य भर के निगमों और नगर पालिकाओं को एक पैसा भी नहीं दिया गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें इस चुनाव में वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

इसके साथ ही, उन्होंने पिछले दस वर्षों के शासन के दौरान बीआरएस पर लूट और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि बीआरएस को वोट देना 'गटर में वोट डालने' जैसा होगा। उन्होंने पिछली सरकार द्वारा केंद्रीय निधियों के दुरुपयोग और डायवर्जन की भी कड़ी आलोचना की।

भाजपा की जीत का भरोसा और चुनावी तैयारी

केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि इस बार करीमनगर मेयर की सीट पर भाजपा की जीत सुनिश्चित है। चुनाव प्रचार के औपचारिक आगाज से पहले उन्होंने महाशक्ति मंदिर में प्रचार वाहनों की पूजा-अर्चना की।

कल शाम पार्टी सूत्रों ने आधिकारिक तौर पर करीमनगर नगर निगम में भाजपा की ओर से चुनाव लड़ने वाले 66 उम्मीदवारों की सूची घोषित कर दी है। इस अभियान कार्यक्रम में भाजपा के राज्य नेता मनोहर रेड्डी, पूर्व मेयर सुनील राव, कन्ना कृष्णा और अन्य नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फिर हंगामा, कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पूर्व सेना प्रमुख की एक पुस्तक में दिये तथ्यों के आधार पर चीन का मुद्दा उठाने को लेकर मंगलवार को फिर भारी हंगामा हुआ जिसके कारण पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी को सदन की कार्यवाही तीन बजे तक स्थगित करनी पड़ी।लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित होने के बाद श्री तेन्नाटी ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विपक्ष के नेता का नाम पुकारा तो श्री गांधी ने पीठासीन अधिकारी को बताया कि अध्यक्ष ने उनसे तथ्यों की प्रमाणिकता की बात करने को कहा था इसलिए वह संबंधित कागजात सदन के पटल पर रखते हैं। दस्तावेज पटल पर रखने के बाद उन्होंने फिर चीन भारत सीमा का जिक्र करना शुरु किया तो संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता को फिर उसी बिंदु पर बात नहीं रखनी चाहिए जिस पर अध्यक्ष ने कल व्यवस्था दी थी।

श्री गांधी ने कहा कि वह जो बात जिस पुस्तक के आधार पर बोल रहे हैं उससे सबंधित प्रमाणिकता के कागजात पटल पर रख दिये हैं इसलिए उन्हें बोलने की इजाजत दी जानी चाहिए। पीठासीन अधिकारी ने कहा कि इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष पहले ही व्यवस्था दे चुके हैं। विपक्ष के नेता को दी गयी व्यवस्था के अनुसार अपनी बात सदन में रखनी होगी। श्री गांधी ने कहा कि वह विपक्ष के नेता हैं और उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है और इसके लिए उन्हें किसी से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका मुद्दा आज पूरी दुनिया का मुद्दा बना हुआ है और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में इस मुद्दे को नकारा नहीं जा सकता। पीठासीन अधिकारी ने कहा कि विपक्ष के नेता को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर ही बोलना चाहिए। श्री गांधी ने फिर बोलने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने पहले की ही लाइन पर अपनी ▶10 पर

लोकसभा से कांग्रेस के सात और माकपा का एक सदस्य निलंबित

नयी दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)। लोक सभा में मंगलवार को कांग्रेस सदस्य मणिक्कम टैगोर सहित आठ सदस्यों को पीठासीन की अवहेलना करने और आसन की ओर कागज फेंकने के आरोप में बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। इन सदस्यों में श्री टैगोर के अलावा कांग्रेस के अमरिन्दर सिंह 'राजा वडिंग', गुरदीप सिंह औजला, हिवी ईडेन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत यादवराव पाडोले और सी किरण कुमार रेड्डी तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) रिपीट माकपा के एस वेंकटेशन शामिल हैं। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित रूप से बोलने का अवसर न देने के मुद्दे पर कांग्रेस के सदस्यों ने आज भी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के दौरान इन सदस्यों ने आसन के समक्ष पहुंच कर नारेबाजी की और कुछ कागज उछाले। अपराह्न तीन बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई तो पीठासीन दिलीप सैकिया ने कांग्रेस के इन सदस्यों के नाम का उल्लेख किया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने इन सदस्यों को शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव किया, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

आज से रेवंत दौरा

हैदराबाद, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी बुधवार से अपना जिला दौरा फिर से शुरू करने जा रहे हैं। यह दौरा राज्य के 116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों के लिए 11 वफरवरी को होने वाले मतदान के चुनाव अभियान के साथ मेल खाएगा। हार्वर्ड केनेडी स्कूल से अपना नेतृत्व कार्यक्रम पूरा कर सोमवार सुबह हैदराबाद लौटे मुख्यमंत्री अब पूरी तरह चुनावी मोड में हैं।

दौरे के दूसरे चरण से पहले, मुख्यमंत्री आज शाम अपने जुबली हिल्स स्थित कार्यालय में मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इस बैठक में एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और अन्य वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। तय कार्यक्रम के अनुसार, रेवंत रेड्डी विभिन्न जिलों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे: 4 फरवरी: मिर्यालगुडा, 5 फरवरी: चोप्पदंडी (करीमनगर), ▶10 पर

'कॉमन बिल सिस्टम' पहले जीएचएमसी में

हैदराबाद, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना स्थानीय निकायों के राजस्व को बढ़ाने के लिए राज्य के सभी जिलों में 'कॉमन बिल सिस्टम' शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के पहले चरण के रूप में, सरकार ने जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम) क्षेत्र को पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पानी, बिजली और संपत्ति कर के बिलों को एक ही भुगतान प्रणाली में संयोजित करना है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में अपनाए गए मॉडल पर आधारित है। सरकार ने इसके लिए एक समर्पित मोबाइल ऐप भी विकसित किया है, जिसे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की समीक्षा के बाद लॉन्च किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, कॉमन बिल सिस्टम जीएचएमसी सीमा को कवर करेगा, जिसमें लगभग 19.4 लाख संपत्ति कर मूल्यांकन शामिल हैं। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने पाया कि लगभग 93,000 संपत्तियां ऐसी हैं जो आवासीय संपत्ति कर देती हैं, लेकिन वहां बिजली के कमर्शियल मीटर लगे हुए हैं। इसके अलावा, लगभग 70,000 इमारतें अभी भी टैक्स के दायरे से बाहर हैं। इन संपत्तियों को सही टैक्स श्रेणी में लाकर सरकार को लगभग 600 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, जीएचएमसी का लक्ष्य बेहतर मूल्यांकन और प्रवर्तन के माध्यम से 3,000 करोड़ रुपये तक जुटाना है। हैदराबाद के परिणामों के आधार पर, सरकार इस प्रणाली को पूरे राज्य में विस्तारित करने की योजना बना रही है। ▶10 पर

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें सीएम

नई दिल्ली/इम्फाल, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। कल यानी बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। 9 फरवरी 2025 को बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, ▶10 पर

लोकसभा में 'यार' शब्द पर हंगामा: राहुल गांधी ने संस्मरण का दिया हवाला, स्पीकर ने जताया ऐतराज

नई दिल्ली,03 फरवरी (एजेंसियां)। अगस्त 2020 के लद्दाख विवाद को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर सरकार और विपक्ष के बीच पहले से ही तीखी बहस चल रही थी। इसी बीच, लोकसभा में एक नया हंगामा तब शुरू हुआ जब विपक्ष की ओर से किसी सदस्य ने कथित तौर पर 'यार' शब्द का प्रयोग किया। हाउस चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और कांग्रेस सांसदों को फटकार लगाई। उन्होंने इसे असंसदीय और आपत्तिजनक बताया, हालांकि कांग्रेस सांसदों ने इसे गंभीरता से नहीं लेते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ने विपक्ष के नेताओं से सख्ती से कहा, आप चेयर को यार नहीं कह सकते हैं।इससे पहले, सुबह से सदन की कार्यवाही में रुकावट के बाद दोपहर 2 बजे जब लोकसभा फिर से शुरू हुई,तो सदन में काफी हंगामा और शोर-शराबा देखने को मिला। कांग्रेस सांसद राहुल

गांधी पूर्व थल सेना प्रमुख मनोज नरवणे की एक किताब (जो अभी प्रकाशित नहीं हुई है) से जुड़ी कुछ बातों पर चर्चा करना चाहते थे। हालांकि, हाउस चेयरमैन ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी।

कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि जानकारी का सोर्स साबित करने के बावजूद उन्हें हाउस में बोलने नहीं दिया जा रहा है। हालांकि, चेयर ने उनकी दलील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि रूल 239 के तहत, स्पीकर ने एक ऐसा फैसला दिया है जो हाउस के सदस्यों को बिना वेरिफाई या अस्पष्ट तथ्यों का ज़िक्र करने या उनके बारे में बोलने से रोकता है।

नेता प्रतिपक्ष ने अपना आरोप जारी रखते हुए कहा कि वह सिर्फ लद्दाख में उठाए गए मुद्दे और प्रधानमंत्री मोदी ने उस पर क्या प्रतिक्रिया दी, यह उठा रहे थे। उन्होंने इस मुद्दे पर बोलने की इजाजत न मिलने का विरोध करते हुए कहा, हमारे प्रेसिडेंट का भाषण इस बारे में था कि भारत को किस रास्ते और दिशा में जाना चाहिए। ग्लोबल स्टेज पर, मुख्य मुद्दा यूनाइटेड स्टेट्स और चीन के बीच टकराव है। यह हमारे स्ट्रेटेजिक हितों के लिए ज़रूरी है। मुझे इसे उठाने से क्यों रोका जाना चाहिए?

राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे और चेयर ने बार-बार इस पर आपत्ति जताई, जिसके चलते सदन में जोरदार हंगामा और शोर-शराबा हुआ। विपक्ष के सदस्यों ने विपक्ष के नेता को बोलने और राष्ट्रीय महत्व के मामले उठाने के अधिकार से वंचित करने के चेयर के फैसले का विरोध करते हुए नारे लगाए।

बिहार के विकास में एनडीए का शानदार बजट नया कदम बढ़ाएगा : मंगल पांडे

पटना,03 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में मंगलवार को वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। इस बजट को ऐतिहासिक बताते हुए मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि यह बजट बिहार के विकास में नया कदम बढ़ाएगा। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को जनता ने प्रचंड बहुमत दिया है। यह नई सरकार का पहला बजट है। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने 3 लाख 47 हजार करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया है। यह बजट बिहार के विकास को नई दिशा देगा और विकास में नया कदम बढ़ाएगा। इस बजट से स्वास्थ्य विभाग नए काम करेगा। ग्रामीण अस्पतालों की व्यवस्था बेहतर की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की सैलरी बढ़ाई जाएगी। आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम बढ़ाया

जाएगा। बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इन्हें बेहतर और अच्छा बनाया जाएगा। एनडीए सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक युवा सक्षम, कुशल और आत्मनिर्भर बने, ताकि वह विकसित बिहार के निर्माण में सशक्त भागीदार की भूमिका निभा सके। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करने पर मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि बंगाल की जनता सब देख रही है। ममता बनर्जी का रवैया ठीक नहीं है। सीएम कोलकाता से दिल्ली चली गईं और वहां विषय उठा रही हैं। लेकिन, बंगाल की जनता बाहर आकर नहीं कह रही है कि उन्हें एसआईआर से समस्या है। सड़कों पर जनता का जनसमूह इकट्ठा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग के निर्देश पर एसआईआर हो रहा है और इस काम में प्रदेश सरकार के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अब सवाल यह है कि ममता बनर्जी को अपने डीएम, एसडीओ पर भरोसा नहीं है। राजनीति के लिए एसआईआर का विरोध करना ठीक नहीं है। वे जनता के बीच भ्रम पैदा कर रही हैं। चुनाव आयोग तो एक स्वतंत्र संस्था है, जो नियम और नीतियों को लागू कराती है।उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी में नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ा है। मेड इन इंडिया उत्पादों पर टैरिफ अब 18 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापारिक साझेदारी और साझा विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

आई-पैक छापेमारी विवाद: बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने हलफनामे को लेकर ममता पर साधा निशाना

कोलकाता,03 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आई-पैक (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के कोलकाता स्थित कार्यालय और आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान कथित हस्तक्षेप को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर किया गया हलफनामा उनके पहले दिए गए बयानों से पूरी तरह विरोधाभासी है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 8 जनवरी, जिस दिन छापेमारी हुई थी, उस दिन जो बयान दिए थे, वे अब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में किए गए दावों से मेल नहीं खाते। मीडिया से बातचीत में अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री लगातार इस मुद्दे पर असत्य बयान देती रही हैं और अब वह अपने ही विरोधाभासी बयानों के जाल में फंस गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में उन्होंने कहा है कि ईडी अधिकारियों की अनुमति लेकर वह दोनों जगहों से कुछ फाइलें अपने साथ ले गईं। लेकिन छापेमारी के दिन कैमरे के सामने उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया है और ईडी अधिकारियों को कुछ भी ले जाने नहीं दिया। यह उस दिन का उनका सार्वजनिक ऐलान था, जो उनके हलफनामे के दावों से पूरी तरह उलट है।

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री खुद को जेल जाने के डर से बार-बार अपने ही बयानों का खंडन कर रही हैं।

उन्होंने कहा, हलफनामे में किए गए दावों और 8 जनवरी को कैमरे पर दिए गए बयानों को देखकर कोई बच्चा भी समझ सकता है कि मुख्यमंत्री खुद ही खुद का विरोध कर रही हैं।इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस मामले की सुनवाई 10 फरवरी तक के लिए टाल दी।न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह निर्णय उस समय लिया, जब प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्य सरकार द्वारा दायर जवाबी हलफनामे पर प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए समय मांगा।

अमेरिका टैरिफ : राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ विश्वासघात : जयराम रमेश

नई दिल्ली,03 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात बन गई है। अमेरिका ने भारत पर लगे टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार का घेराव किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्ट को शेयर किया। इसे लेकर उन्होंने कहा कि देर रात अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा की जा रही है और यह पीएम मोदी के अनुरोध पर तुरंत प्रभाव से लागू हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध निश्चित रूप से ध्यान भटकाने वाली हेडलाइंस बनाने के लिए किया गया था, क्योंकि सोमवार दोपहर लोकसभा में राहुल गांधी ने चीन के सामने उनकी कायरता और आत्मसमर्पण को बेनकाब कर दिया था।

जयराम रमेश ने कहा कि अगर पीएम मोदी सोचते हैं कि इस तरह वे नैरेटिव को संभाल सकते हैं तो वे पूरी तरह गलत हैं, क्योंकि न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ उनका विश्वासघात सामने आ चुका है, बल्कि

भारत के किसान भी अब उनके दोहरे चरित्र और अपने हितों को बेचने की उनकी इच्छा को समझ रहे हैं।

बता दें कि एक दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी से बात करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं और अपने देश के एक शक्तिशाली और सम्मानित नेता हैं। हमने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें ट्रेड और रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करना शामिल है। वह रूसी तेल खरीदना बंद करने और यूनाइटेड स्टेट्स और शायद वेनेजुएला से ज्यादा ऑयल खरीदने पर सहमत हुए। इससे यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी, जिसमें हर हफ्ते हजारों लोग मर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती और सम्मान के नाते और उनके अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से हम यूनाइटेड स्टेट्स और भारत के बीच एक ट्रेड डील पर सहमत हुए, जिसके तहत यूनाइटेड स्टेट्स एक कम रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा, इसे 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। वे भी इसी तरह यूनाइटेड स्टेट्स के खिलाफ अपने टैरिफ और नॉन-टैरिफ बैरियर को घटाकर जीरो कर देंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 500 बिलियन डॉलर से ज्यादा की अमेरिकी एनर्जी, टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर, कोयला और कई दूसरे प्रोडक्ट्स के अलावा बहुत ज्यादा लेवल पर अमेरिका से खरीदने का भी वादा किया। भारत के साथ हमारे शानदार रिश्ते आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो अपना काम पूरा करते हैं।

पवन कल्याण ने एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बिक्री पर कार्रवाई के आदेश दिए

अमरावती,03 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे राज्यभर में शराब की दुकानों पर लगातार निगरानी रखें और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से ज्यादा कीमत पर शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उपमुख्यमंत्री को राज्य के विभिन्न हिस्सों से शिकायतें मिली हैं कि शराब को निर्धारित एमआरपी से अधिक दाम पर बेचा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसी गतिविधियों से सरकार की छवि खराब न होने दी जाए। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, काकीनाडा जिले समेत राज्य के कई इलाकों से इस तरह की शिकायतें सामने आई हैं। शिकायतों की जांच के बाद पवन कल्याण ने स्पष्ट किया कि तय कीमत से अधिक दर पर शराब की बिक्री नियमों के खिलाफ है और इससे सरकार की बदनामी होती है।

जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने कहा कि शराब विक्रेताओं को बिक्री से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पवन कल्याण की जनसेना पार्टी, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में सहयोगी दल है।

इस बीच विपक्षी वाईएसआरए कांग्रेस पार्टी ने अवैध शराब बिक्री को लेकर गठबंधन सरकार पर हमला बोला है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि सरकार आंख मूंदकर नियमों के उल्लंघन की इजाजत दे रही है और दुकानदार खुलेआम एमआरपी से ज्यादा कीमत वसूल रहे हैं।

गौरतलब है कि राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले महीने सभी आकार की इंडियन-मेड फॉरेन लिकर और विदेशी शराब की बोतलों की अधिकतम खुदरा कीमत में 10 रुपये प्रति बोतल की बढ़ोतरी का फैसला किया था। साथ ही बार पर लगाए गए अतिरिक्त रिटेल आबकारी कर को वापस लेने का भी निर्णय लिया गया।

सरकार ने स्पष्ट किया था कि 99 रुपये कीमत वाली 180 एमएल की सस्ती शराब, बीयर, वाइन और रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) श्रेणी पर यह 10 रुपये की बढ़ोतरी लागू नहीं होगी।इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने इंडियन-मेड फॉरेन लिकर और विदेशी शराब पर खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन में लगभग 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का भी निर्णय लिया, जिसमें 180 एमएल की इंडियन-मेड फॉरेन लिकर बोतलें, बीयर, वाइन और आरटीडी उत्पाद शामिल हैं।सरकार का अनुमान है कि इस मूल्यवृद्धि से राज्य को सालाना लगभग 1,391 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा, जबकि अतिरिक्त रिटेल आबकारी कर हटाए जाने से बार मालिकों पर सालाना करीब 340 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ कम होगा।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी उपलब्धि, पालघर में माउंटेन टनल-6 का ब्रेकथ्रू पूरा

पालघर,03 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की माउंटेन टनल-6 का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसका अवलोकन किया। ये टनल महाराष्ट्र के पालघर के दहाणू रोड इलाके में है। जानकारी के अनुसार, इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है, जो महाराष्ट्र और गुजरात के बीच तेज और आरामदायक कनेक्टिविटी देगा। अभी तक परियोजना में काफी

काम पूरा हो चुका है। कुल 508 किलोमीटर में से 334 किलोमीटर वायाडक्ट और 417 किलोमीटर पियर्स का काम पूरा हो गया है। इसके अलावा 17 नदी पुल, 5 पीएसमी पुल और 13 स्टील पुलों का निर्माण भी हो चुका है। 247 किलोमीटर लंबे रूट पर 4.9 लाख से ज्यादा नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं। ट्रैक की बात करें तो 308 ट्रैक किलोमीटर यानी 154 रूट किलोमीटर आरसी ट्रैक बेड तैयार हो गया है। मुख्य मार्ग पर लगभग 125 रूट किलोमीटर क्षेत्र में 5,400 से ज्यादा ओवरहेड इलेक्ट्रिक मास्ट लगाए जा चुके हैं।महाराष्ट्र में सात प्रस्तावित पर्वतीय सुरंगों में से पहली माउंटेन टनल का ब्रेकथ्रू हो गया है, जबकि आठ में से दो सुरंगों का उत्खनन भी पूरा हो चुका है। बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग में 5 किलोमीटर एनएटीएम टनल का उत्खनन हो गया है।सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो का निर्माण जारी है।

भक्ति गीत में बदलाव से मुरुगन भक्त नाराज, विजय और वेलमुरुगन के खिलाफ शिकायत दर्ज

चेन्नई,03 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में हाल ही में अभिनेता और राज-नेता विजय के राजनीतिक मंच और लोक गायक वेलमुरुगन के बीच एक विवाद सामने आया। यह विवाद एक भक्ति गीत को लेकर शुरू हुआ। मामला तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की तीसरी सालगिरह समारोह से जुड़ा है, जो 2 फरवरी को चेन्नई के पनैयुर कार्यालय में आयोजित किया गया था। इस समारोह के दौरान वेलमुरुगन ने भगवान मुरुगन के प्रसिद्ध भक्ति गीत 'मारुथामलई ममानिये' को प्रस्तुति के रूप में गाया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि गाने के पारंपरिक बोल को बदलकर राजनीतिक संदर्भ जोड़ दिए गए। गीत की पंक्ति 'वरुवाई कुगने' की जगह विजय और टीवीके की तारीफ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया। यह बदलाव मुरुगन भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और भजन का अपमान है। अधिवक्ता कुतराला नाथन ने इस संबंध में नेल्लई म्युनिसिपल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की कि वेलमुरुगन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, शिकायत में अभिनेता विजय, टीवीके के महासचिव एन. आनंद और पार्टी के अन्य पदाधिकारी अधव अर्जुन को भी

नामजद किया गया है। उनका आरोप है कि ये लोग भी इसमें सहभागी थे।शिकायत में कहा गया है कि भक्ति गीत को राजनीतिक उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया, ऐसा करने से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। साथ ही, समाज में सांप्रदायिक अस्थिरता पैदा होने की संभावना भी खड़ी होती है।शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह के कार्य कानून और व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकते हैं और धार्मिक समुदाय के बीच गलतफहमी पैदा कर सकते हैं।अधिवक्ता ने कहा, ''इस भक्ति गीत को राजनीतिक लाभ के लिए बदल दिए जाने पर हम मुरुगन भक्तों को गहरा दुख हुआ है।'

विजय ने 2 फरवरी 2024 को अपने राजनीतिक दल टीवीके की स्थापना की थी। इसके बाद से वह तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय हो गए हैं और तिरुचिरापल्ली से पहले विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। इससे पहले करूर में टीवीके की एक सार्वजनिक बैठक के दौरान भगदड़ के बाद उन्होंने थोड़े समय के लिए अपने अभियान को रोका था। हालांकि, बाद में उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों को फिर से शुरू किया।तीसरी सालगिरह समारोह में वेलमुरुगन का संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान विजय को उत्साहपूर्वक नाचते हुए देखा गया। समारोह के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिससे विवाद और चर्चा बढ़ गई। कई मुरुगन भक्तों ने इसे धार्मिक भावनाओं का अपमान बताया और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।पुलिस अधिकारियों ने अब तक पुष्टि नहीं की है कि शिकायत के आधार पर औपचारिक रूप से कोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं। न ही विजय, वेलमुरुगन या टीवीके के नेतृत्व ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी किया है।

सूरत में 9-10 अप्रैल को साउथ जोन के वीजीआरसी सम्मेलन का आयोजन

गांधीनगर,03 फरवरी (एजेंसियां)। सूरत में 9 और 10 अप्रैल को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन का दक्षिण गुजरात संस्करण आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन के दूसरे दिन एमएसएमई सम्मेलन के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह दो दिवसीय सम्मेलन राज्य सरकार की वाइब्रेंट गुजरात मंच को चार क्षेत्रीय क्षेत्रों तक ले जाने की पहली पहल का हिस्सा है, जो 2003 में शुरू हुए वैश्विक शिखर सम्मेलनों की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। दक्षिण गुजरात क्षेत्र के सम्मेलन में छह जिलों-तापी, सूरत, नवसारी, वलसाड, डांग और भरूच के हितधारक एक साथ आएंगे, और इसमें क्षेत्र-विशिष्ट विषयों पर सेमिनार, व्यापार-से-व्यापार और व्यापार-से-सरकार बैठकें, प्रदर्शनियां और नेटवर्किंग मंच शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्रीय प्रारूप स्थानीय उद्योगों और उद्यमियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बनाया

गया है।एक अधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य जमीनी स्तर के उद्यमों के लिए एक केंद्रित मंच प्रदान करना है, जहां उद्यम नीति निर्माताओं, खरीदारों और सेवा प्रदाताओं के साथ सीधे जुड़ सकें।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण 10 अप्रैल को होने वाला एमएसएमई कॉन्क्लेव होगा, जिसमें सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए तकनीकी सेमिनार, पैनल चर्चा, प्रदर्शनियां और विक्रेता विकास कार्यक्रम शामिल होंगे।

कॉन्क्लेव में 2024-25 वित्तीय वर्ष के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र में कार्यरत एमएसएमई इकाइयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार पांच श्रेणियों में दिए जाएंगे: महिला उद्यमी, युवा उद्यमी, अनुसूचित जाति के उद्यमी, अनुसूचित जनजाति के उद्यमी, और एक सामान्य श्रेणी शामिल हैं।

अधिकारी ने आगे कहा कि इन श्रेणियों का उद्देश्य समावेशी मान्यता सुनिश्चित करना और समाज के विभिन्न वर्गों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

पात्र एमएसएमई इकाइयों को अपनी-अपनी श्रेणियों के अंतर्गत आवेदन करना होगा, और अधिक जानकारी संबंधित जिला उद्योग केंद्रों से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य उद्योग विभाग ने दक्षिण गुजरात के एमएसएमई इकाइयों और उद्यमियों से सम्मेलन और अधिवेशन में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है और कहा है कि यह आयोजन क्षेत्र में क्षमताओं को प्रदर्शित करने, साझेदारी के अवसरों की खोज करने और संस्थागत सहायता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

ऐसे बचाएं बच्चे को इंटरनेट के खतरों से

पहले आप इस दुनिया का हिस्सा बनें

इस खतरे से लड़ने का सबसे पहला नियम है कि आप सूचनाओं से लैस रहें। इस दुनिया में कूद जाएं और इसके आधारभूत नियमों को समझें। इससे संबंधित लेख पढ़ें, जरूरी हो तो क्लास में जाएं, दूसरे पेरेंटस से चर्चा करें। आपको इसके लिए महारथी होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए आप बेसिक्स ही सीख लें। यह ही आपकी मदद करेगा।

बच्चे से संवाद करें

अपने बच्चे से संवाद करें। आप उससे इंटरनेट के खतरे और फायदों की चर्चा करें। अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों पर ध्यान दें। जानें कि बच्चे की पसंदीदा वेबसाइट कौन-सी है, वह कौन-से ऑनलाइन गेम्स खेलता है और इंटरनेट पर उसकी रुचियां क्या हैं? और अपने बच्चे से यह पूछने से जरा भी नहीं हिचकें कि वह किससे चैट करता है और वे आपस में किस तरह की बातें करते हैं।

इस दौर के माता-पिता के पास पारंपरिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अब एक नई जिम्मेदारी भी आन पड़ी है अपने बच्चों को साइबर वर्ल्ड के खतरों से बचाने की। यदि आप अब इस आभासी दुनिया का हिस्सा होने जा रहे हैं तो हम आपको बता सकते हैं कि आप किस तरह अपने बच्चों के साइबर अनुभव को सकारात्मक बना सकते हैं।

बच्चे को कुछ हिदायतें दें

बच्चे को बताएं कि वह किसी भी हालत में अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी अजनबी को इंटरनेट पर नहीं देगा। साथ ही यह भी कि यदि उसे इंटरनेट पर कुछ भी असुविधाजनक या आपत्तिजनक लगा तो वह तुरंत उसकी जानकारी आपको दे। अगर आप बच्चे को पहले ही हिदायत देंगे तो वह खुद भी सुरक्षात्मक कदम उठा सकेगा।

कम्प्यूटर पर नियंत्रण रखें

ऐसे सॉफ्टवेयर जिनकी मदद से आप अपने कम्प्यूटर पर कुछ साइट्स को ब्लॉक कर सकते हैं, उन्हें खोजकर उनका इस्तेमाल करें। कम्प्यूटर पर बिताने के लिए समय निश्चित कर दें। बच्चे के इंस्टेंट मैसेंजर चैट को भी प्रोटेक्ट करके रखें। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप उसकी आजादी को कम कर रहे हैं बल्कि यह है कि आप उसकी सुरक्षा कर रहे हैं।

परिवार के साथ इंटरनेट का लाभ लें

आप अपने और अपने बच्चे के साथ-साथ परिवार को भी इंटरनेट से फायदा उठाने के लिए प्रेरित करें। इससे आपके साथ-साथ आपका परिवार भी बच्चे की वर्चुअल दुनिया पर नजर रख सकेगा। अगर परिवार के ज्यादातर सदस्य सोशल मीडिया पर हैं तो बच्चों की थोड़ी-बहुत निगरानी तो आसानी से हो ही सकती है।

धुएं को करो किक लाइफ रहेगी फिट

आज की बदलती लाइफ स्टाइल में स्मोकिंग और शराब पीना लोगों खासकर युवाओं की आदत सी बनती जा रही है। किसी को काम का तनाव है तो किसी को अच्छे करियर का। किसी को काम और फैमिली के बीच बैलेंस बनाने में तनाव हो रहा है तो किसी को अन्य दूसरे तरह का तनाव।

क्या आप जानते हैं

तंबाकू में 4 हजार केमिकल

हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. केके अग्रवाल का कहना है कि तंबाकू उत्पादों में निकोटिन, कार्बन मोनोऑक्साइड सहित 4000 से ज्यादा खतरनाक केमिकल होते हैं। घरों में या कार में स्मोकिंग करने से ये वातावरण में देर तक मौजूद रहते हैं, जो सांसों के जरिए बॉडी में पहुंचते हैं। फिर इसका नेगेटिव इफेक्ट सामने आते हैं।

तनाव कम करने के लिए बहुत से लोग स्मोकिंग या ड्रिंकिंग की लत पाल लेते हैं। यही आदत बहुत सारी बीमारियों की जड़ बन जाती है। नतीजा हार्ट की समस्या, कई तरह के कैंसर, सांस लेने में तकलीफ, ब्रेन कमजोर होना और यहां तक कि पुरुषों व महिलाओं दोनों में इन्फर्टिसिटी की समस्या। लेकिन बहुत सारी रिसर्च यह बात प्रूव कर चुकी हैं कि बीमारी होने की दशा में भी अगर स्मोकिंग छोड़ दी जाए तो कुछ दिनों बाद समस्या पर 40 से 50 फीसदी तक काबू पाया जा सकता है। सेकंड हैंड स्मोक से भी बचें एक्सपर्ट्स के अनुसार सिगरेट पीने से ही नहीं बल्कि ऐसे लोगों के आस पास रहने से भी दिक्कत होती है। प्रेग्नेंट महिलाओं को ज्यादा दिक्कत होती है। प्रीमच्योर बेबी को कई तरह की समस्या होती है। पैदा होने पर ये लक्षण दिखते हैं। उनमें सांस लेने की परेशानी आम समस्या है। बेबी की मौत भी हो सकती है। जिन घरों में लोग स्मोकिंग करते हैं, वहां सिगरेट न पीने वाले भी कई रोगों के शिकार हो रहे हैं।

जम जाती हैं खून की नलियां

हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल ढल का कहना है कि सिगरेट में निकोटिन होता है। इन्हेल करने पर यह फेफड़ों में पहुंचता है। फिर वहां से खून की नलियों में पहुंचकर जमने लगता है। नलियां संकरी हो जाती हैं और खून के बहाव में दिक्कत होती है। हार्ट को खून के जरिए जरूरी ऑक्सीजन लेने के लिए ज्यादा दबाव डालना पड़ता है।

जम जाती हैं खून की नलियां

हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल ढल का कहना है कि सिगरेट में निकोटिन होता है। इन्हेल करने पर यह फेफड़ों में पहुंचता है। फिर वहां से खून की नलियों में पहुंचकर जमने लगता है। नलियां संकरी हो जाती हैं और खून के बहाव में दिक्कत होती है। हार्ट को खून के जरिए जरूरी ऑक्सीजन लेने के लिए ज्यादा दबाव डालना पड़ता है।

बुरे सपने आते हैं, तो सावधान हो जाएं, हो सकती है यह मानसिक बीमारी

क्या कहा, आपको अक्सर बुरे सपने आते हैं। और फिर आप दिन भर कम्प्यूटर या फोन पर या दोस्तों से इनके मतलब पूछते रहते हैं... तो जनाब मतलब न पूछें, इसके पीछे हो सकती है एक मानसिक बीमारी...

अगर आप नींद में बार-बार बुरे सपने देखते हैं और ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो सावधान हो जाएं... अगर ऐसा है तो आप मानसिक बीमारी पीटीएसडी यानी पोस्ट ट्रामैटिक स्ट्रैस डिसऑर्डर का शिकार हो सकते हैं। मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शुक्ल ने पीटीएसडी डे पर बताया कि इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति चिड़चिड़ा और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है। पीटीएसडी ऐसी समस्या है, जहां दिमाग में अतीत की घटनाएं वर्तमान में प्रतिक्रया देती हैं। डॉ. शुक्ल के मुताबिक, शोध में पता चला है कि बचपन में मन पर आघात व परिवारिक तनाव पीटीएसडी होने की संभावना बढ़ाते हैं।

पीटीएसडी के लक्षण

- जल्दी जागना और नींद में बुरे सपने देखना।
- एक घटना का बार-बार दिखना या याद आना।
- भूलना या विस्मृति और स्मृति में परेशानी।
- ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई।
- अति सतर्कता, अचानक तेज गुस्सा और कभी-कभी हिंसक होना।
- अचानक डर का दौरा पड़ना।
- अकारण मांसपेशियों में दर्द।
- घबराहट और चिंता बनी रहना।
- बहुत जयादा शर्म, ग्लानि और शर्मिंदगी।
- ज?यादा भावुक होना।
- घटना से जुड़ी बातों को नजरअंदाज करना।

क्या है उपचार

पीड़ित की मनोदशा में जल्दी सुधार और आघात के लक्षण कम करने के लिए चिकित्सक मूड एलिवेटर थेरेपी का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए सम्मोहन (हिप्नोसिस) का भी सहारा लिया जाता है। जो काफी हद तक कारगर सिद्ध हुए हैं।

मनोचिकित्सकीय तकनीक

संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (कागनेटिव बिहेवरल थेरेपी)= यह एक वैज्ञानिक वातार्लाप की विधि है। इसके तहत दर्दनाक घटनाओं से उपजी गलत सोच के बारे में पीड़ित से बात की जाती है।

आघात केंद्रित सीबीटी

यह विधि में पीड़ित को आघात संबंधी वार्ता के लिए प्रोत्साहित कर उसकी झिझक दूर करने सहित चिंता दूर करने की कोशिश की जाती है।

नेत्र विचेतन और पुर्नलोकन

इसके अंतर्गत पीड़ित को चिकित्सक की उंगली को देखते हुए अपने आघात के बारे में बातें करने को कहा जाता है। इससे माना जाता है कि पीड़ित के लक्षण में काफी सुधार संभव है। पीटीएसडी के उपचार में यह सबसे कारगर तरीका है।

यादृदाश्त बढ़ाने के लिए रोज़ करें व्यायाम

वाशिंगटन। सुबह के समय दौड़ लगाने और व्यायाम के फायदों से कौन अंजान है। शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाने के साथ-साथ व्यायाम से कई तरह की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है। यही नहीं, इससे मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं दौड़ने और याददाश्त का भी एक कनेक्शन है? जी हां, हाल ही में हुए एक शोध से पता लगा है कि दौड़ने से याददाश्त तेज होती है।

इस बात का पता लगाने के लिए यह शोध चूहों पर किया गया। इस दौरान पाया गया कि दौड़ लगाते वक्त एक प्रोटीन स्त्रावित होता है, जो मांसपेशियों से मस्तिष्क तक सीधे पहुंचता है। यह याददाश्त को बेहतर बनाने में मदद करता है।

शोध के दौरान देखा गया है कि दौड़ लगाने के बाद चूहों, बंदरों और मानवों के रक्त में कैथेपसिन बी नामक प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाती है।

अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन एजिंग के न्यूरोसाइंटिस्ट वान प्राग ने कहा, हमारा अध्ययन कुल मिलाकर एक निरंतर स्वस्थ जीवन शैली का संदेश देता है। लोग अक्सर हमसे पूछते हैं, कितनी देर तक और कितने घंटे तक व्यायाम करना चाहिए। यह अध्ययन इस बात का समर्थन करता है कि अधिक महत्वपूर्ण परिवर्तन एक लंबी अवधि तक व्यायाम और संतुलित आहार से जुड़े होते हैं।

सूर्य की किरणों से त्वचा कैंसर का इलाज!

अभी तक यही माना जाता था कि सूर्य की तेज किरणों के कारण त्वचा का कैंसर होता है लेकिन इस संबंध में किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया है कि सूर्य की किरणें ही त्वचा कैंसर और अन्य प्रकार के कैंसर को रोकने में सहायक हो सकती है।

कैंसर भगाए तुलसी और पुदीना

राष्टीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े एक शोधकर्ता चिकित्सक ने कहा है कि भारतीय जनजीवन में प्राचीन समय से ही लोकप्रिय रहे तुलसी और पुदीना कैंसर जैसे गंभीर रोगो से लडने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। डॉ. नरेश पुरोहित ने इस बारे में बताया कि शोध के दौरान त्वचा कैंसर ग्रस्त चूहों को दो समूहों में विभाजित कर एक पर रासायनिक लेप और दूसरे समूह के चूहों पर तुलसी व पुदीना का लेप लगाया गया गया। ग्यारह महीने बाद देखा गया तो रासायनिक लेप वाले समूह के चूहों की तुलना में तुलसी व पुदीना के लेप वाले समूह के चूहों की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ गई थी। डॉ. पुरोहित ने अपने शोध में निष्कर्ष निकाला कि जिन चूहों को पुदीना एवं तुलसी का लेप नियमित तौर पर लगाया गया, उनकी कैंसर से लड़ने की प्रतिरोधी क्षमता बढ़ गई। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति को कैंसर तब होता है, जब शरीर में पाए जाने वाले फ्री रेडिकल किसी कोशिका की आनुवांशिक बनावट को असंतुलित बना देते हैं।

अनुसंधानकर्ताओं के एक दल द्वारा कैंसर के संबंध में किए गए अध्ययन से यह बात सामने आई है कि सूर्य की तेज किरणें न केवल त्वचा के कैंसर के जोखिम को कम सकती है वह स्तन और फेफड़े के कैंसर को भी नियंत्रित कर सकती हैं। इस अनुसंधान दल के नेता ब्रुखावेन नेशनल लैबोरेट्री के रिचर्ड सेटलो के अनुसार यह बात सामने आई है कि विटामिन-डी आंतरिक कैंसर को रोकने में सकारात्मक भूमिका निभाता है। अध्ययन के अनुसार इस बात का पता लगाया जाएगा कि किस अनुपात में कुछ लोगों की त्वचा के लिए सूर्य की तेज किरणें अधिक जोखिम हो सकती है और कुछ लोगों के लिए यह लाभकारी हो सकती है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार इसमें सौरधर्मिता मुख्य है। डेली साइंस पत्रिका ने सेटलो के हवाले से कहा कि अनुसंधानकर्ताओं ने सावधानी रखने के लिए आगाह करते हुए कहा कि सूर्य की तेज किरणों की अधिकता से अन्य त्वचा रोग हो सकते हैं।

उफ... यह असिडिटी!

असिडिटी की प्रॉब्लम हमें, आपको और यहां तक की बच्चों को भी सहन करनी पड़ती है। दरअसल, इन दिनों काफी कॉमन हो गई है। लेकिन अगर छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दिया जाए, तो इससे बचना आसान है। अगर आपको सीने में जलन हो रही है सा फिर उल्टी करने का मन कर रहा है, तो यह एसिडिटी हो सकता है। कई बार यह बन भी रही होती और हमें इसका सही तरह अंदाजा नहीं हो पाता। हम यूं ही खुद को असहज और कमजोर फील करने लगते हैं लेकिन जरूरी है कि इसके सिंप्टम्स के बारे में सही पता हो। पेट में दर्द होना भी इसका एक लक्षण है। दअरसल, पेट की गेस्ट्रिक ग्लैंड्स में ऐसिड ज्यादा डिस्चार्ज होने से यह प्रॉब्लम होती है। कई बार इसमें भूख भी नहीं लगती।

क्या नहीं खाएं

ऑइली फूड और फैटी फूड अवॉइड करें। मसालेदार खाना, सिरका और तीखी चटनी भी न लें। पिज्जा, बर्गर और सैंडविच जैसे जंक फूड से बचें। चाय, कॉफी, अल्कोहल, कोल्डड्रिंक और पैक्ड जूस ज्यादा न लें। पुदीना, खट्टे फल, टमाटर और अचार भी अवॉइड करें। स्मोकिंग से भी बचें।

ध्यान देना जरूरी...

इससे बचने के लिए सही खान-पान पर ध्यान देना जरूरी है। दिन में 3 बार ज्यादा खाने की बजाय 6 बार कम मात्रा में खाए। दिन में 8 से 10 गिलास पानी जरूर पीएं। डिनर और सोने में कुछ घंटे का गैप जरूर रखें जिससे इसे सही तरह से डाइजेस्ट होने में मदद मिले। बेहतर होगा कि खाना खाने के 3 घंटे बाद सोएं।

क्या खाएं

खाने में ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हरी सब्जियां और फाइबर वाले फूड आइटम्स शामिल करें। आपके फूड में 35 पर्सेंट हाई फाइबर होलग्रेन ब्रेड, दालें, बिना पॉलिश किया हुए चावल होने चाहिए। 40 प्रतिशत ताजे फल और वेजिटेबल्स की होनी चाहिए। 15 पर्सेंट हिस्सा अंडे, तेल व मीट का डाइट में शामिल करें। फ्रेश मीट ही लें। आखिर, 10 पर्सेंट में मिल्क प्रॉडक्ट जैसे दही व छाछ लें। पपीता, अनानास, जामुन, हर्बल चाय, केला, नारियल पानी, दूध, सेम, गाजर, हरा प्याज व गोभी वगैरह को अपनी डाइट में रेग्युलर तौर पर शामिल करें। वहीं, अदरक, लहसुन, प्याज, काली मिर्च, लालमिर्च पाउडर, हल्दी व सौंफ भी लें।

बुधवार, 04 फरवरी, 2026
हैदराबाद
खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

कैंसर इलाज मुफ्त क्यों नहीं?

कैंसर और मधुमेह (डायबिटीज) भारत में दोहरा, जानलेवा, गंभीर स्वास्थ्य संकट हैं। देश में 2025 तक मधुमेह पीड़ितों की अनुमानित संख्या 12.49 करोड़ है। करीब 8-18 फीसदी कैंसर रोगियों को मधुमेह भी होता है, लिहाजा टाइप-2 मधुमेह के कारण स्तन, कोलन, लिवर, पैंक्रियाज के कैंसर का जोखिम 20-30 फीसदी तक बढ़ जाता है। भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। यह विडंबना और संकुचित सोच का नतीजा ही है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है, कितना दंडनीय अपराध साबित होता है, उनका सार्वजनिक खुलासा नगण्य है। बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं। बेशक कैंसर की दवाओं पर शुल्क घटने से इन दवाओं के आयात और वितरण से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा। बजटीय आबंटन 10,000 करोड़ रुपए का सीधा लाभ उनको मिलेगा, जो 'बायोसिमिलर्स' और शोध पर काम कर रही हैं। बॉयोकॉन, सन फार्मा, जायडस लाइफ साइंसेज को ये लाभ मिल सकते हैं। डा. रेड्डीज कैंसर की कई महत्त्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन और वितरण में सक्रिय है। नेटको फार्मा की कैंसर दवाओं के पोर्टफोलियो में इसकी बड़ी पकड़ है। मौजूद सवाल यह है कि देश में कैंसर का इलाज मुफ्त क्यों नहीं किया जा सकता? अथवा जो अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए चिह्नित किए जाएं, उनमें इतना अनुशासन और सख्ती की जानी चाहिए कि आम आदमी को कैंसर का इलाज 100 फीसदी सुनिश्चित किया जा सके। जब देश में 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने की राजनीतिक संस्कृति पुख्ता हो चुकी है और इस आधार पर चुनाव जीते जा रहे हैं, तो कैंसर किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ी बीमारी है। 'अमीर अर्थव्यवस्था' वाला देश कैंसर का मुफ्त इलाज मुहैया क्यों नहीं करा सकता? किसानों की सम्मान राशि के लिए बजट में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, तो कैंसर-पीड़ितों के लिए बजटीय प्रावधान क्यों नहीं किया जा सकता? देश में दवाओं का इतना संकट नहीं है, बल्कि अस्पताल और डाक्टरों की उपलब्धता बहुत कम है। हास्यास्पद है कि बजट में 'मेडिकल पर्यटन' की खूब गालबजाई की गई है। राजधानी दिल्ली में ही प्रति लाख आबादी पर अस्पताल मात्र 0.52 है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर में प्रति लाख आबादी पर औसतन एक अस्पताल नहीं है। सबसे कम डाक्टर नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में उपलब्ध हैं। देशवासियों और विदेशियों को सहज और सुलभ इलाज कैसे मुहैया कराएंगे? बहरहाल 1 लाख एलाइड पेशेवरों को प्रशिक्षण और 1000 करोड़ रुपए का बजट, 3 नये नेशनल फार्मा संस्थान, 50 फीसदी ट्रॉमा केयर सेंटर, जिलेवार अस्पताल, आयुष फार्मेसी, ड्रग टेस्टिंग लैब, जामनगर स्थित टेऊडिशनल मेडिसन सेंटर और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणाएं अच्छी हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति और सक्रियता जमीन पर भी दिखनी चाहिए। यदि लद्दाख, चंडीगढ़, पुडुचेरी, केरल, तमिलनाडु में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक बेड उपलब्ध हो सकते हैं, तो यही व्यवस्था देश भर में भी की जा सकती है। बहरहाल जो भी है, बजट का स्वागत है, बशर्ते जो आवंटित किया गया है, उसका पूरी तरह इस्तेमाल हो।

> भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। यह विडंबना और संकुचित सोच का नतीजा ही है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है, कितना दंडनीय अपराध साबित होता है, उनका सार्वजनिक खुलासा नगण्य है। बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं।

सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

> कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है।

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता। विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि "माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है" इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था

में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है। न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में "मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर" स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके। माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल "महिलाओं का मामला" मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है। आज भारत "नए प्रवेश" के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन-जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरुआत है, मंज़िल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं। यदि हम सचमुच एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण चाहते हैं, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ नया भारत बनाना चाहते हैं तो महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को विकास के केंद्र में रखना ही होगा।

कुछ अलग

होइहि सोइ जो बाबू रचि राखा

तुलसी बाबा, अलाउद्दीन खिलजी के समकालीन नहीं थे। उन्होंने कभी राज दरबार में नौकरी भी नहीं की। अगर की होती तो कभी न कहते, 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा।' पत्नी को त्यागने के बाद आज़ादी का सुख भोगते हुए ही वह राम की महिमा का मनचाहा बखान कर पाये। उन्होंने रामचरितमानस जैसे महाकाव्य का वितान ऐसे घड़ा मानो सारा घटनाक्रम उनकी आंखों के सामने घटित हुआ हो। गृहस्थ मनोविज्ञान कहता है कि पत्नी से त्रस्त व्यक्ति जब खुले आसमान में उड़ान भरता है तो या वह अति रचनात्मक हो जाता है या विध्वंसात्मक। ऐसे व्यक्ति को या तो संसार में कुछ भी नहीं चाहिए होता है या फिर वह सब कुछ हासिल करना चाहता है। किसी भी कीमत पर। उसके लिए काल, समाज या देश भी मायने नहीं रखता। इसलिए अपने हरिशंकर परसाई जी ब्याह के झंझट से दूर ही रहे और विवाहितों पर जी भर कर व्यंग्य करते रहे। परपीड़ा का आनंद ही कुछ और है। पाश्चात्य जगत में पत्नी से भाग कर, आज़ादी का आनंद लेने वालों में नेपोलियन बोनापार्ट, फ्रीडा काह्लो और रॉबर्ट राउशेनबर्ग के नाम सामने आते हैं।

देश दुनिया से

जैव विविधता की समृद्धि का आधार है आर्द्रभूमि

प्रकृति जीवों-पादपों की पोषक है, सांसों का स्पंदन है। प्रकृति की रचना में जीवन का सौंदर्य एवं लास्य नर्तन है। ऊंचे उठे नभ छूते गिरि शिखरों पर हिम की रजत चादर हो या पर्वतों से जीवन धारा बन निकली बलखाती चंचल सरिताएं हों। तमाम पशु-पक्षियों एवं मानव को भोजन, आश्रय एवं जीवनोपयोगी संसाधन भेंट करते समृद्ध कानन हों या सतत गर्जना करते उत्ताल लहरों से लोक को नाना प्रकार के रत्नों के उपहार बांटते रत्नाकर महासागर हों। पशु-पक्षियों की क्षुधा मिटाते घास के विस्तीर्ण मैदान हों या फिर नागफनी जैसे कंटीले पौधों के रंग-बिरंगे फूलों से सजा रेगिस्तान। प्रकृति की यह वैविध्यपूर्ण बनावट धरती में जीवन गढ़ती है, रचती है। नदी, झील, डेल्टा, घाटी, जल, जंगल, पर्वत, पठार, उदधि, उपवन, रेत, खेत इन सभी में सौंदर्य बिखरा पड़ा है जो मानव मन को आकर्षित करता है। लेकिन प्रकृति की तमाम अद्भुत रचनाओं में से एक रचना पर हमारा ध्यान कभी नहीं जाता, हम उसके महत्व एवं पारिस्थितिकी तंत्र में उसकी भूमिका से सर्वथा अपरिचित हैं और वह अप्रतिम प्राकृतिक संरचना है आर्द्रभूमि अर्थात धरती का नमी वाला क्षेत्र। वायुमंडल में जलवाष्प की उपलब्धता, आंधी-तूफान और सागरीय चक्रवात, वर्षा एवं वायु विक्षोभ आदि का आधार भूमि की आर्द्रता ही होती है, यह हममें से बहुत कम लोग जानते हैं। इसलिए आर्द्रभूमि के महत्व एवं योगदान से परिचित कराने हेतु वैश्विक आयोजन प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रता दिवस के रूप में किया जाता है। रामसर सम्मेलन में हुई संधि की 55वीं वर्षगांठ हम 2026 में मना रहे हैं। इसके पहले कि मैं आर्द्रभूमि दिवस मनाने के उद्देश्यों, जीवों-पादपों के जीवन चक्र पर आर्द्रता के पड़ने वाले प्रभावों एवं पारिस्थितिकी तंत्र की बनावट-बसाहट पर बात करूं, मुझे लगता है कि आर्द्रभूमि को समझना समीचीन होगा। आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र अंतर्गत धरती का वह विशेष क्षेत्र होता है जो आंशिक या पूर्णतः वर्ष भर, न्यूनतम आठ महीने, प्रायः जल में डूबा रहता है और जहां जलीय पादपों एवं जल-जीवों की तमाम प्रजातियां विकसित होकर इको सिस्टम को समृद्ध करती हैं। एक प्रकार से भरपूर नमीयुक्त यह दलदली भूभाग जलीय एवं स्थलीय जैव विविधता का मिलन बिंदु या संधि क्षेत्र होता है। दुर्भाग्य से मानवीय दख़ल एवं हस्तक्षेप से सम्पूर्ण विश्व में आर्द्रभूमि पर संकट उभरा है जो न केवल मानव जीवन बल्कि पूरे जीव-पादप विकास एवं जैव जीवन पर खतरा बनकर मंडरा रहा है, क्योंकि आर्द्रभूमि का खत्म होना या क्षेत्र कम होना पारिस्थितिकी तंत्र के प्राकृतिक चक्र को अस्थिर कर देगा और तब तमाम जीव-पादप प्रजातियां विलुप्त हो जायेंगी। इस दृष्टि से विचार करके 2 फरवरी, 1971 को कैस्पियन सागर के तट पर ईरान के रामसर नगर में आर्द्रभूमि के संरक्षण, युक्तिसंगत उपयोग एवं तत्संबंधी वैश्विक जागरूकता के लिए आयोजित सम्मेलन में एक समझौता हुआ जिसे रामसर संधि कहा जाता है। जिसमें कहा गया कि प्रत्येक देश अपने यहां नेचुरल वेट लैंड अर्थात्प्राकृतिक आर्द्रभूमि को चिह्नित करेगा। ऐसे चिह्नित सभी स्थल रामसर साइट कहे जायेंगे और उनकी एक समग्र वैश्विक सूची बनाई जायेगी। वर्तमान समय में इस सूची में 172 देशों की 2530 से अधिक आर्द्र भूमियों का अंकन किया गया है। संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक रामसर साइट यूनाइटेड किंगडम में हैं तो क्षेत्रफल के हिसाब से दक्षिण अमरीकी देश बोलविया शीर्ष पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका का एवरग्लेड्स वेटलैंड विश्व की सबसे बड़ी रामसर साइट है। इसके साथ ही इन सूचीबद्ध रामसर आर्द्रभूमियों में से ऐसे स्थल जो मानवीय हस्तक्षेप, प्रदूषण एवं तकनीकी विकास के कारण बड़े बदलावों का शिकार हुए या हो रहे हैं, उन्हें मोंट्रिक्स रिकार्ड नामक एक पंजिका में अंकित कर संरक्षण के विशेष प्रयास किये जाने हेतु योजना बनाई गयी है और सरकारी एजेंसियों एवं पर्यावरण मुद्दे पर केंद्रित स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा योजनानुसार संरक्षण कार्य किये जा रहे हैं। मोंट्रिक्स रिकार्ड सूची में भारत के दो आर्द्र स्थल शामिल हैं। वर्ष 1990 में केवलादेव घना पक्षी बिहार, भरतपुर (राजस्थान) तथा 1993 में लोमतक झील मणिपुर को संकटग्रस्त रामसर साइट के रूप में पहचाना गया। रामसर सम्मेलन के 26 साल बाद 2 फरवरी, 1997 को पहली बार विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाया गया। रामसर संधि के तहत समुद्र स्तर से 6 मीटर ऊंचा ज्वार-भाटा आच्छादित तटीय क्षेत्र एवं गहरे धान क्षेत्र, डेल्टा, झीलें आदि आर्द्र भूमि अंतर्गत शामिल हैं। विश्व की एक अरब आबादी का जीवन यापन आर्द्रभूमि पर ही निर्भर है। वहीं भूमि आधारित कार्बन के 30 प्रतिशत हिस्से का स्रोत भी यही वेट लैंड साइट ही है। आर्द्र भूमियों के महत्व को हम यूनेस्को के एक कथन से समझ सकते हैं कि आर्द्रभूमि पर खतरा उत्पन्न होने से विश्व की 40 प्रतिशत वनस्पतियां एवं जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो इन आर्द्र भूमियों पर पाये जाते हैं और प्रजनन करते हैं। विश्व की भू सतह का 6 प्रतिशत हिस्सा आर्द्रभूमि है। भारत 98 रामसर साइट के साथ एशिया में प्रथम स्थान पर है। ये आर्द्रभूमि लगभग तेरह लाख हेक्टेयर भू क्षेत्र को आच्छादित करती हैं। इनमें चिल्का झील उड़ीसा, नंगल एवं रोपड वेटलैंड पंजाब, भिंडावास अभयारण्य हरियाणा, कांवर झील बिहार, अष्टमुड़ी केरल, दीपोर आर्द्र भूमि असम, सांभर झील राजस्थान, रुद्रसागर झील त्रिपुरा, रेणुका आर्द्र भूमि हिमाचल प्रदेश, सुंदरवन पश्चिम बंगाल, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर पक्षी विहार, राजस्थान), स्तार्ता सापुक लद्दाख, भोज आर्द्र भूमि मध्यप्रदेश आदि सहित दो नये साइट पटना पक्षी विहार , एटा उत्तर प्रदेश तथा छारी ढांड कच्छ गुजरात को वर्ष 2025 में ही इस सूची में शामिल किया गया है। इनमें हिमाचल एवं लद्दाख सहित उत्तरी ठंडे एवं शुष्क क्षेत्र, दक्षिण का तटीय क्षेत्र, मानसूनी वन प्रदेश, बाढ़ वाले मैदानी इलाके, डेल्टा एवं झीलें आदि सम्मिलित हैं। 4230 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला सुंदरवन भारत का सबसे बड़ा रामसर साइट है तो हिमाचल का रेणुका वेटलैंड सबसे छोटा मात्र 0.2 वर्ग किमी क्षेत्र है, जिसकी घोषणा 15 अक्टूबर, 2012 को हुई थी। उल्लेखनीय है कि रामसर संधि भारत में फरवरी 1982 से लागू हुई। आर्द्र भूमियों के उचित संरक्षण एवं रख-रखाव के लिए एक केंद्रीय कानून आर्द्र भूमि संरक्षण एवं प्रबंधन नियम 2017 के अंतर्गत सुनियोजित ढांचा विकसित किया गया है। 2 फरवरी, 2021 को आर्द्र भूमि संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र स्थापित कर आर्द्र भूमियों की आवश्यकता, अनुसंधान, संरक्षण एवं सम्बंधित ज्ञान-सूचना को परस्पर साझा करने के ठोस प्रयास शुरू किये गये। वर्ष 2025 के आयोजनों की थीम थी – हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्र भूमियों का संरक्षण। वास्तव में आर्द्रभूमि जीव-पादप के समुचित विकास का आधार बन जैव विविधता को पुष्टि प्रदान करती है। यहां से कच्चा माल, दवा, वनस्पतियां, आहार आदि की प्राप्ति होती है तो वहीं यह पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने में भी सहायक है। यह कचरे के छानने हेतु प्राकृतिक छन्ने का काम करती है। जलवायु परिवर्तन की घटनाओं के प्रभाव को कम कर पीने का पानी के स्रोत भी हैं।

आप का नज़रिया

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं हैः क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा? आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं। सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं। मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है। चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है। विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है।

> कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं है : क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा? आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं।

दृष्टि कोण

विकासोन्मुख-रोजगार उन्मुख बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2026 को अपना लगातार नौवां बजट पेश किया। इसमें कोई संशय नहीं कि वैश्विक मुश्किलों और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की वजह से अनिश्चित वैश्विक बाजार और टैरिफय और बड़ी आर्थिक ताकतों द्वारा जरूरी मिनरल, सेमीकंडक्टर और कई दूसरी चीजों की सप्लाई सहित ग्लोबल वैल्यू चेन के हथियारीकरण की कोशिश, भुगतान प्रणाली के दुरुपयोग के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार चौथे साल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर अच्छी स्थिति में है। रुपए की गिरती कीमत, लगातार व्यापार और भुगतान घाटे और बढ़ते सार्वजनिक निवेश के साथ निजी निवेश बढने की अनिश्चितता के कारण वित्त मंत्री के सामने बहुत सारी चिंताएं भी हैं। आर्थिक सर्वेक्षण ने अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर पेश की है, जिसमें चिंता की बातें भी उठाई गई हैं, खासकर रुपए की गिरती कीमत, एफडीआई में लगातार कमी, जिससे निवल एफडीआई ऋणात्मक हो रही है और उसके लिए सही उपाय अपनाने की जरूरत है। सर्वेक्षण ने न केवल समाज के लिए, बल्कि युवाओं की डिजिटल लत से अर्थव्यवस्था को होने वाले खतरे और कई दूसरे मुद्दे भी उठाए हैं। जाहिर है, इस बजट में उन सभी पर बात नहीं हो सकी, लेकिन ऐसा लगता है कि बजट में नीति की बड़ी दिशा साफ है और नीति यह है कि भारत न सिर्फ ग्लोबल उथल-पुथल से खुद को बचाने की कोशिश करेगा, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी आगे ले जाएगा, न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक अहम खिलाड़ी भी बनेगा। बजट में 7 रणनीतिक क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने का प्रस्ताव है। लंबे समय से, भारत सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ मैटीरियल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल और कैपिटल गुड्स की सप्लाई के लिए विदेशों, खासकर चीन पर निर्भर रहा है। इन सभी को बजट में जगह दी गई है और इन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए रणनीति भी बनाई गई है। इससे न केवल चीन पर हमारी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि इकोनॉमिक सर्वे में बताए गए ग्लोबल वैल्यू चेन के हथियार बनने से

भी अर्थव्यवस्था को बचाया जा सकेगा। पहले, न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया रेयर अर्थ मेटीरियल की सप्लाई को लेकर चीन के नखरे झेल रही है। ऐसा नहीं है कि भारत के पास रेयर अर्थ मेटीरियल नहीं है। लेकिन इस क्षेत्र में माइनिंग, प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग में हमारी कमी है। ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे मिनरल से भरपूर राज्यों को डेडिकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने, माइनिंग, प्रोसेसिंग, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बजट में मदद दी गई है। बजट में पेश की गई कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर इक्विपमेंट (सीआईई) को बढ़ाने की योजना, हाई-वैल्यू टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड सीआईई की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करेगी। देश कंटेनरों की भारी कमी और चीन पर भयंकर निर्भरता का सामना कर रहा है, ऐसे में दुनिया भर में मुकाबला करने वाला कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने की घोषणा, 710, 000 करोड़ के बजटीय आबंटन के साथ कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक योजना एक बड़ा कदम है। मैन्युफैक्चरिंग को एक और बड़ा बढ़ावा, बायो फार्मा में मिला है। यह ध्यान देने वाली बात है कि बायो फार्मा, जिसमें बायो सिमिलर्स भी शामिल हैं, कई नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों (एनसीडी) के इलाज में क्रांति ला सकते हैं। श्रम प्रधान टेक्सटाइल सेक्टर के लिए एक व्यापक प्लान, बजट में उठाया गया एक बड़ा कदम है। इसके अलावा, 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज' पहल की शुरुआत से खादी और हैंडलूम को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, मध्यम, लघु एवं कुटीर उद्योगों को समर्थन करने के लिए 10000 रुपए का आबंटन एक अहम कदम है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना इंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 04 फरवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 12:12 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 10:13 तक
योग : अतिगंड रात्रि 01:03 तक
करण : वणिज दोपहर 12:22 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 04:20 तक
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:20 से रात्रि 12:10 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

गुरुकुल योजना से एमबीसी विद्यार्थियों के लिए खुले शिक्षा के नए द्वार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 03 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील, दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व में प्रदेश का अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की मजबूत राह पर अग्रसर है। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और ठोस नीतियों के परिणामस्वरूप अति पिछड़ा वर्ग के हजारों परिवार न केवल विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, संबल और सम्मान के जरिए सामाजिक न्याय के नए आयाम भी स्थापित कर रहे हैं। छात्रवृत्ति योजनाओं से हजारों विद्यार्थियों को मिला संबल- मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में अति पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक उत्थान के लिए देवनारायण योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों पर वर्ष 2025 में 248 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जा चुकी है। उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11 से उच्च शिक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए इस वित्तीय वर्ष में 102.42 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय कर 37 हजार से ज्यादा

विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। वहीं पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 6 से 10) में 7.10 करोड़ रुपए व्यय कर 69 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सहायता दी गई है।

देवनारायण छात्रावास योजना से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव मजबूत-

देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत निजी प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रतिवर्ष 500 विद्यार्थियों के प्रवेश के प्रावधान वाली इस योजना में चालू वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रुपए से अधिक व्यय किया जा चुका है। इसी तरह देवनारायण छात्रावास योजना के अंतर्गत स्वीकृत छात्रावासों में 3750 विद्यार्थी तथा देवनारायण आवासीय विद्यालय योजना के तहत स्वीकृत विद्यालयों में 5 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए विशेष पहल-

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए एमबीसी छात्राओं के लिए करौली के नादौती एवं भरतपुर के बयाना में छात्रा महाविद्यालय मय हॉस्टल की स्थापना की गई है। नादौती कॉलेज में 74.80 लाख रुपए व्यय कर 177 छात्राओं को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह बयाना कॉलेज में 155.29 लाख रुपए व्यय कर 543 छात्राओं को शिक्षा का अवसर उपलब्ध हुआ है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का मार्ग हुआ प्रशस्त-

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के माध्यम से एमबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को आईएएस, आरएएस, क्लैट, नीट, रीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए चयनित संस्थाओं में कोचिंग उपलब्ध करवाई जा रही है। इस योजना में 4 करोड़ रुपए व्यय कर विद्यार्थियों को भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच दिया गया है।

कौशल विकास से रोजगार की ओर कदम-

इसी तरह देवनारायण योजना के अंतर्गत स्वीकृत 6 आईटीआई संस्थानों में 365 लाख रुपए व्यय कर 500 से अधिक विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अति पिछड़ा वर्ग का सशक्तीकरण केवल योजना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की जीवंत मिसाल बन चुका है।

राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग की विशेष पहल: करियर गाइडेंस के लिए तीन साल के रोडमैप की तैयारी

जयपुर, 03 फरवरी (एजेंसियां)। बदलते समय और करियर की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए, राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग करियर गाइडेंस को एक बार की फॉर्मल एक्टिविटी से बदलने जा रही है। इस पहल का मकसद राज्य के गाइडेंस सिस्टम को एक स्ट्रक्चर्ड और टिकाऊ तरीके से मजबूत करके स्कूली छात्रों को सोच-समझकर और आत्मविश्वास से करियर चुनने के लिए सशक्त बनाना है। वोकेशनल एजुकेशन के डिप्टी डायरेक्टर दलचंद गुप्ता ने कहा, आज बच्चों के पास ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। उन्हें सही गाइडेंस की जरूरत है, जो मौजूदा हालात के हिसाब से हो, ताकि वे तय कर सकें कि उनके लिए कौन सा ऑप्शन सबसे अच्छा है।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 के विजन के साथ, डिपार्टमेंट 'सिर्फ करियर चुनने नहीं, बल्कि करियर जीने' के विचार पर फोकस कर रहा है। इस अप्रोच के तहत, पूरे राज्य में व्यापक करियर गाइडेंस को संस्थागत बनाने के लिए एक साफ तीन साल का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। यह

रोडमैप राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद (समग्र शिक्षा अभियान), जयपुर, और राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी), उदयपुर, द्वारा यूए-नआईसीईएफ राजस्थान और अंतरंग फाउंडेशन के टेक्निकल सपोर्ट से मिलकर तैयार किया जा रहा है। इस पहल के तहत, छात्रों को उनकी रुचियों, योग्यता और क्षमताओं के आधार पर अपने करियर के रास्ते खुद मैप करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। स्कूल लेवल पर करियर काउंसलर्स की भूमिका को मजबूत और ज्यादा असरदार बनाया जाएगा। करियर गाइडेंस हाइब्रिड लर्निंग मॉड्यूल, डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रैक्टिकल अनुभव के जरिए दिया जाएगा, जो क्लासरूम की सीमाओं से कहीं आगे तक जाएगा।

डिपार्टमेंट शिक्षकों, माता-पिता, छात्रों और इंडस्ट्री के बीच तालमेल बढ़ाकर एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने पर भी काम कर रहा है। मकसद सिर्फ छात्रों को रोजगार के लायक बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें जीवन के हर स्टेज पर जरूरी फैसले लेने के स्किल्स से भी लैस करना है। इस रणनीति को बनाने के लिए व्यापक करियर मार्गदर्शन पर फोकस करते हुए एक राज्य-स्तरीय वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें छात्र-अनुकूल कम्युनिकेशन और आत्मविश्वास बढ़ाने पर खास जोर दिया गया।

वर्कशॉप की अध्यक्षता करते हुए एडिशनल स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर (सेकंड) अशोक कुमार मीणा ने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को अपना करियर खुद चुनना चाहिए ताकि वे अपनी रुचियों और ताकतों के हिसाब से आगे बढ़ सकें।

राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषय पर संसद में चर्चा रोका जाना चिंताजनक : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 03 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विशेषकर चीन से जुड़े विषय पर तथ्यात्मक संदर्भ रखने से रोके जाने की घटना पर चिंता व्यक्त की है। मीडिया को जारी एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर संसद में खुली, तथ्याधारित और जिम्मेदार चर्चा लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप है। जब माननीय राष्ट्रपति अपने अभिभाषण में देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का स्पष्ट उल्लेख करती हैं, तब उसी विषय से जुड़े तथ्य प्रस्तुत करना सदन की कार्यवाही से असंबंधित कैसे माना जा सकता है, यह विचारणीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि संसद केवल विधायी कार्य का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर सार्थक विमर्श का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। विशेषकर जब विषय भारत की सीमाओं, सुरक्षा और चीन से जुड़े हालात का हो, तब संवाद को सीमित करने के बजाय प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि नियमों का उद्देश्य संवाद को सुव्यवस्थित करना है, न कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा को अवरुद्ध करना। लोकतांत्रिक परंपराओं की गरिमा बनाए रखते हुए सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए।

पंजाब एसजीएसटी विकास दर के मामले में पूरे भारत में सबसे आगे : हरपाल सिंह

चंडीगढ़, 03 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा जीएसटी 2.0 दर को तर्कसंगत बनाने के कारण राजस्व संबंधी चुनौतियों के बावजूद, पंजाब ने जनवरी 2026 के दौरान जीएसटी जुटाने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो बेहतर अनुपालन, केंद्रित लागूकरन और निरंतर आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए वित्त, आबकारी एवं कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि जनवरी 2026 के दौरान राज्य में कुल 2452.66 करोड़ रुपये जीएसटी वसूला गया है, जबकि शुद्ध जीएसटी वसूली के मामले में जनवरी 2025 की तुलना में 15.7 प्रतिशत की दर से वर्ष-दर-वर्ष 315 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। चीमा ने कहा कि यह उपलब्धि काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि जीएसटी 2.0 दर में कटौती के कारण पंजाब को हर महीने लगभग

250 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ा, जिससे धागा, टेक्सटाइल, हॉजरी, फार्मास्यूटिकल्स, बीमा, टायर और सीमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्र प्रभावित हुए। इस नुकसान के बावजूद, राज्य ने न केवल राजस्व पर पड़े प्रभाव की भरपाई की, बल्कि निरंतर प्रशासनिक और लागूकरण प्रयासों के माध्यम से राष्ट्रीय रुझान से भी अधिक विकास दर हासिल की।

अधिक जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर (जनवरी 2026 तक), शुद्ध जीएसटी वसूली की दर में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप वसूला गया कुल जीएसटी 19,415 करोड़ रुपये से बढ़कर 22,014 करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान कुल जीएसटी वसूली की दर में भी 13.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पंजाब में कर आधार के लचीलेपन को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में एसजीएसटी नकद वसूली के मामले में भी असाधारण प्रदर्शन दर्ज किया गया है, जिसमें 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह विकास दर इस महीने के दौरान भारत के सभी राज्यों में सबसे अधिक है। यह दर राष्ट्रीय औसत लगभग 6 प्रतिशत से काफी अधिक है, जिससे पंजाब पूरे भारत में अग्रणी बनकर उभरा है।

मंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा करदाताओं की सुविधा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हरियाणा में जल्द लगेंगे स्मार्ट बिजली मीटर, उपभोक्ताओं को मिलेगा प्रीपेड-पोस्टपेड का विकल्प : अनिल विज

हिसार, 03 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेशभर में चरणबद्ध तरीके से सभी पुराने बिजली मीटर बदले जाएंगे और उनकी जगह आधुनिक स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जैसे मोबाइल सेवाओं में प्रीपेड और पोस्टपेड विकल्प उपलब्ध होते हैं, उसी तर्ज पर स्मार्ट मीटर व्यवस्था भी लागू की जाएगी, जिससे उपभोक्ता अपनी सुविधा अनुसार प्रीपेड अथवा पोस्टपेड प्रणाली का चयन कर सकेंगे। इससे न केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा मिलेगी। अनिल विज आज हिसार में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भूमिगत बिजली तारें बिछाने की प्रक्रिया गुरुग्राम और फरीदाबाद में प्रारंभ कर दी गई है। परिस्थितियों के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी अंडरग्राउंड केबल डाली जाएंगी, जिससे खंभे गिरने या ऊपर से तार टूटने जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी और बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनेगी। ऊर्जा विभाग में किए जा रहे सुधारों के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विज ने कहा कि विभाग में एक सुदृढ़ और जवाबदेह प्रणाली विकसित की गई है, जिसके परिणामस्वरूप गर्मियों के दौरान बिजली कटौती की स्थिति काफी हद तक नियंत्रित रही है।

उन्होंने बताया कि सभी अधीक्षण अभियंताओं (एसई) को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन सुबह 11 बजे तक यह जानकारी दें कि उनके क्षेत्र में यदि कहीं बिजली कट लगा है तो उसका कारण, अवधि और परिस्थितियां क्या रही हैं। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे प्रदेश में बिजली आपूर्ति संतोषजनक रही है और केवल 6 अधीक्षण अभियंताओं से ही स्पष्टीकरण मांगा गया है।

विज ने बताया कि बिजली की मांग के अनुरूप सभी ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने (अपग्रेडेशन) का कार्य शुरू कर दिया गया है। साथ ही, बरसात के दौरान जलभराव से होने वाली अनावश्यक बिजली कटौती को रोकने के लिए निचले स्तर पर बने सब-स्टेशनों को ऊंचा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हिसार के खेदड़ में स्थापित की जा रही नई थर्मल यूनिट के लिए कोल लिंकेज की स्वीकृति हरियाणा को प्राप्त हो चुकी है, जो प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

यूरिया के बैग का वजन घटाकर किसानों को लूट रही बीजेपी : हुड्डा

चंडीगढ़, 03 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों के साथ हो रही लगातार लूट पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को ठगने के नए-नए पैंतरे अपनाती जा रही हैं। यूरिया के बैग में वजन घटाकर एक नया फार्मूला शुरू कर दिया गया है। हुड्डा ने कहा कि पहले यूरिया का बैग 50 किलो का होता था। फिर इसे घटाकर 45 किलो कर दिया गया, और अब इसे मात्र 40 किलो कर दिया गया है। नए बैग में 37% नाइट्रोजन और 17% सल्फर होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन कीमत वही पुरानी ठी 254 रखी गई है। यानी नाम वही, दाम वही, लेकिन हर साल किसानों को कम

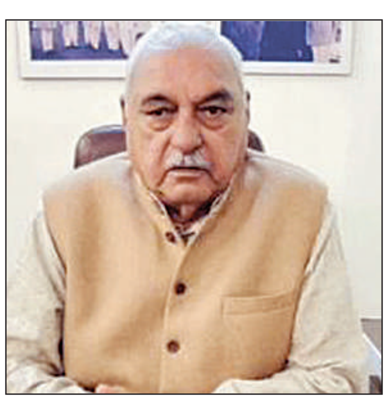

मात्रा मिल रही है। बीजेपी सरकार लगातार महंगाई व खेती की लागत बढ़ाकर किसानों की कमर तोड़ने में लगी है। उन्होंने आगे कहा कि अभी केंद्रीय बजट में भी बीजेपी की नीयत साफ नजर आई। भारत के इतिहास में यह शायद पहला बजट था, जिसमें किसानों का जिक्र ही नहीं किया। ना किसानों की कर्जमाफी के बारे में बजट में कुछ बोला गया, ना मुआवजे और ना ही एमएसपी के बारे में।

बीजेपी सरकार की तमाम नीतियां लगातार किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही हैं। खाद-बीज के साथ फसल बीमा के नाम पर भी उनसे करोड़ों रुपये की लूट हो रही है।

किसान पहले से ही एमएसपी ना मिलने, बढ़ती लागत और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे हैं, और ऊपर से यूरिया के वजन में कटौती ने जले पर नमक का काम किया है।

मोदी सरकार ने ट्रम्प के आगे घुटने टेक कर कृषि क्षेत्र में अमरीकी निर्यात के लिए दरवाजे खोले : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 03 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह व्यापार

समझौता भारतीय किसानों के हितों पर कुठाराघात है। मोदी सरकार ने ट्रम्प के आगे घुटने टेक कर कृषि क्षेत्र में अमरीकी निर्यात के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा जिस टैरिफ डील की घोषणा हुई, उसमें कृषि कहाँ से आया? हिंदुस्तान के मार्केट में अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए कोई जगह नहीं है। देश का किसान अपने खून-पसीने की मेहनत से देश का पेट भरता है। देश में पहले ही खाद्यान्न सरप्लस है, ऐसे में अगर बाहर से आयात होगा तो उसका नुकसान देश के किसान को होगा, देश की अर्थव्यवस्था को भी होगा। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने मांग करी कि सरकार कृषि क्षेत्र में अमेरिकी प्रोडक्ट्स लाने के सौदे का सारा मसौदा देश के सामने पारदर्शिता से रखे।

म्युनिसिपल चुनाव को लेकर कागज़नगर में एसपी नितिका पंत ने किया फ़्लैग मार्च

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पुलिस ने कसी कमर

आसिफाबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी म्युनिसिपल चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और निर्भय वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िला पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मज़बूत की गई है। इसी क्रम में मंगलवार को कागज़नगर शहर के कौसर नगर क्षेत्र में ज़िला एसपी नितिका पंत के नेतृत्व में फ़्लैग मार्च निकाला गया।

फ़्लैग मार्च के दौरान कौसर नगर के वार्ड नंबर 7, 8, 9 और 24 की प्रमुख सड़कों पर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्पेशल पार्टी स्टाफ़ ने पैदल मार्च किया। एसपी नितिका पंत ने बताया कि आगामी 11 फरवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं।एसपी ने कहा कि फ़्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में विश्वास पैदा करना, शांति व्यवस्था बनाए रखना और चुनाव के दौरान असामाजिक व गैर-कानूनी गतिविधियों पर रोक लगाना है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अफ़वाह फैलाने, धमकी देने, अवैध गतिविधियों या आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिना अनुमति किसी भी प्रकार की रैली या प्रचार की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं पैसे, शराब या उपहार देकर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। जिले के आसिफाबाद और कागज़नगर क्षेत्रों में चार प्रमुख चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं तथा संवेदनशील वार्डों में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है।

चुनाव के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्पेशल कंट्रोल रूम (8712670505 / 551) भी स्थापित किया गया है। पुलिस द्वारा लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही है।

इस फ़्लैग मार्च में कागज़नगर डीएसपी वहीदुद्दीन, इंस्पेक्टर प्रेम कुमार, सब-इंस्पेक्टर सुधाकर, चंद्रशेखर, संदीप, सुरेश, कल्याण, राजू, अनिल सहित पुलिस व स्पेशल पार्टी के जवान उपस्थित रहे।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में पीलिया का प्रकोप, 50 आदिवासी छात्र बीमार

प्रशासन व शिक्षकों की लापरवाही से छात्रों की जान खतरे में!

किनवट, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तहसील के सहस्त्रकुंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में पिछले एक माह से पीलिया (वायरल हेपेटाइटिस) का गंभीर प्रकोप सामने आया है। विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 40 से 50 आदिवासी छात्र इस संक्रामक बीमारी से पीड़ित हैं, लेकिन अब तक प्रशासन, विद्यालय प्रबंधन तथा संबंधित शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहसचिव एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पुंडलिक आमले (एम.बी.बी.एस.) ने विद्यालय का दौरा कर बीमार छात्रों की जांच की। रक्त परीक्षण में कई छात्रों का सीरम बिलीरुबिन स्तर खतरनाक सीमा तक बढ़ा हुआ पाया गया, जिससे वायरल हेपेटाइटिस की पुष्टि हुई। इसके बावजूद गंभीर रूप से बीमार छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराने के बजाय बिना इलाज सीधे उनके घर भेज दिया गया।

डॉ. आमले ने इसे प्रशासन और शिक्षकों की घोर लापरवाही बताते हुए कहा कि समय पर उपचार न मिलने पर पीलिया जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी छात्र की मृत्यु होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन, परियोजना कार्यालय और संबंधित अधिकारियों की होगी।

प्रारंभिक जांच में बीमारी फैलने का कारण दूषित पेयजल और घटिया भोजन व्यवस्था सामने आई है। इसके बावजूद न तो पानी की गुणवत्ता की जांच की गई और न ही रसोईघर व स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण हुआ है।

इस घटना से आदिवासी कल्याण योजनाओं की हकीकत उजागर हो गई है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने दोषी शिक्षकों, विद्यालय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तत्काल जांच, निलंबन और सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई न किए जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

मंचेरियाल कलेक्टर का आश्रम के स्कूलों का औचक निरीक्षण

मंचेरियाल, 03 फरवरी (शुभलाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कलेक्टर कुमार दीपक ने मंगलवार को कासिपेटा मंडल में स्थित कस्तूरबा गांधी गर्ल्स स्कूल और रेगुलगुडा आश्रम स्कूल का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कस्तूरबा गांधी गर्ल्स स्कूल में निर्माणाधीन अतिरिक्त कमरों का मुआयना किया और अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कलेक्टर ने स्कूलों द्वारा छात्राओं को प्रदान किए जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि छात्राओं को समय पर और मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, और उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विद्यालय के लिए स्वीकृत कैंटीन के निर्माण का कार्य जल्द पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।इसके बाद, कलेक्टर ने रेगुलगुडा ट्राइबल वेलफेयर बॉयज़ होम स्कूल का दौरा किया और वहां भी विद्यालय के लिए स्वीकृत अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से विद्यालय में छात्रों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस निरीक्षण कार्यक्रम में कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

पत्नी पर हमला करने के आरोप में पुलिस कांस्टेबल निलंबित

मंचेरीयाल, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के रेड्डी कॉलोनी में नशे की हालत में अपनी पत्नी पर हमला करने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने सोमवार रात इस संबंध में आदेश जारी किया।

कांस्टेबल डी रवि प्रसाद को उनकी पत्नी शिरीषा की शिकायत के बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत निलंबित किया गया। प्रकरण की जांच अभी जारी है।

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे पुलिस विभाग को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। वायरल वीडियो में रवि प्रसाद नशे की स्थिति में केवल अंडरगारमेंट्स में दिखाई दे रहे हैं, जबकि वे शिरीशा को उनके घर से सड़क पर घसीटते हुए और मारपीट करते हुए देखे जा सकते हैं। इस दौरान शिरीषा एक छोटे बच्चे को गोद में लिए असहाय होकर रो रही हैं।

गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल सस्पेंड

काग़ज़नगर, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिलाकलेक्टर के. हरिता ने एक बयान में जानकारी दी कि गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल बी. विनोदा को सस्पेंड कर दिया गया है। यह निर्णय कॉलेज में सोमवार को किए गए सरप्राइज विजिट के दौरान लिया गया। जिला कलेक्टर ने पाया कि प्रिंसिपल ड्यूटी पर नहीं थे और उनके ऑफिस के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। पूछताछ के दौरान, फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने बताया कि प्रिंसिपल 29 जनवरी से अपनी कानूनी ड्यूटी पर से गायब हैं और आसिफाबाद में नहीं हैं। उन्होंने बिना कोई प्राधिकृत अनुमति लिए हेडक्वार्टर छोड़ दिया था।

इससे बढ़कर, कॉलेज में एकेडमिक ईयर दिसंबर 2025 में शुरू होने के बावजूद, अभी तक शैक्षणिक कक्षाएं शुरू नहीं हुईं, जो स्टूडेंट्स और शिक्षकों द्वारा पुष्टि की गई। छात्रों की स्थिति भी चिंताजनक है, क्योंकि वे गंदे स्थानों पर रह रहे हैं और उन्हें घटिया खाना परोसा जा रहा है।

छात्रों ने यह भी शिकायत की है कि उन पर सफाई के कार्यों, प्रिंसिपल के व्यक्तिगत जिम्मेदारियों, और आवारा कुत्तों और बिल्लियों के रखरखाव का दबाव डाला जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि हॉस्टल में लगे सीसी कैमरे के कारण छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रिंसिपल का सस्पेंशन तब तक जारी रहेगा जब तक अनुशासनात्मक कार्यवाही और आपराधिक चार्ज से संबंधित सभी कार्रवाइयां पूरी नहीं हो जातीं। इस दौरान, प्रिंसिपल बी. विनोदा को जिला हेडक्वार्टर पर रहना होगा और बिना अनुमति नहीं छोड़ना होगा।

सिरपुर पेपर मिल में चुनाव को नज़रअंदाज़ करने का आरोप

काग़ज़नगर, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर पेपर मिल की प्रबंधन समिति पर लेबर लीडर गोलेम वेंकटेशम ने आरोप लगाया है कि वे आइडेंटिफिकेशन कमिटी चुनाव की जॉइंट मीटिंग में शामिल नहीं होकर कोर्ट के आदेश और डिप्टी कमीशनर ऑफ लेबर (डीसीएल) को नजरअंदाज कर रहे हैं।आदिलाबाद की डिप्टी कमीशनर ऑफ लेबर, राजेश्वरी ने आज सुबह 11 बजे सिरपुर पेपर मिल में आइडेंटिफिकेशन कमिटी चुनाव के आयोजन के तहत एक संयुक्त बैठक आयोजित की थी। इस मीटिंग में सिरपुर पेपर मिल्स एम्प्लॉइज प्रोटेक्ट यूनियन के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट गोलेम वेंकटेशम ने कहा कि प्रबंधन ने चुनकर बैठक में शामिल होने के लिए जानकारी भेजी थी, लेकिन वे अब भी औपचारिकताओं का पालन नहीं कर रहे हैं। वेंकटेशम ने आरोप लगाया कि प्रबंधन नए इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 का उल्लंघन कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप श्रमिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने छुट्टियों की संख्या को 30 से घटाकर 26 कर दिया, कैंटीन और अन्य भत्ते में कटौती की और मजदूरों को बदहाली की स्थिति में डाल दिया है।उन्हें यह भी चिंता है कि कुछ नेता, जो यूनियन के कार्यकर्ता हैं, प्रबंधन के साथ मिलकर मजदूरों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास करना चाहिए और मजदूरों के आर्थिक विकास के लिए काम करना चाहिए।डीसीएल ने यह स्पष्ट किया है कि 18 फरवरी को ट्रेड यूनियनों ने सिरपुर पेपर मिल प्रबंधन के साथ सम्मेलन करने का वादा किया है।

नगर निगम चुनाव से पहले कांग्रेस में आंतरिक कलह तेज

मंचेरियाल, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर पालिका चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह बढ़ती जा रही है, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी जीवन रेड्डी और जगतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार के बीच दरार गहरी हो गई है। पिछले दो वर्षों से दोनों नेताओं के बीच अनबन जारी है, जो अब अधिक संवेदनशील हो गई है।

जगतियाल नगर निगम के चुनाव में विधायकों के समूह को अधिक टिकट आवंटित करने के निर्णय ने इस तनाव को और बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्टी ने विधायक समूह को 29 टिकट और शेष 21 टिकट जीवन रेड्डी के समर्थकों को आवंटित करने का फैसला किया है। इस फैसले से नाराज होकर जीवन रेड्डी ने पार्टी नेतृत्व के सामने अपनी कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

इस फैसले की जानकारी मिलने के बाद, जीवन रेड्डी के समर्थक मंगलवार को नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन जगतियाल स्थित उनके आवास पर बड़ी संख्या में एकत्र हुए और अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विधायक डॉ. संजय कुमार पर हमला बोला और उन पर हाल ही में पार्टी में शामिल होकर उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पार्टी नेतृत्व संजय कुमार के समर्थकों का पक्ष ले रही है, जबकि संजय कुमार ने कभी भी कांग्रेस पार्टी के लिए गंभीरता से काम नहीं किया। विधायक डॉ. संजय कुमार के आवास पर हमले की चेतावनी दिए जाने के बाद पुलिस ने वहां अतिरिक्त बल तैनात कर दिए हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ने की संभावना को नियंत्रित किया जा सके।

किनवट में अजित पवार को श्रद्धांजलि

किनवट, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजित दादा पवार को मंगलवार को भाजपा के अशोक पाटील सुर्यवंशी के जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित शोकसभा के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में, अशोक पाटील सुर्यवंशी और भाजपा के अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अजित दादा पवार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया।

इस मौके पर, अशोक पाटील सुर्यवंशी ने कहा कि अजित दादा पवार के आकस्मिक निधन से महाराष्ट्र को गहरा आघात पहुँचा है। उन्होंने बताया कि दादा की गहरी जनमानस में पैठ थी और उनका अचानक चले जाना अपार दुःख का कारण बना है। उन्होंने दादा की 18 घंटे की कार्यशैली, अनुशासन और समय पालन का उल्लेख करते हुए उनके असमय निधन को जीवन में एक झकझोरने वाला अनुभव बताया।

कोरुटला नगरपालिका चुनाव: 33 वार्डों में 337 नामांकन, 49 प्रत्याशियों ने लिए नाम वापस

नो ड्यूज़ सर्टिफिकेट के नाम पर 31 लाख की वसूली, उठे सवाल

जगतियाल, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले की कोरुटला नगरपालिका के 33 वार्डों के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। नगरपालिका चुनाव के तहत कुल 337 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था, जिनमें से अंतिम दिन तक 49 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए हैं। कांग्रेस से 98, बीआरएस से 75, भाजपा से 67, एमआईएम से 22, सीपीआई से 4, सीपीआई(एम) से 2, जन सेना से 7, फॉरवर्ड ब्लॉक से 1, अन्य से 4 तथा 57 निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। आज नामांकन प्रक्रिया के दौरान कोरुटला के मौजूदा विधायक संजय ने अपने समर्थित उम्मीदवारों को बी-फॉर्म सौंपे। वहीं कांग्रेस के चुनाव प्रभारी जुव्वाडी ने भी कांग्रेस प्रत्याशियों को बी-फॉर्म वितरित किए। एमआईएम अध्यक्ष मोहम्मद रफ़ी द्वारा शहर में 12 उम्मीदवारों को पार्टी का बी-फॉर्म सौंपा गया। भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने प्रत्याशियों को बी-फॉर्म जारी किए हैं।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कोरुटला नगरपालिका में किस पार्टी का परचम लहराता है। इस पूरे चुनावी माहौल के बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि नगरपालिका अधिकारी रविंदर ने नामांकन स्वीकार करने के लिए नो ड्यूज़ सर्टिफिकेट अनिवार्य बताया। इसके चलते उम्मीदवारों से मकान कर और शुद्ध पेयजल कर के नाम पर लगभग 31 लाख रुपये की वसूली की गई।

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि यदि इस प्रकार की सख्ती और आर्थिक दबाव नहीं होता, तो और भी कई लोग चुनावी मैदान में उतर सकते थे। इस मुद्दे को लेकर अब नगरपालिका प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।

मंचेरीयाल नगर निगम में महापौर और उप महापौर उम्मीदवारों को लेकर सस्पेंस

मंचेरीयाल, 03 फरवरी (शुभलाभ ब्यूरो)। नवगठित मंचेरीयाल नगर निगम (एमसीसी) में महापौर और उप महापौर के पदों के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। महापौर का पद बीसी (सामान्य) वर्ग के लिए आरक्षित है, जिससे कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के निर्वाचित प्रतिनिधि और नेता इस प्रतिष्ठित पद पर चयन की उम्मीद कर रहे हैं।

चुनाव में सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पार्टी से तीन से अधिक उम्मीदवार महापौर पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, यह उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए और प्रचार-प्रसार में भारी रकम खर्च कर रहे हैं, और प्रत्येक उम्मीदवार अपने-अपने विभाग में कम से कम 1 करोड़ रुपये तक खर्च कर रहा है, ताकि इस महत्वपूर्ण पद को हासिल किया जा सके।

हालांकि, कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के नेता महापौर पद के उम्मीदवारों पर रणनीतिक रूप से चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें आशंका है कि नाम उजागर करने से आंतरिक कलह छिड़ सकती है, जिससे उनकी पार्टियों की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सूचना मिली है कि मेयर पद के उम्मीदवार का चयन राज्य स्तर पर किया जाएगा, जिसमें वित्तीय पृष्ठभूमि, व्यक्तित्व और जनता के बीच लोकप्रियता जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाएगा। एमसीसी में 13 फरवरी को मतदान होना है, और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। महापौर और उप महापौर दोनों के चुनाव 16 फरवरी को होंगे।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समन्वय बैठक

आसिफाबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिलाधिकारी के. हरिता ने जिले में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय में नीति आयोग के तहत आयोजित समन्वय बैठक में उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक और जिला कार्यक्रमों के लक्ष्यपूर्ति पर बल दिया।बैठक में बाल कल्याण, चिकित्सा स्वास्थ्य, पंचायत सचिवों, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार और आंगनबाड़ियों में बच्चों की ऊंचाई, वजन, एवं माप को नियमित रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया।साथ ही, जिलाधिकारी ने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में शौचालय और पेयजल हेतु सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग मूत्रालय का निर्माण करना आवश्यक बताया गया। मवेशियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए टीकाकरण पर भी विचार किया गया।

जिलाधिकारी ने जन्म के समय वजन दर्ज करने, तपेदिक, उच्च रक्तचाप, और मधुमेह के रोगियों की पहचान और इलाज की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यक्रमों में गांव के सरपंचों की सहभागिता को भी महत्वपूर्ण बताया और पुर्पुरमंता अभियान 1.0 में मिली सफलता की भावना के अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ प्रयास करने का आह्वान किया।

उन्होंने संपूर्णता अभियान 2.0 के विषयों पर जानकारी देने का संकल्प भी लिया।

बेहतर चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकता पर जोर

आसिफाबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंगलवार को उन्होंने जिला केंद्र स्थित सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने विभिन्न वार्डों और विभागों का मुआयना किया और इलाज करा रहे मरीजों से चिकित्सा सेवाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान, उन्होंने ब्लड स्टोरेज रूम का भी अवलोकन किया और डॉक्टरों, नर्सों व अन्य स्टाफ से मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं के बारे में बातचीत की। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों में अधिकांश आम नागरिक और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हैं, इसलिए उनके साथ शिष्टाचार से पेश आना आवश्यक है।उन्होंने डॉक्टरों और स्टाफ से समय की पाबंदी और अपने कर्तव्यों में लापरवाही न बरतने की अपेक्षा की। इसके साथ ही, उन्होंने अस्पताल के वातावरण को साफ-सुथरा रखने, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।जिलाधिकारी ने डॉक्टरों और कर्मचारियों को मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की सलाह दी। इस निरीक्षण में अस्पताल अधीक्षक प्रवीण, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सुबोध कुमार, डॉक्टर व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

टी20 विश्वकप में सलामी बल्लेबाज पर फैसला 7 फरवरी को होगा : सूर्यकुमार, ईशान और सैमसन हैं दावेदार

मुम्बई, 03 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसका फैसला सात फरवरी को अमेरिक के खिलाफ होने वाले पहले मैच में हो जाएगा। भारतीय टीम में इसके लिए संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे दावेदार है पर जिस प्रकार से सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में असफल रहे हैं। उससे तय है कि अभिषेक के साथ पारी शुरु करने की जिम्मेदारी ईशान को ही मिलेगी। सैमसन जहां सीरीज के पांच मैचों में केवल 46 रन बना पाये। वहीं ईशान ने एक शतक और अर्धशतक सहित करीब 250 रन बनाये थे। ऐसे में सैमसन का दावा काफी कमजोर हो गया है। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि पारी की शुरुआत कौन करेग। अभी इसपर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि ईशान और सैमसन दोनों ही अंतिम ग्यारह के दावेदार हैं। टीम प्रबंधन सभी पक्षों पर ध्यान देने के बाद अंतिम फैसला करेगा। कप्तान ने का कि बल्लेबाज तिलक वर्मा भी फिट हो गये हैं और वह मध्यक्रम में अपनी जगह पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में दल के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह पाने के दावेदार हैं, जिससे चयन और भी कठिन हो गया है। सूर्यकुमार ने टीम अपनी आक्रमक रणनीति पर चलेगी। इसलिए शीर्ष क्रम को आक्रामक होकर ही खेलना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। साथ ही कहा कि गेंदबाजी की जिम्मेदारी, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल पर रहेगी। वहीं हार्दिक पांड्या के अलावा शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा को भी गेंदबाजी दी जा सकती हैं। ऐसे में टीम सात बल्लेबाज और आलराउंडर्स के साथ एक मजबूत संयोजन बनाएगी। कप्तान ने कहा कि घरेलू हालातों में खेलने पर दबाव आता है पर खेल में ये चलता रहता है। उनका प्रयास टीम की खिताब बरकरार रखने में सहायता करना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज को विश्वकप में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी : कोच सैमी

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी अपनी टीम के प्रदर्शन से निराश हैं। सैमी के

अनुसार उनकी टीम को अगर टी20 विश्वकप जीतना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी के अनुसार उनकी टीम को हाल में दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के अलावा अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था। इससे साफ है कि खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उन्हें काफी सुधार करने होंगे। उसके गेंदबाजों को विरोधी टीम के खिलाफ तीन मैचों में केवल 10 विकेट ही मिल पाये थे। पहले दो मैचों में ही टीम ने 401 से अधिक रन दे दिये थे। ऐसे में कोच का कहना है कि सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। उनका प्रदर्शन से ही तय होगा कि टीम कहां तक पहुंचेगी। कोच कहा, उम्मीद है, हम ऐसा क्रिकेट खेल पाएंगे, जिससे हमें जीतने में सहायता मिले। जैसा कि मैंने पहले कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे पता है कि गेंदबाजी में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नई योजना के साथ उतरेंगे। सैमी साल 2012 और 2016 में वेस्टइंडीज की टीम ने विश्व कप जीता था, तो उस समय सैमी भी टीम में शामिल थे। उनका मानना है कि इस बार के विश्व कप के लिए बल्लेबाजी ईकाई अच्छी है पर गेंदबाजी में परेशानी हैं। सैमी ने कहा, मैं बल्लेबाजी के तरीके से खुश हूं। मैं चाहूंगा कि स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी करें। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हमार स्पिनर बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने से अपने प्रशंसकों और समर्थकों को देगी पाकिस्तान टीम : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अगर पाकिस्तान टी20

विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलता तो उसे ही सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। कपिल के अनुसार इससे पाकिस्तान टीम अपने प्रशंसक और समर्थक खो देगी और उसका क्रिकेट कई साल पीछे चला जाएंगा। कपिल के अनुसार पाक का मैच नहीं खेलने का फैसला उसके क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को ही नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं पर अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो ये पाकिस्तान के लिए बर्बादी लाने वाला फैसला होगा। इससे आप एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर रहे हैं। अगर आप इन लड़कों को विश्व कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर देंगे और खेल को नुकसान पहुंचाएंगे। इस प्रकार आप अपने ही खिलाड़ियों के साथ अन्याय करेंगे। कपिल ने कहा है कि अगर मैच नहीं हुआ तो दर्शक निराश होंगे पर अगर पाक भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के अपने फैसले पर बना रहा तो वह अपने प्रशंसक भी खो देगा। उन्होंने कहा, इसके बाद लंबे समय में, कोई भी उन्हें याद नहीं करेगा क्योंकि लोग उसने आगे बारे में ज्यादा समय तक नहीं सोचेंगे और आखिर में वे आगे बढ़ जाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने रविवार को घोषणा की थी कि पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप 2026 में खेलेगी पर 15 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच में टीम नहीं उतरेगी।

आईसीसी अंडर-19 यूथ विश्वकप : भारत सहित चार टीमों के सेमीफाइनल मुकाबले

हरारे। भारत सहित , आस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें आईसीसी अंडर-19 यूथ विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया की टीमें भी अपने सभी मैच जीती हैं। वहीं अफगानिस्तान को सुपर-6 में एक मैच में श्रीलंका से हाथों करना पड़ा था। अब अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल के मैच काफी रोमांचक होने तय हैं। आईसीसी अंडर-19 9 वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल 3 फरवरी को तो दूसरा 4 फरवरी को खेला जाएगा। दोनों नाकआउट मुकाबले क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावेयो में होंगे। पहले सेमीफाइनल में 3 फरवरी को आस्ट्रेलिया का मुकाबला इंग्लैंड से क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावेयो में दोपहर 1 बजे से खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल 4 फरवरी को भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावेयो में दोपहर 1 बजे से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों के दल भारत : आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एनान, एरोन जार्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उधव मोहन, हेनिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी आस्ट्रेलिया : ओलिवर पीक (कप्तान), केसी बार्टन, नाडेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गार्डन, स्टीवन होगन, थामस होगन, जान जेम्स, चार्ल्स लैचमुंड, विल मलाजजुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम बायरोम, एलेक्स ली यंग।

पीसीबी पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता आईसीसी मनी, बोर्ड सरकार के निर्देशों पर काम कर रहा

लाहौर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान सरकार के भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्वकप कप से बाहर रहने के फैसले की जहां कड़ी आलोचना हो रही है। वहीं इस मामले में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन एहसान मनी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का बचाव करते हुए कहा है कि ये फैसला सरकार का है। इसलिए नियमों के अनुसार इस मामले में आईसीसी पाक बोर्ड के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। पाकिस्तान के मनी के अनुसार आईसीसी पाकिस्तान को भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप स्तर के मैच का बहिष्कार करने पर सजा नहीं दे सकता क्योंकि ये फैसला बोर्ड ने सरकार के आदेश पर लिया है। इसलिए यह आईसीसी गवर्निंग बाडी के अनुशासनात्मक दायरे से बाहर है।

वहीं इससे पहले पाक सरकार ने घोषणा की थी कि टीम विश्वकप में उतरेगी पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं उतरेगी। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने टीम को टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी है पर कहा कि भारत के खिलाफ मैच के लिए उसे मंजूरी नहीं दी है। मनी ने कहा, पीसीबी पाकिस्तान सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा है। ऐसे में उसपर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता क्योंकि इसी आधार पर भारतीय बोर्ड ने पाकिस्तान में साल 2025 में हुए चैंपियंस ट्राफी के मैच खेलने से मना कर दिया था। इसके बाद उसके मैच तटस्थ स्थल पर रखे गये थे। इसलिए इस बार आप दोहरे मापदंड नहीं अपना सकते। साथ ही तंज कसा कि आईसीसी समस्या को हल करने की जगह पर मूकदर्शक बनी रही है। मनी ने कहा कि जिस प्रकार के नियम बने हैं, उसमें सरकारें क्रिकेट से जुड़े फैसले लेने लगी हैं। जब पीसीबी चेयरमैन स्वयं पाकिस्तान सरकार में मंत्री हैं।

रायडू को भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीद

हैदराबाद । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भारतीय टी20 टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस बार भी वह खिताब जीत सकती है। भारतीय टीम ने पिछल बार वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए विश्वकप को जीता था। जिससे वह इस बार भी बरकरार रखना चाहेगी। रायडू के अुनसार जिस प्रकार से भारतीय टीम अच्छे फार्म में है। उससे वह अपना विश्वकप खिताब बरकरार रखने में सक्षम नजर आती है। भारतयी टीम ने जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की सीरीज में खेला है उससे रायडू बेहद प्रभावित हैं। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती है। रायडू ने कहा कि टीम का आत्मविश्वास, रुख और निडर क्रिकेट यह दिखाता है कि भारत आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार है। रायडू ने कहा कि इस भारतीय टीम की सोच बाकी टीमों से अलग है। उनके अनुसार, खिलाड़ी बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं और यही निडरता उन्हें आक्रामक बनाती है। इसलिए भारतीय टीम के पास वह सब है जो विश्वकप जीतने के लिए चाहिये। ऐसे में अगर टीम सही दिशा में रहीं, तो 2026 में भी भारतीय टीम ट्राफी जीत सकती है। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया नई दिल्ली में नामीबिया, कोलंबो में पाकिस्तान और अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच खेलेगी। यह टी20 विश्व कप भारत के लिए विशेष होगा, क्योंकि यह पहला बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें टीम अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के बिना उतरेगी। इन तीनों दिग्गजों ने ही साल 2024 में खिताब जीतने के बाद संन्यास ले लिया था। रायडू ने माना कि इन दिग्गजों के अनुभव की कमी जरूर महसूस होगी पर साथ ही कहा कि इनके बिना उतर रही युवा टीम के लिए अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। रायडू का मानना है कि सूर्यकुमार की कप्तानी में यह टीम नये उत्साह के साथ खेल रही है। उन्होंने कहा कि सूर्या और पूरी टीम अपने घरेलू मैदानों पर होने जा रहे इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। रायडू आजकर गोवा में जारी वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग में भी हिस्सा ले रहे हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्कराज राटरडैम ओपन से हटे

नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज इस साल एबीएन एमरो (राटरडैम) ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने सोमवार को पुष्टि की कि विश्व नंबर एक अल्कराज एटीपी 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन के स्टार खिलाड़ी ने आस्ट्रेलियन ओपन में कड़े अभियान के बाद कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया है, जहां उन्होंने मेलबर्न में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज की थी।

अल्कराज के इस फैसले के साथ ही राटरडैम आहोय में उनकी दोबारा मौजूदगी की संभावना समाप्त हो गई है। उन्होंने 2025 में इसी टूर्नामेंट में एलेक्स डी मिनौर को तीन सेटों में हराकर खिताब जीता था, जो उनके करियर का पहला इंडोर एटीपी खिताब भी था।

एबीएन एमरो ओपन के आयोजकों ने एक आधिकारिक बयान में कहा, कार्लोस अल्कराज राटरडैम में अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगे। आस्ट्रेलियन ओपन के दौरान पिछले दो हफ्तों में काफी मेहनत के बाद उन्होंने महसूस किया कि उन्हें दोबारा खेलने से पहले और समय की जरूरत है। हम कार्लोस के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। अल्कराज का यह फैसला आस्ट्रेलियन ओपन में उनकी ऐतिहासिक सफलता के तुरंत बाद आया है, जहां उन्होंने फाइनल में नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराकर पहली बार खिताब जीता था। इस जीत के साथ ही 22 वर्षीय अल्कराज ओपन एरा में सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले पुरुष खिलाड़ी भी बन गए।

आगा बोले, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला हमारा नहीं

लाहौर। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का जो फैसला लिया है। उससे पाक प्रशंसक और खिलाड़ी भी सहमत नहीं है। टीम के कप्तान सलमान आगा के बयान से ये साबित होता है। आगा ने कहा है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी के मैच का बहिष्कार करने का फैसला सरकार का है हमारा नहीं। पाक सरकार ने कहा था कि टीम टूर्नामेंट मे भाग लेगी पर भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किये जाने के विरोध में लिया है। आगा ने कहा है कि टूर्नामेंट में खेलने का फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करना होता है और खिलाड़ियों की निजी राय मायने नहीं रखती है। आगा ने यह भी कहा कि पाक टीम टूर्नामेंट के शेष मैच खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच को लेकर निर्देशों का पालन करेगी। सरकार के फैसले पर आगा ने कहा, हां, बिल्कुल, हम विश्वकप के लिए जाएंगे पर यह हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें अपनी ओर से कुछ भी नहीं कर सकते। सरकार और बोर्ड जो भी निर्देश देगा।

हीरालाल गायकवाड़ ट्राफी : प्रतीक के दोहरे प्रदर्शन से भोपाल बना चैंपियन

इंदौर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित लड़कों के अंडर-18 हीरालाल गायकवाड़ मल्टी डे टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में भोपाल संभाग ने चंबल संभाग को 9 विकेट से हराकर ट्राफी अपने नाम कर ली है। इंदौर के आरबीसीएफ ग्राउंड पर खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भोपाल के आलराउंडर प्रतीक शुक्ला जीत के नायक रहे।

भोपाल ने चंबल को 9 विकेट से रौंदकर खिताब पर जमाया कब्जा

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल की टीम अपनी पहली पारी में 249 रनों पर सिमट गई। चंबल की ओर से निश्चय सिकरवार ने सर्वाधिक 57 रन और अथर्व शर्मा ने 38 रन का योगदान दिया। भोपाल के गेंदबाज प्रतीक शुक्ला ने 43 रन देकर 4 विकेट और तेजस पटेल ने 3 विकेट झटककर चंबल को बड़े स्कोर से रोका। जवाब में भोपाल ने अपनी पहली पारी में 398 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और 149 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। भोपाल के लिए प्रतीक शुक्ला ने 142 रनों (201 गेंद, 13 चौके, 4 छक्के) की मैराथन पारी खेली, जबकि मलय श्रीवास्तव ने 55 रनों का योगदान दिया। चंबल के निश्चय सिकरवार ने गेंदबाजी में भी दम दिखाते हुए 6 विकेट लिए। दूसरी पारी में चंबल का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया और पूरी टीम मात्र 151 रनों पर आलआउट हो गई। इसमें निश्चय सिकरवार की 73 रनों की पारी को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। भोपाल को जीत के लिए केवल 3 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने केवल 1.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया और खिताब पर कब्जा जमाया। मैच के समापन पर भोपाल के प्रतीक शुक्ला को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच चुना गया।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने पर बोले पैट कमिंस-मेरे पास समय ही कम पड़ गया

नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ पैट कमिंस ने खुलासा किया है कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम का हिस्सा बनने के बेहद करीब थे, लेकिन रिकवरी में हुई मामूली देरी के कारण अंतिम 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना सके। पीठ की चोट से जूझ रहे कमिंस को टूर्नामेंट के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में बेन ड्वार्शिस ने रिप्लेस किया है।

7 फरवरी से शुरू हो रहे मेगा टूर्नामेंट से बाहर होने पर कमिंस ने कहा कि वह शारीरिक रूप से बेहतर महसूस कर रहे थे, लेकिन पूरी तरह फिट होने के लिए उनके पास पर्याप्त समय नहीं बचा था।

कमिंस ने आईसीसी के हवाले से कहा, यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण रहा। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक छोटी-सी परेशानी थी और सच कहूं तो समय ही कम पड़ गया। अब मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

आस्ट्रेलियाई कप्तान ने बताया कि एडिलेड टेस्ट के बाद मेडिकल टीम ने उनकी पीठ को पूरी तरह ठीक होने के लिए चार से आठ हफ्तों का समय देने की सलाह दी थी।

उन्होंने कहा, हमें पता था कि एडिलेड टेस्ट के बाद हड्डी को पूरी तरह स्थिर होने के लिए चार से आठ हफ्तों की जरूरत होगी, उसके बाद ही दोबारा वर्कलोड बढ़ाया जा सकता था। शुरुआत में लगा था कि चार हफ्ते काफी होंगे, क्योंकि मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन फालो-अप स्कैन के बाद लगा कि इसे दो हफ्ते और चाहिए।

कमिंस ने आगे कहा, इसके चलते समय-सारिणी बहुत टाइट हो गई और वर्ल्ड कप तक पूरी तरह फिट होना मुश्किल हो गया।

अब कमिंस को मार्च में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है, हालांकि उन्होंने साफ किया कि उनका मुख्य लक्ष्य साल के दूसरे हिस्से में होने वाले अहम टेस्ट मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रहना है।

आस्ट्रेलिया के सामने आगे व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम है, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज, दक्षिण अफ्रीका का दौरा और फिर न्यूजीलैंड व भारत के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं, जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा होंगे।

कमिंस ने कहा, आने वाले क्रिकेट को देखते हुए हमें लगा कि साल के पहले हिस्से में सतर्क रहना सही रहेगा। अगर अभी सावधानी नहीं बरती जाती और चोट दोबारा उभरती, तो मुश्किलें बढ़ सकती थीं।

वर्ल्ड कप से बाहर रहने के बावजूद कमिंस ने आस्ट्रेलियाई टीम पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि हालिया पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली हार टीम की वास्तविक क्षमता को नहीं दर्शाती।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान में हमारा प्रदर्शन बेहतरीन नहीं रहा, लेकिन खिलाड़ी मजबूत बिग बैश सीजन से आ रहे हैं और कुछ खिलाड़ी चोट से उबरकर वर्ल्ड कप में लौट रहे हैं। टीम का मनोबल अच्छा है और सभी टूर्नामेंट शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2021 की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम ग्रुप स्टेज में आयरलैंड, जिम्बाब्वे, ओमान और सह-मेजबान श्रीलंका से मुकाबला करेगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बायो-मिक्स सीएनजी बदल सकती है देश के फ्यूल सेक्टर की दिशा

नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार का स्पष्ट कहना है कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करनी होगी और अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाना होगा। इसी सोच के तहत सरकार ने बायो-मिक्स सीएनजी को टैक्स में राहत देने की घोषणा की है, जो आने वाले वर्षों में देश के फ्यूल सेक्टर की दिशा बदल सकती है।

बायो-मिक्स सीएनजी दरअसल पारंपरिक सीएनजी और बायोगैस के मिश्रण से तैयार होने वाला ईंधन है। बायोगैस गोबर, कृषि अवशेष, जैविक कचरे और अन्य आर्गेनिक वेस्ट से तैयार की जाती है। इसे प्रोसेस करके कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) बनाया जाता है। जब सीबीजी को सीएनजी के साथ मिलाया जाता है, तो यह बायो-मिक्स सीएनजी बनता है। यह मिश्रित ईंधन न केवल अधिक क्लीन है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर विकल्प माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बायो-मिक्स सीएनजी भविष्य में सार्वजनिक परिवहन, निजी वाहनों और औद्योगिक उपयोगों के लिए एक स्थायी समाधान बन सकता है। बजट 2026 में सरकार ने इस ईंधन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण टैक्स छूट की घोषणा की है। इस फैसले के तहत सीएनजी में मिलाई जाने वाली बायोगैस की कीमत को एक्साइज ड्यूटी की गणना से अलग रखा जाएगा। इसका सीधा लाभ यह होगा कि बायो-मिक्स सीएनजी में बायोगैस वाले हिस्से पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे इस फ्यूल की कुल लागत कम होगी और यह पारंपरिक सीएनजी की तुलना में अधिक सस्ता और बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेगा। सरकार को उम्मीद है कि इस टैक्स राहत के बाद फ्यूल कंपनियां अधिक मात्रा में बायोगैस का उत्पादन और उपयोग बढ़ाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बायोगैस प्लांट लगाने को बढ़ावा मिलेगा, किसानों और ग्रामीण समुदायों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे और कचरे के बेहतर प्रबंधन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, निवेशक भी इस उभरते हुए सेक्टर में रुचि दिखा सकते हैं, जिससे देश में क्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत होगा। उपभोक्ताओं के लिए भी यह फैसला राहत वाला साबित हो सकता है, क्योंकि आने वाले समय में बायो-मिक्स सीएनजी के दाम कम होने की संभावना है। बायो-मिक्स सीएनजी को बेहतर इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि यह कार्बन उत्सर्जन को काफी कम करता है। बायोगैस एक रिन्यूएबल एनर्जी स्रोत है, जो जैविक कचरे के उपयोग से तैयार होता है, इस तरह यह न केवल प्रदूषण कम करता है, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का समाधान भी देता है।

न्यूज ब्रीफ

शानदार फीचर्स के साथ धूम मचा रही मारुति ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में शानदार फीचर्स और उच्च सुरक्षा मानकों के साथ मारुति सुजुकी की ग्रैंड विटारा एसयूवी धूम मचा रही है। कंपनी के अनुसार फुल टैंक पर यह एसयूवी 1,200 किलोमीटर तक की रेंज देती है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 10.76 लाख रुपए से लेकर 19.57 लाख रुपए तक है और इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा और होंडा एलिवेट जैसी एसयूवी से होता है। पिछले छह महीनों में ग्रैंड विटारा की कुल बिक्री 50,128 यूनिट रही, यानी हर महीने औसतन 8,355 लोग इसे खरीद रहे हैं। एसयूवी में 1462सीसी के15 इंजन और माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम दिया गया है, जो 6,000 आरपीएम पर 100 बीएचपी और 4,400 आरपीएम पर 135 एनएम टार्क जनरेट करता है। पावरट्रेन में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक का विकल्प मिलता है। हाइब्रिड सिस्टम में दो मोटर हैं - पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर। ईवी मोड में कार पूरी तरह इलेक्ट्रिक रूप से चलती है, जबकि हाइब्रिड मोड में इलेक्ट्रिक मोटर बैटरी से पावर लेकर इंजन की मदद करती है। एसयूवी में टायर प्रेशर मानिटरिंग, पैनारोमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और एडजस्टेबल ड्राइवर सीट जैसे फीचर्स मिलते हैं।

शाओमी पेड 8 प्रो का ग्लोबल वेरिएंट जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी शाओमी का पापुलर टैबलेट पेड 8 प्रो का ग्लोबल वेरिएंट जल्द ही

अंतरराष्ट्रीय बाजार में लान्च होगा। हाल ही में यह टैबलेट बेंचमार्किंग प्लेटफार्म गीकबेंच पर फ्लैगशिप परफार्मेंस के साथ लिस्ट हुआ। गीकबेंच लिस्टिंग में पता चला कि यह टैबलेट 8जीबी रैम के साथ आएगा, जबकि इंटरनल स्टोरेज 256जीबी तक का हो सकता है। इसके सिंगल-कोर और मल्टी-कोर स्कोर क्रमशः 2940 और 8759 पाइंट्स हैं। लिस्टिंग से यह भी कन्फर्म हुआ कि टैबलेट में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट मिलेगा। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार पेड 8 प्रो में 11.2 इंच का 3.2के एलसीडी डिस्प्ले दिया जाएगा, जिसकी रेज़ाल्यूशन 3200 गुणा 2136 पिक्सल होगी। यह डिस्प्ले 144एचझेड रिफ्रेश रेट, 800 निट्स पीक ब्राइटनेस और 12-बिट कलर डेप्थ सपोर्ट करेगा। साथ ही 345 पीपीआई, एचडीआर 10, डाल्बी विज़न और एचडीआर विविध सपोर्ट भी मिलेगा। टीयूवी आई प्रोटेक्शन और डीसी डिमिंग के साथ एजी नैनो-टेक्सचर एचिंग और एआर कोटिंग इसे और प्रीमियम बनाते हैं। कंपनी का दावा है कि यह टैबलेट अंटूटू में 3 मिलियन से अधिक का स्कोर हासिल कर सकता है, जिससे मल्टीटास्किंग, 4के वीडियो एडिटिंग और हाई-रेजोल्यूशन गेमिंग आसान होगी। चाइना वेरिएंट की बात करें तो इसमें भी 11.2 इंच का 144 एचझेड डिस्प्ले है और यह स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट पर काम करता है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का मेन कैमरा और 32एमपी का सेल्फी कैमरा शामिल है। इसकी बैटरी 9200एमएएच की है और यह 67वाट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। अभी तक शाओमी ने ग्लोबल लान्च डेट का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है, लेकिन फीचर्स और परफार्मेंस के आधार पर इसे हाई-एंड टैबलेट माना जा रहा है।

पाकिस्तान में बढ़ती अस्थिरता से चीन के सीपेक निवेश पर खतरा : रिपोट

रोम, 03 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लगातार गहराती राजनीतिक और सुरक्षा अस्थिरता चीन के बहुचर्चित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपेक) के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि चीनी अधिकारी इस्लामाबाद तक सुरक्षित रूप से यात्रा नहीं कर पाते हैं, तो चीन को पाकिस्तान के साथ अपने जुड़ाव के दायरे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। फिलहाल इस्लामाबाद के सामने खड़ी हर नई चुनौती सीपेक की प्रगति के लिए खतरा बनती जा रही है और क्षेत्र में बीजिंग के अरबों डॉलर के निवेश को कमजोर कर रही है।

इटली के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिकल स्टडीज (आईएसपीआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान पर अपनी पकड़ मजबूत करने तथा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी सीमाओं पर आर्थिक रूप से समृद्ध और स्थिर क्षेत्र बनाने की चीन की महत्वाकांक्षाएं हालिया घटनाक्रमों के चलते कठिन होती नजर आ रही हैं।

रिपोर्ट में याद दिलाया गया कि अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था, जब दोनों देशों की साझा सीमा पर घातक मिसाइल हमले हुए। सितंबर 2021 में काबुल में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से ही पाकिस्तान और अफगान तालिबान के रिश्तों में लगातार गिरावट देखी जा रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, करीब एक दशक पहले इस्लामाबाद पर 62 अरब डॉलर का दांव लगाने के बाद बीजिंग अब क्षेत्र में स्थिरता को लेकर बेहद चिंतित है। घरेलू उग्रवाद में बढ़ोतरी और शत्रुतापूर्ण पड़ोस के बीच पाकिस्तान की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं, जो चीन के लिए चिंता का विषय है।

सीपेक के तहत चीन ने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर आर्थिक निवेश बढ़ाया है। बीजिंग के लिए सीपेक का मुख्य उद्देश्य बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के माध्यम से अरब सागर तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है, जिसका केंद्र बलूचिस्तान प्रांत का ग्वादर बंदरगाह है।

हालांकि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि पाकिस्तान में जारी आंतरिक अशांति चीन को अपने निवेश से अपेक्षित लाभ हासिल करने से रोक रही है। इससे कई सीपेक परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं और अनेक मोर्चों पर प्रगति ठप हो गई है।

बलूचिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लगातार हमलों ने सीपेक की प्रमुख परियोजनाओं, खासकर ग्वादर बंदरगाह के विकास में गंभीर बाधाएं खड़ी की हैं। सुरक्षा हालात इतने खराब हो गए कि 2024 के उत्तरार्ध में सीपेक से वित्तपोषित ग्वादर हवाई अड्डे का उद्घाटन वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर खतरे के कारण ऑनलाइन करना पड़ा।इसके अलावा, पाकिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से भी गंभीर सुरक्षा चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीपी ने खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और चीनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लगातार निशाना बनाया है।

सुजुकी जिम्नी नोमेड एडवांस सुरक्षा के साथ जल्द आएगी

नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और जापान में बनी सुजुकी जिम्नी एसयूवी हमेशा डिमांड में रही। सुजुकी जिम्नी अपने रफ-टफ लुक और आफ-रोडिंग क्षमताओं के लिए दुनियाभर में लोकप्रिय एसयूवी रही है। कई बाजारों में इसकी बुकिंग इतनी अधिक थी कि लाटरी सिस्टम के जरिए ही वितरण किया गया। अब 2026 माडल, सुजुकी जिम्नी नोमेड एडवांस अडास के साथ आएगी, जिससे सेफ्टी का स्तर और बढ़ जाएगा। नए माडल में पहले इस्तेमाल किए गए मोनोक्यूलर कैमरा और लेजर रडार को डुअल सेंसर ब्रेक सपोर्ट-2 सिस्टम से बदल दिया गया है।

इसमें स्टीरियो कैमरा और मिलिमीटर वेव रडार शामिल हैं, जो कोहरे, धुएं या धूल में भी ज्यादा सटीक और भरोसेमंद सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ आटोमैटिक गियरबाक्स वेरिएंट में एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल भी मिलेगा, जिससे लंबी ड्राइव आरामदायक हो जाएगी। डिजाइन और कलर में भी बदलाव किया गया है। फ्रंट बंपर में एमएम वेव रडार के लिए बड़ा और साफ कट-आउट दिया गया है। एसयूवी का नया कलर ग्रेनाइट ग्रे मेटैलिक शामिल किया गया है। अब जिम्नी नोमेड कुल सात कलर आप्शन में उपलब्ध होगी। बुकिंग की शुरुआत 30 जनवरी 2026 से हुई। इससे पहले चार दिनों में करीब 50,000 बुकिंग्स मिल चुकी थीं।

बुकिंग लाटरी सिस्टम के आधार पर ही जारी रहेगी।नई अडास तकनीक और डिजाइन अपडेट्स के साथ यह एसयूवी आफ-रोडिंग और शहरी ड्राइविंग दोनों के लिए ज्यादा सुरक्षित और आकर्षक विकल्प बन गई है। नई सेफ्टी तकनीक और अपडेट्स के चलते एसयूवी की कीमत भी बढ़ गई है। 2026 सुजुकी जिम्नी नोमेड की कीमत जेपीवाय 2,926,000 (करीब 17.42 लाख रुपए) हो गई है, जो पिछले माडल की कीमत जेपीवाय 2,651,000 (करीब 15.78 लाख रुपए) से लगभग 1.6 लाख रुपए अधिक है।

कैंसर और दुर्लभ बीमारी की दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने से मरीजों को राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कैंसर की 17 महंगी दवाओं और सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज पर 5-10 फीसदी आयात शुल्क तुरंत हटाने का निर्णय लिया है। इसका मकसद मरीजों के लिए इन उपचारों को सुलभ बनाना और लागत को कम करना है। इस कदम से वैश्विक और घरेलू दवा कंपनियों को भी फायदा होगा, जिनके पोर्टफोलियो में आयातित दवाएं शामिल हैं। इस छूट से नोवार्टिस, इलाई लिली, एस्ट्राजेनेका, रोश जैसी कंपनियां लाभान्वित होंगी। उदाहरण के लिए, नोवार्टिस का रिबोसिस्लिब और इलाई लिली का एबेमासिस्लिब ब्रेस्ट कैंसर में उपयोग होता है। एस्ट्राजेनेका का ट्रेमेलिमुमैब लिवर कैंसर और रोश की वेनेटोक्लाक्स क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के इलाज में प्रयोग होती हैं। इसके अलावा, ऐबवी, ब्लूप्रिंट मेडिसिन्स, बेयर और ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब जैसी कंपनियों की आयातित इम्यूनोथेरेपी भी लाभ में रहेंगी। एल्नीलम फार्मास्युटिकल्स को प्राइमरी हाइपरोक्सालुरिया टाइप 1 के लिए लुमासिरेन पर छूट मिलेगी।

सर्राफा बाजार की कमजोरी जारी, सोना-चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख लगातार जारी है। सोना 6,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 7,410 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 19 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की दर्ज की गई है। सोने की कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये से लेकर 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये से लेकर 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,310 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कृषि समेत संवेदनशील...

बाधाओं को घटाकर शून्य'' कर देगा। उन्होंने बताया था कि भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने के अलावा अमेरिका से आयात बढ़ायेगा। श्री गोयल ने स्पष्ट किया कि 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद पांच साल में होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथा दूसरे विपक्षी दलों के संसद में इस मुद्दे पर हंगामे के कारण स्थिति स्पष्ट करने के लिए इस संवाददाता सम्मेलन की जरूरत पड़ी तथा समझौते के बारे में विस्तृत विवरण बाद में दिये जायेंगे।

झूमा बाजार...

सेंसेक्स में आईटीसी को छोड़कर सभी कंपनियों के शेयर फिलहाल हरे निशान में हैं। सूचकांक की तेजी में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा का रहा।अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 117.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.32 रुपये का बोला गया।पिछले कारोबारी दिवस पर 91.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाली भारतीय मुद्रा आज 119.50 रुपये की मजबूती के साथ 90.30 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। बीच कारोबार में यह ऊपर 90.05 रुपये और नीचे 90.52 रुपये प्रति डॉलर तक गयी।

फिर हंगामा....

बात रखनी शुरु कर दी जिससे सदन में फिर हंगामा हो गया। पीठासीन अधिकारी ने कहा कि वह बार बार बोलने का आग्रह कर चुके हैं लेकिन विपक्ष के नेता नहीं बोलना चाहते हैं इसलिए उन्होंने सबसे पहले समाजवादी पार्टी के सदस्य का नाम बोलने के लिए पुकारा, वह नहीं उठे तो फिर तृणमूल कांग्रेस के सदस्य का नाम पुकारा लेकिन वह भी बोलने के लिए नहीं उठे तो श्री तेन्नेटी ने द्रमुक के सदस्य का नाम पुकारा लेकिन वह भी बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी के जीएम हरीश बालयोगी को बोलने के लिए कहा तो शोर शराबे के बीच श्री बालयोगी ने बोलना शुरु कर दिया। सदन में भारी हंगामा शुरु हो गया। हंगामे के बीच श्री बालयोगी अपनी बात रखते रहे लेकिन कुछ सुनाई नहीं दिया। हंगामा और बढ़ने लगा तो पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक स्थगित कर दी।

युमनाम...

13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। 12 फरवरी 2026 राष्ट्रपति शासन खत्म हो रहा है।युमनाम खेमचंद सिंह पारंपरिक ताइक्कांडो में 5ींह डैन ब्लैक बेल्ट पाने वाले भारतीय भी हैं। उन्हें इसका प्रमाणपत्र 30 दिसंबर 2025 को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में ग्लोबल ट्रेडिशनल ताइक्कांडो फेडरेशन के ऑफिस में दिया गया था।ताइक्कांडो और अन्य मार्शल आर्ट्स में डैन का मतलब होता है ब्लैक बेल्ट के स्तर। ब्लैक बेल्ट मिलने के बाद आगे की सभी रैंक को डैन कहा जाता है।

कॉमन बिल...

प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए सोमवार से जीएचएमसी के बिल कलेक्टर और टीजीएसपीडीसी के मीटर रीडर एक संयुक्त सर्वेक्षण करेंगे। इस सर्वे के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों को जीएचएमसी संपत्ति कर पहचान संख्या (पीटीआईएन) से जोड़ा जाएगा। अधिकारियों ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 15 फरवरी की समयसीमा तय की है और इसकी निगरानी की जिम्मेदारी सर्कल डिप्टी कमिश्नरों को सौंपी गई है।

नागरिकों और नागरिक समूहों ने जताया विरोध

हालांकि, सरकार के इस प्रस्ताव की स्थानीय निवासियों ने आलोचना की है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि जब वे पहले से ही पानी और बिजली के अलग-अलग बिल चुका रहे हैं, तो उन्हें संपत्ति कर के साथ इन्हें जोड़ने की क्या आवश्यकता है।नागरिक समूहों ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए खराब स्वच्छता, मच्छर नियंत्रण, आवारा कुत्तों के प्रबंधन और झीलों के संरक्षण जैसे मुद्दों को उठाया है। उन्होंने आग्रह किया है कि सख्त टैक्स वसूली लागू करने से पहले अधिकारियों को बुनियादी सेवाओं में सुधार करना चाहिए।

आज से ...

6 फरवरी: निजामाबाद ग्रामीण,7 फरवरी: परिगी (रंगारेड्डी), 8 फरवरी: भूपालपल्ली, 9 फरवरी: मेदक।मुख्यमंत्री के जिला दौरे का पहला चरण 19 जनवरी को मेदारम में समाप्त हुआ था, जिसके बाद वे दावोस में विश्व आर्थिक मंच और हार्वर्ड के कार्यकारी कार्यक्रम में शामिल होने चले गए थे।

'जिताऊ क्षमता' और वफादारी पर जोर

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद, प्रदेश चुनाव समिति ने सोमवार को उम्मीदवारों की सूची को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। हालांकि, रेवंत रेड्डी ने स्क्रीनिंग कमेटियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि मेयर, डिप्टी मेयर और चेयरपर्सन जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए उम्मीदवारों के नाम अभी तय न किए जाएं।उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए सामाजिक न्याय, पार्टी के प्रति वफादारी, ईमानदारी, अनुशासन और 'जिताऊ क्षमता' का बारीकी से आकलन करने के बाद ही फैसला लिया जाएगा।

स्थानीय स्तर पर तालमेल की छूट

कांग्रेस ने राज्य स्तर पर बीआरएस या भाजपा के साथ किसी भी आधिकारिक चुनाव पूर्व गठबंधन की घोषणा नहीं की है। हालांकि, स्थानीय उम्मीदवारों और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर समान विचारधारा वाले दलों के साथ तालमेल बिठाने की अनुमति दी गई है। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ ने पार्टी के उन सदस्यों से नाम वापस लेने की अपील की है, जिन्हें आधिकारिक तौर पर 'बी-फॉर्म' जारी नहीं किया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 04 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एआईएमआईएम महासचिव सैयद अहमद पाशा कादरी का निधन

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के महासचिव सैयद अहमद पाशा कादरी का मंगलवार, 3 फरवरी को ओवैसी अस्पताल में निधन हो गया। उनकी उम्र 72 वर्ष थी। पूर्व विधायक को पिछले साल 30 नवंबर को बेचैनी की शिकायत के बाद कंचनबाग स्थित ओवैसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें पिछले दो वर्षों से गुर्दे की समस्या थी और वे आवश्यक उपचार ले रहे थे।

चार बार के विधायक, पार्टी के स्तंभ

कादरी कई दशकों से एआईएमआईएम पार्टी से जुड़े रहे हैं और 2004 से 2023 तक विधायक के रूप में कार्य कर चुके हैं। सैयद अहमद पाशा कादरी को जमीनी स्तर पर एआईएमआईएम को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमुख नेताओं में से एक माना जाता था। वे कई दशकों तक पार्टी से घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे और 2004 से 2023 तक निर्वाचित जन प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया।

ओवैसी ने जताया गहरा शोक

उनकी मृत्यु की खबर के बाद, असदुद्दीन ओवैसी ने एआईएमआईएम नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ मिलकर गहरा शोक और संवेदना व्यक्त की। कादरी की मृत्यु से पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई है। वे पुराने शहर के चार्मीनार और याकूतपुरा विधानसभा क्षेत्रों से चार बार विधायक चुने गए थे और पार्टी के संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका अहम रही।

राजनीतिक हलकों में शोक

तेलंगाना की राजनीति में एक प्रमुख चेहरे के रूप में जाने जाने वाले कादरी के निधन से राजनीतिक हलकों में शोक व्यक्त किया जा रहा है। उनकी कमी पार्टी और समुदाय को लंबे समय तक महसूस होगी।

जगतियाल में दर्दनाक हादसा: हल्दी की कटाई कर लौट रहे ट्रैक्टर के पलटने से 4 कृषि मजदूरों की मौत

मोगिलीपेटा (जगतियाल), 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जगतियाल जिले के मल्लापुर मंडल के मोगिलीपेटा में मंगलवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हल्दी की फसल काटकर लौट रहे कृषि मजदूरों से भरा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई।

अनियंत्रित होकर पलटा वाहन

जानकारी के अनुसार, मजदूर दिनभर खेत में हल्दी की कटाई का काम पूरा करने के बाद ट्रैक्टर पर सवार होकर घर वापस जा रहे थे। मोगिलीपेटा के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण ट्रैक्टर सड़क पर ही पलट गया। हादसे की तीव्रता इतनी अधिक थी कि चार मजदूरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

कई मजदूर गंभीर रूप से घायल

इस दुर्घटना में कई अन्य मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।अस्पताल में भर्ती कराए गए कुछ घायलों की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के विस्तृत विवरण और मृतकों की पहचान की प्रतीक्षा की जा रही है।

जिला परिषद हाई स्कूल में 500 स्पोर्ट्स टी-शर्ट का वितरण

राजस्थानी जागृति समिति की पहल से छात्रों में खुशी

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति द्वारा जिला परिषद हाई स्कूल, मलावरपल्ली, काटेदान, राजेंद्र नगर (रंगारेड्डी जिला) में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्कूल स्पोर्ट्स टी-शर्ट का वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा कुल 500 स्पोर्ट्स टी-शर्ट विद्यार्थियों को प्रदान की गईं।

विद्यालय के प्राचार्य चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि सरकार की ओर से छात्रों को नियमित स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन स्पोर्ट्स टी-शर्ट की आवश्यकता थी। इस पर राजस्थानी जागृति समिति के प्रतिनिधियों ने आगे आकर सहयोग देने की इच्छा जताई और छात्रों को स्पोर्ट्स टी-शर्ट उपलब्ध कराई।प्राचार्य ने समिति के इस सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनका मनोबल मजबूत होगा। टी-शर्ट वितरण के बाद विद्यार्थियों ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल कर्मचारियों को भी साड़ियां वितरित की गईं।

समिति के उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत ने छात्रों को आश्वासन दिया कि आगामी वार्षिक खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए जाएंगे, जिससे छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थानी जागृति समिति पिछले 20 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है और जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, चिकित्सा सहायता, खेल सामग्री एवं शैक्षणिक शुल्क में सहयोग करती आ रही है।

इस अवसर पर विद्यालय की ओर से समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी एवं संगठन मंत्री रमेश मोदानी का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। वहीं समिति की ओर से विद्यालय के प्राचार्य चंद्रशेखर रेड्डी का शाल व मोती माला पहनाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक बालास्वामी, बालकृष्णा, सलोमी सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सूत्रधार संस्था द्वारा वसन्तोत्सव काव्य गोष्ठी का भव्य एवं सफल आयोजन

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद की 74वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन दो सत्रों में अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं साहित्यिक माहौल में संपन्न हुआ। संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गोष्ठी का शुभारंभ पटल पर उपस्थित सभी सदस्यों के हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन से हुआ।सरिता सुराणा ने प्रमुख समाजसेविका, कवयित्री एवं संस्था की संरक्षक विमलेश सिंघी को वर्चुअल मंच पर अध्यक्षता हेतु आमंत्रित किया। तृप्ति मिश्रा ने स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर गोष्ठी का शुभारंभ किया।

प्रथम सत्र: जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक योगदान पर गहन चर्चा

प्रथम सत्र में छायावाद के युग-प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक योगदान पर विस्तृत चर्चा हुई। विषय प्रवेश करते हुए सरिता सुराणा ने प्रसाद जी का संक्षिप्त जीवन परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रसाद जी का जन्म 30 जनवरी 1889 को वाराणसी में एक प्रतिष्ठित सुंघनी साहू परिवार में हुआ था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता और बड़े भाई के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। घर पर ही संस्कृत, हिंदी, फारसी, उर्दू की शिक्षा प्राप्त की और क्वींस कॉलेज में आठवीं तक पढ़ाई की।नौ वर्ष की आयु में कलाधरे उपनाम से ब्रजभाषा में सवैया लिखा और बाद में खड़ी बोली में रचनाएं कीं। कम आयु में ही उन्होंने हिंदी साहित्य को कामायनी, आंसू, लहर, झरना आदि कालजयी कृतियों से समृद्ध किया।

चर्चा में दर्शन सिंह ने प्रसाद जी की नारी-शक्ति के प्रति सम्मान पर प्रकाश डाला और प्रसिद्ध पंक्तियां उद्धृत कीं:

नारी तुम केवल श्रद्धा हो / विश्वास रजत नग पद तल में / पीयूष स्रोत सी बहा करो / जीवन के सुन्दर समतल में। सुनीता लुल्ला ने ले चल नाविक धीरे-धीरे रचना को अपनी प्रिय बताते हुए कहा कि प्रसाद जी यदि कुछ और वर्ष जीवित रहते तो हिंदी साहित्य को और अधिक अमर कृतियां मिलतीं।अध्यक्षीय टिप्पणी में विमलेश सिंघी ने कहा कि कविता जीवन के लिए ऑक्सीजन का काम करती है। नमक के बिना भोजन बेस्वाद होता है, वैसे ही कविता के बिना जीवन नीरस। सभी वक्ताओं की चर्चा से प्रसाद जी के योगदान को गहराई से समझने का अवसर मिला।

द्वितीय सत्र: वसन्तोत्सव काव्य गोष्ठी में रचनाओं की बहार

द्वितीय सत्र में वसन्तोत्सव की थीम पर काव्य पाठ हुआ। कोलकाता से सुशीला सुराणा ने ऋतुराज वसन्त और वीर जवानों के शौर्य पर रचनाएं सुनाईं। अमिता श्रीवास्तव की आध्यात्मिक रचना प्रार्थना कर मन जगाओ ने सबका मन मोह लिया।

कटक (उड़ीसा) से रिमझिम झा ने समाज के दोगलेपन पर लघुकथा सुनाई, जबकि हैदराबाद से गजानन पाण्डेय ने गुल्लक लघुकथा प्रस्तुत की। युवा कवयित्री एवं आईटी प्रोफेशनल श्रीया धपोला की रचना पर कतर दिए उस नन्हीं चिड़िया के ज़िम्मेदारियों ने / लाद दिया नन्हें कंधों पर ज़माने भर का बोझ ने विशेष प्रभाव छोड़ा।

भारती बजाज (सिलीगुड़ी) ने देशभक्ति भावों से ओतप्रोत रचना, सुनीता लुल्ला ने कुछ नये रागों का अन्वेषण तो होना चाहिए गीत, दर्शन सिंह ने दौलत की पिपासा नवगीत, तृप्ति मिश्रा ने दोहे और सरिता सुराणा ने दोहे एवं हाइकु सुनाए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विमलेश सिंघी ने सभी रचनाओं की मुक्त कंठ प्रशंसा की और अपनी रचना हौसलों को बुलंद रखना प्रस्तुत की। अंत में उन्होंने मधुर स्वर में स्वरचित सरस्वती माता की आरती सुनाई। किरन सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।संस्था अध्यक्ष सरिता सुराणा ने सभी सहभागियों, वक्ताओं और श्रोताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। बहुत ही उल्लासपूर्ण, साहित्यिक और भावपूर्ण वातावरण में यह वसन्तोत्सव काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। सूत्रधार संस्था निरंतर हिंदी साहित्य, संस्कृति और काव्य को बढ़ावा देने में सक्रिय है।

ऑनलाइन सुरक्षा पर साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 3 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मस्जिद इबाद-उर-रहमान में गोलकोण्डा पुलिस स्टेशन के पर्यवेक्षण में शिक्षकों एवं छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सत्र एसएचओ श्री पी. सैदुलु सर, एसआई श्री रामा नायडू सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों तथा अन्य सम्मानित पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान निम्न विषयों पर सरल एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई : मोबाइल से संबंधित साइबर अपराध, फर्जी ओटीपी घोटाले, धोखाधड़ी वाले लिंक एवं ऑनलाइन जाल, सुरक्षित एवं ज़िम्मेदार इंटरनेट उपयोग।

अधिकारियों ने समझाया कि साइबर अपराधी किस प्रकार कार्य करते हैं और छात्र, शिक्षक तथा आम नागरिक स्वयं को ऑनलाइन कैसे सुरक्षित रख सकते हैं।

मस्जिद समुदाय इस महत्वपूर्ण जागरूकता पहल के माध्यम से समाज को शिक्षित एवं सुरक्षित करने हेतु सभी अधिकारियों के बहुमूल्य समय और प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता है। यदि कोई व्यक्ति साइबर अपराध का शिकार हो जाता है, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या 112 पर संपर्क करें।

फेडरल बैंक बेलगाम रीजन की क्षेत्रीय स्पोर्ट्स मीट का भव्य आयोजन

हुब्बल्ली, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फेडरल बैंक, बेलगाम रीजन की क्षेत्रीय स्पोर्ट्स मीट का सफल और उत्साहपूर्ण आयोजन हुब्बल्ली के कुसुगल रोड स्थित संस्कार स्कूल परिसर में किया गया। इस स्पोर्ट्स मीट में बेलगाम रीजन की कुल 29 शाखाओं के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का जोशीला प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि संस्कार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष एवं समाजसेवी महेंद्र सिंघी ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कार्यदर्शी सुधीर वोरा, क्षेत्रीय प्रबंधक मंजुनाथ तथा कलकेया रेवंकिमठ भी मंचासीन रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर स्पोर्ट्स मीट का औपचारिक शुभारंभ किया।

समाजसेवी सिंघी ने की सराहना

अपने आतिथ्य उद्बोधन में समाजसेवी महेंद्र सिंघी ने कहा कि बैंकिंग जैसे तनावपूर्ण कार्यक्षेत्र में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन अत्यंत सराहनीय पहल है। इससे कर्मचारियों को न केवल शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का अवसर मिलता है, बल्कि मानसिक शांति, टीम भावना और आपसी सौहार्द भी विकसित होता है। उन्होंने फेडरल बैंक द्वारा कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

इस स्पोर्ट्स मीट के दौरान अनेक मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।सिक्षेत्रीय प्रबंधक मंजुनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन कर्मचारियों के बीच आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं। वहीं सुधीर वोरा एवं कलकेया रेवंकिमठ ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी आयोजकों, प्रतिभागियों एवं संस्कार स्कूल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह स्पोर्ट्स मीट सभी के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा।

फेडरल बैंक नियमित रूप से ऐसे आयोजनों के माध्यम से कर्मचारियों के स्वास्थ्य, टीमवर्क और कार्य-जीवन संतुलन को प्रोत्साहित करता है, जो संगठन की सकारात्मक संस्कृति को मजबूत बनाता है।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया गया नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों, असहायों और राहगीरों को ससम्मान भोजन उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक अन्न परोसा गया। सेवा भाव से ओतप्रोत इस आयोजन में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ सहभागिता निभाई।

अन्नदान को सर्वोच्च दान मानते हुए ग्रुप लगातार समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, जयप्रकाश सारडा, हरीश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी सेवाभावियों ने एकमत से कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सच्ची भक्ति है और इसी भावना के साथ यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा।

तेलंगाना विधान परिषद भवन का पुनर्निर्माण कार्य समीक्षा, शीघ्र उद्घाटन

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य विधानमंडल परिसर में स्थित विधान परिषद भवन के पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा परिषद अध्यक्ष गुथा सुकेन्दर रेड्डी ने मंगलवार को की।यह समीक्षा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुरूप की गई, जिन्होंने विधान परिषद सभागार का शीघ्रतम उद्घाटन करने के आदेश दिए हैं।अध्यक्ष ने डॉ. नरसिम्हा चार्युलु, सड़क एवं भवन (आरएंडबी) विभाग के अधिकारियों, आगा खान ट्रस्ट के प्रतिनिधियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए गुथा सुकेन्दर रेड्डी ने कहा कि सरकार का इरादा आगामी बजट सत्र विधान परिषद भवन में ही आयोजित करने का है, जो विधानसभा के निकट स्थित है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में कार्यों की स्थिति की समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बजट सत्र विधानसभा परिसर के भीतर स्थित विधान परिषद भवन में ही आयोजित किया जाए।अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी न हो, कार्य निष्पादन की गति बढ़ाई जाए तथा भवन का शीघ्रतम निर्माण पूरा कर विधान परिषद प्राधिकरण को सौंप दिया जाए।

रंगभूमि में गूँजा काव्य का सफ़र : द सफ़र – ए पोएट्री क्यूरेटेड शो रहा यादगार

हैदराबाद, 03 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लिंगमपल्ली स्थित रंगभूमि सभागार में आयोजित द सफ़र – ए पोएट्री क्यूरेटेड शो साहित्य और कला प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनकर उभरा। इस भव्य काव्य संध्या का क्यूरेशन अंकित सिंह द्वारा किया गया, जबकि फ़हद हसन ने डिजिटल स्पॉन्सर के रूप में शो को सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शकों ने टिकट लेकर भाग लिया, जो इस आयोजन की लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर समापन तक श्रोताओं पर कविता, शायरी और भावनात्मक प्रस्तुतियों का गहरा असर देखने को मिला। शो के समापन के बाद दर्शकों द्वारा की गई सराहना और सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ इस बात का प्रमाण रहीं कि यह आयोजन न केवल सफल रहा, बल्कि शहर में साहित्यिक चर्चा का केंद्र भी बन गया। सोशल मीडिया पर भी शो की गूंज लगातार देखने को मिल रही है।

इस काव्य संध्या में कुल 10 क्यूरेटेड कलाकारों ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें सचिन कुमार झा, प्रदीप मिश्रा, शंतनु मिश्रा, गोविंद अक्षय, कंचन राजोरिया, ख़ालिद परवाना, दानिश अलबेला, प्रियंका गुप्ता, गिरीश शर्मा एवं स्वयं अंकित सिंह ङ्गसफ़रफ शामिल रहे। कार्यक्रम की मेज़बानी तरुणा ने बेहद प्रभावशाली अंदाज़ में की, जिसने पूरे आयोजन को एक सुंदर प्रवाह प्रदान किया।इसके अतिरिक्त, इस शो के लिए चुने गए 5 ओपनिंग कलाकारों0डॉ. नाज़िया, किरण भारद्वाज, सना ज़िक्रनामा, विजय कुमार एवं एस. एम. स्वाति0ने भी अपनी प्रस्तुतियों से मंच को सशक्त बनाया और दर्शकों का दिल जीता। इस सफल आयोजन के पीछे सशक्त प्रबंधन की अहम भूमिका रही, जिसे प्रिया विनायक जी ने बख़ूबी संभाला। साथ ही सचिन कुमार झा, शंतनु मिश्रा, साकेत गुप्ता एवं प्रदीप मिश्रा के सहयोग ने शो को और भी सुदृढ़ बनाया।कुल मिलाकर द सफ़र – ए पोएट्री क्यूरेटेड शो साहित्यिक मंच पर एक सफल और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ, जिसने शहर की सांस्कृतिक पहचान को और समृद्ध किया। दर्शकों की निरंतर सराहना और चर्चा यह संकेत देती है कि आने वाले समय में ऐसे और भी सार्थक साहित्यिक आयोजनों की उम्मीद की जा सकती है। इस अवसर पर सभी अतिथियों, कलाकारों और कवियों व शायरों का संस्था की ओर से स्मृति चिह्न और शॉल भेंटकर सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सेवा ही संस्कृति, अन्नदान ही धर्म : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ निरंतर जारी है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजसेवी महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही हमारी संस्कृति है और अन्नदान ही हमारा सच्चा धर्म है।महेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय परंपरा में सेवा और दान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। जरूरतमंद को भोजन कराना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य भी है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से नियमित अन्नदान कर रहा है, वह समाज में करुणा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जो न केवल भूख मिटाते हैं बल्कि लोगों को एक–दूसरे से जोड़ने का कार्य भी करते हैं। राधे–राधे ग्रुप का यह सेवा अभियान वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायी है।

इस सेवा कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल भाई, अरुण विजयवर्गीय, पन्नालाल जी, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेनू शर्मा सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा के पदाधिकारियों ने अग्रोहाधाम में महाराजा अग्रसेन की पूजा–अर्चना की

हिसार/हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रोहाधाम (हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल) में अग्रवाल समाज गच्ची बोली शाखा (गच्चीबावली, हैदराबाद) के पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन जी की पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष के.पी. अग्रवाल, महिला विंग शाखा की अध्यक्ष गीता अग्रवाल तथा भारती अग्रवाल ने विशेष रूप से भाग लिया।समूह ने अग्रोहाधाम में सदस्यता ग्रहण की, जिसके बाद

अग्रोहाधाम की ओर से उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मीजी की विशेष पूजा–अर्चना की गई। सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह (मेमेंटो) प्रदान किया गया, जो अग्रवाल समाज की परंपरा और महाराजा अग्रसेन के आदर्शों से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रतीक है।

बिजय कुमार जी ने पूरे अग्रोहाधाम का भ्रमण कराया तथा महाराजा अग्रसेन, महालक्ष्मी मंदिर और धाम के ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। अग्रोहाधाम अग्रवाल समाज का प्रमुख तीर्थ स्थल है, जहां महाराजा अग्रसेन और कुलदेवी महालक्ष्मी को समर्पित भव्य मंदिर स्थित हैं।

पानी का बोर्ड लगवाया

इस अवसर पर अंकुर अग्रवाल की ओर से धाम में पानी का बोर्ड (आरो) भी लगवाया गया, जो समाज की सेवा भावना को दर्शाता है।यह यात्रा अग्रवाल समाज गच्ची बोली शाखा के सदस्यों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही, जिसमें महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतोंसमता, दान और एकताको याद किया गया। अग्रोहाधाम अग्रवाल समाज के लिए पांचवां धाम माना जाता है और यहां आने वाले भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है।

समाज के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलने और समाज सेवा में सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

फोलर ग्रुप की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न होली महोत्सव की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फोलर ग्रुप की वार्षिक कार्यकारिणी बैठक एम्बीड्स स्थित सिम्प्लेक्स इलेक्ट्रिकल्स में दिलीप डागा, सुरेन्द्र सेठिया एवं राकेश कुंडलियां की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत गणेश वंदना से हुई।

तत्पश्चात कोषाध्यक्ष अमित राठी ने गत वर्ष के आय–व्यय का विस्तृत लेखा–जोखा सभी कार्यकारिणी सदस्यों के समक्ष रखा।

इस वर्ष के फाग–महोत्सव कार्यक्रम के संयोजक गिरीश भराड़ीया एवं मनीष खेमका को सर्व–सम्मति से नियुक्त किया गया।हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी होली के चंग फोलर ग्रुप के संग सप्तदिवसीय कार्यक्रम आगामी 25 फरवरी से 3 मार्च तक रानीगंज स्थित सेटा भवन में आयोजित करने का निश्चय किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में दीपक पारीक ने बताया कि कार्यक्रम रोजाना रात्रि 9.30 बजे से शुरू होगा, जिसमें राजस्थान के प्रख्यात लोक–गायक एवं ग्रुप के सदस्यों द्वारा चंग, बांसुरी, क्लारिनेट के साथ होली की धमाल – पारंपरिक लोकगीतों की रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी।

इस अवसर पर रणजीत सिंह शेखावत, अनील संचेती, राजकुमार बिहानी, गिरीश भराड़ीया, दिनेश सांखला, ओम भोजक, मनोज सांखला, नरेन्द्र जांगिड़, रामगोपाल सैनी, लक्ष्मीकांत मूंदड़ा, दीपक पारीक, पप्पू खाती, लक्की शर्मा, लोकेश नाहर एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राकेश कुंडलियां एवं ग्रुप के सभी सदस्यों ने आप सभी से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

फोलर ग्रुप हैदराबाद में राजस्थानी संस्कृति और लोक संगीत को बढ़ावा देने वाला एक सक्रिय संगठन है, जो विशेष रूप से होली–फाग महोत्सव जैसे पारंपरिक आयोजनों के माध्यम से राजस्थानी लोकगीतों, चंग वादन और रंगारंग प्रस्तुतियों से उत्साह भरता है। यह कार्यक्रम राजस्थानी समुदाय के लिए एक प्रमुख सांस्कृतिक मेला साबित होता है।

डॉ. रमा द्विवेदी कृत काव्य संग्रह गंगा में तैरते मिट्टी के दीये का भव्य लोकार्पण

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास) आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय तृतीय दक्षिण भारतीय साहित्योत्सव 1 फरवरी 2026 (रविवार) को केंद्रीय हिंदी संस्थान के सभागार, बोअनपल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ कवयित्री एवं युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा) की अध्यक्ष डॉ. रमा द्विवेदी के काव्य संग्रह 'गंगा में तैरते मिट्टी के दीये' का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान डॉ. फत्ताराम नायक ने की। डॉ. रमा द्विवेदी (अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा) एवं महासचिव सरिता दीक्षित ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी।प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा (परामर्शी, हिंदी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद), विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सिंह 'नयन' (शिक्षाविद एवं वरिष्ठ साहित्यकार), ओम प्रकाश शुक्ल (राष्ट्रीय महासचिव, युवा उत्कर्ष, दिल्ली), सम्माननीय अतिथि प्रदीप कुमार दत्त (संयुक्त सचिव, हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद), विवेक बादल बाजपुरी (प्रभारी, उत्तराखण्ड) एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमा द्विवेदी मंचासीन रहे।सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तृप्ति मिश्रा (सह–संयोजिका) ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। नगर की लब्ध प्रतिष्ठ वरिष्ठ साहित्यकार स्व. डॉ. अहिल्या मिश्र को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।डॉ. रमा द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत शब्द पुष्पों, शॉल–माला एवं पौधा भेंट कर किया। ओम प्रकाश शुक्ल ने संस्था का परिचय एवं उद्देश्य बताए। महासचिव सरिता दीक्षित ने राज्य शाखा की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सिंह 'नयन' ने संग्रह का परिचय देते हुए कहा कि शीर्षक ही लोक–संस्कृति, आस्था, जीवन यात्रा, त्याग और तपस्या के भाव समेटे हुए है। संग्रह में छंद–अनुशासन, भाव–संयम एवं प्रतीक–संतुलन का उत्कृष्ट समन्वय है। यह भावात्मक प्रामाणिकता, संरचनात्मक अनुशासन एवं वैचारिक स्पष्टता से युक्त है। पाठक रचनाओं में डूबकर बाहर निकलना नहीं चाहता।

मुख्य अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने हाइकु, ताँका और सेदोका रचनाओं की गहनता, कोमलता एवं आत्मिक सौंदर्य की सराहना की। कहा कि कम शब्दों में भाव व्यक्त करना बड़ी चुनौती है, लेकिन डॉ. रमा की कविताओं में गेयता और तारतम्य है। यह जापानी परिधान में भारतीयता का उत्कृष्ट उदाहरण है। शीर्षक सार्थक हैतैरते दीये काल के प्रवाह का प्रतीक हैं। उन्होंने उत्कृष्ट कृति के लिए बधाई दी। प्रदीप कुमार दत्त एवं विवेक बादल बाजपुरी ने भी शुभकामनाएं दीं।अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. फत्ताराम नायक ने कहा कि संग्रह की हर रचना भारतीय रंग लिए हुए है और मानवीय संवेदना एवं लोक जीवन से जुड़ी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय ने तकनीकी माध्यम से संदेश प्रेषित किया। सत्र का संचालन डॉ. सुषमा देवी ने कुशलतापूर्वक किया।द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने की। मुख्य अतिथि डॉ. फत्ताराम नायक, विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश शुक्ल, विवेक बादल बाजपुरी, डॉ. सुरभि दत्त (कोषाध्यक्ष), महासचिव सरिता दीक्षित मंचासीन रहे। संचालन शिल्पी भटनागर (संगोष्ठी संयोजिका) ने किया।कार्यकारिणी सदस्यों का शॉल–माला से सम्मान किया गया। प्रो. ऋषभदेव शर्मा एवं डॉ. रेखा शर्मा के जन्मदिन पर केक काटकर उत्सव मनाया गया। डॉ. रमा द्विवेदी का सम्मान विभिन्न संस्थाओं एवं सदस्यों द्वारा किया गया।काव्य गोष्ठी में बी. स्वाति, शकुंतला मिश्रा, मोहिनी गुप्ता, तृप्ति मिश्रा, विनोद गिरी अनोखा, दर्शन सिंह, उमा देवी सोनी, सविता सोनी, भोला सिंह, जीतेन चौहान, डॉ. राजीव सिंह, विवेक बादल बाजपुरी, शोभा देशपांडे, ओम प्रकाश शुक्ल, डॉ. सुरभि दत्त, डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. सुषमा देवी, डॉ. रमा द्विवेदी, शिल्पी भटनागर, सरिता दीक्षित आदि ने विविध रंग की रचनाएं सुनाईं।अध्यक्षीय प्रतिक्रिया में प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि विविध विधाओं की रसयुक्त रचनाओं ने मन मोह लिया। उन्होंने अपनी रचना 'हे चारुशीले' (राधा–कृष्ण संवाद पर आधारित) सुनाकर प्रेम–रस से सराबोर किया।कार्यक्रम का आभार डॉ. सुरभि दत्त (कोषाध्यक्ष) ने सभी अतिथियों, साहित्य प्रेमियों एवं सहयोगियों को व्यक्त किया तथा डॉ. रमा द्विवेदी को बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. रेखा शर्मा, सजग तिवारी, डिम्पल मिश्रा, डॉ. राधा, डॉ. एस. एल. द्विवेदी, डॉ. संदीप, नवीन एवं अन्य पदाधिकारी सहित लगभग 60 साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। डॉ. रमा द्विवेदी की यह छठी पुस्तक (शब्दांकुर प्रकाशन, दिल्ली) हाइकु, ताँका और सेदोका पर केंद्रित है, जो भारतीय संस्कृति को जापानी काव्य शैली से जोड़ती है। संग्रह को साहित्यिक हलकों में सराहा जा रहा है।

असहाय महिलाओं की मजबूत सहारा बनीं डॉ. शालिनी जाधव

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. शालिनी जाधव केवल एक नाम नहीं, बल्कि अनेक अनाथ बच्चों, असहाय महिलाओं और अकेले वृद्धजनों के लिए एक मजबूत सहारा हैं। बचपन से ही गरीब, मध्यम वर्ग और अकेली महिलाओं की जीवन स्थितियों को देखकर द्रवित हुईं शालिनी जी ने उनके लिए सेवा करने का संकल्प लिया।

2015 से शुरू हुई सामाजिक यात्रा

2015 से वे सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत हैं और सिटीजन फर्स्ट ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन की साउथ चेयरपर्सन रह चुकी हैं। पिछले 15 वर्षों से वे समाज के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अनेक विद्यालयों में जाकर छात्र–छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, सोशल मीडिया के प्रति सतर्कता, तथा समाज में हो रहे अपराधों के प्रति जागरूकता जैसे विषयों पर विशेष कक्षाएं संचालित कर रही हैं।

शिक्षा और न्याय में योगदान

इसके साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर और पढ़ाई का खर्च उठाने में असमर्थ अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा का भार वे अपने स्वयं के खर्च से उठा रही हैं। उत्पीड़न का शिकार होकर न्याय से वंचित कई महिलाओं के साथ वे मजबूती से खड़ी रहीं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर, अनेक महिलाओं को सहारा प्रदान किया।

समाज की समझ के अभाव में प्रेम विवाह जैसे जाल में फंसकर मानसिक रूप से परेशान हो रही किशोरियों और युवतियों को काउंसलिंग देकर उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शक्ति दी। भूख से पीड़ित अनाथों की यथासंभव सहायता कर उनकी भूख मिटाने का प्रयास कर रही हैं।

वृद्धजनों के प्रति स्नेह

उपेक्षा का शिकार होकर वृद्धाश्रमों में जीवन बिता रहे अनेक बुजुर्गों से वे हर सप्ताह मिलकर उनका हालचाल पूछती हैं और बच्चों की कमी को भरने का स्नेह देने का प्रयास करती हैं।

प्रमुख सम्मान और पुरस्कार

असंख्य समाजसेवी कार्यों के लिए डॉ. शालिनी जाधव को केंद्र एवं राज्य सरकारों तथा विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उनमें से कुछ प्रमुख हैं: 1) वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स – यंगेस्ट सोशल एक्टिविस्ट,

2) तेलंगाना सार्वभौम अवॉर्ड, 3) विजनरी इंडिया अवॉर्डें 4) ' तमिलनाडु यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल सर्विस से डॉक्टरेट।

डॉ. शालिनी जाधव हैदराबाद में महिलाओं, छात्राओं और कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनकी यह यात्रा सहानुभूति और कार्रवाई का जीता–जागता उदाहरण है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

अंतरराष्ट्रीय श्री राजन चौधरी हिंदी साहित्य पुरस्कार समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काव्य कौमुदी बहुभाषी अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक एवं काव्य संस्था द्वारा वर्ष 2026 के जनवरी माह में 31 तारीख, शनिवार को हैदराबाद के आरोग्य अस्पताल के सभागार में एक भव्य अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार सहित चार अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरस्कार विजेताओं को शॉल, मोमेंटो एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुरस्कार एवं पुरस्कृत साहित्यकारों में– हिंदी – श्रीमती मीना चौहान, दिल्ली,श्री राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार – हिंदी – श्रीमती शालिनी नंदकेयोल्यार, कोलकाता,श्री राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार – हिंदी – डॉ. के. तेजस्विनी, गीतम यूनिवर्सिटी, हैदराबाद,श्री राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार – हिंदी – श्रीमती मोऊ मल्लिक दे, हैदराबाद,श्री राजन चौधरी साहित्य पुरस्कार – हिंदी – श्रीमती पी. पद्मावती, हैदराबाद,डॉ. राम चन्द्र प्र. सिन्हा साहित्य पुरस्कार – बांग्ला – डॉ. दुलाल चंद्र मल्लिक, राँची यूनिवर्सिटी, राँची,डॉ. राम चन्द्र प्र. सिन्हा साहित्य पुरस्कार – संस्कृत – डॉ. शशिरेखा रेड्डी, हैदराबाद,श्री द्वारिका प्र. मौर्य साहित्य पुरस्कार – हिंदी – सुश्री के. गीता, हैदराबाद,काव्य कौमुदी उत्कृष्ट साहित्य पुरस्कार – थानाफाट लैपसिरिकुल, थाईलैंड शामिल हैं।

कार्यक्रम दिन में 11 बजे से आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्रुतिकांत भारती जी उपस्थित रहे। उन्होंने राजन चौधरी के साथ बिताए गए समय को याद करते हुए उनकी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मोहन गुप्ता जी, श्रीमती सुधा ठाकुर तथा हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार श्री राजन चौधरी जी के पुत्र श्री रोहित आर. चौधरी जी ने मंच को सुशोभित किया।समारोह की शुरुआत सुविख्यात शास्त्रीय गायक श्री उदय भास्कर जी द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। शास्त्रीय नृत्य विद्यालय की छात्राओं ने अपनी शिक्षिका डॉ. ज्योति शेखर के सानिध्य में प्रस्तुति दी। थाई और भरतनाट्यम का फ्यूजन थाईलैंड के श्री पत्तरापोल टैंगुराय (हैदराबाद यूनिवर्सिटी से भरतनाट्यम में एम.पी.ए. कर रहे हैं) ने प्रस्तुत किया।सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को शॉल, मोमेंटो एवं धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कविसम्मेलन में कविगणों ने अपनी सुंदर कविताएं प्रस्तुत कीं। प्रमुख कवि निम्नलिखित रहे: श्रीमती सुधा ठाकुर (हिंदी), श्री पुरुषोत्तम कड़ेल (हिंदी), श्री अनिल कुमार गुप्ता (हिंदी), डॉ. मुमताज़ (हिंदी), सविता सोनी (हिंदी), श्रीमती उमा सोनी (हिंदी), डॉ. रेखा देवी वर्मा (हिंदी), श्रीमती मीना चौहान (नोएडा – हिंदी), श्रीमती यादमा सिमी (हिंदी), पी. पद्मावती (हिंदी एवं तेलुगु), श्री उदयश्री (तेलुगु), श्रीमती पद्मा डाबर टकशाली (मराठी), श्रीमती अरुंधति कुलकर्णी (मराठी), डॉ. शशिरेखा रेड्डी (संस्कृत), थोटा राधिका (तमिल), मऊ मल्लिक दे (बांग्ला), थानाभद लैपसिरिकुल (बैंकॉक – हिंदी एवं थाई भाषा), आइज़ (बैंकॉक – हिंदी एवं थाई भाषा), डॉ. के. तेजस्विनी (तेलुगु)।कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. कुमुद बाला ने किया तथा डॉ. तृषिता मुखर्जी ने व्यवस्था संभाली। अल्पाहार एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
JULI MANDAL D/o.GURUDAS MANDAL ARMY NO. 6395629X, ASC Records (South). R/o H.No. 4-33/6, Guvvalaguda, Nagampet, Raspalli post, Mandal: Kagaznagar, Dist: KB Asifabad, Telangana, I have changed my name and date of birth from JULY MANDAL, 15-12-1999 to JULI MANDAL D/o.GURUDAS MANDAL, 13-03-2001

CHANGE OF NAME & DOB
VICKY MANDAL S/o.GURUDAS MANDAL ARMY NO. 6395629X, ASC Records (South). R/o H.No. 4-33/6, Guvvalaguda, Nagampet, Raspalli post, Mandal: Kagaznagar, Dist: KB Asifabad, Telangana, I have changed my name and date of birth from BICKY KUMAR MANDAL, 23-02-1998 to VICKY MANDAL S/o.GURUDAS MANDAL, 28-02-1998

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने हेतु विभिन्न गौशालाओं, संस्थाओं के पदाधिकारियों को निमंत्रण

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में विभिन्न गौशाला संचालकों, पदाधिकारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों को विशेष रूप से निमंत्रित किया गया है।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला के प्रधान संयोजक जसमत पटेल एवं अशोक पटेल ने बताया कि मेडचल पुडुरू गांव स्थित श्री उमिया धाम में आगामी 15 फरवरी 2026 (शिवरात्रि के पावन अवसर पर) विशाल लोक डायरो लोक संगीत का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने हेतु निमंत्रित प्रमुख व्यक्तियों में- सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास के संस्थापक जैनरत्न धर्मराज रांका, ध्यान फाउंडेशन गौशाला के दीपक व मिनाक्षी विजयवर्गीय, शिव मंदिर गौशाला, शमशिरगंज के गोवर्धन तपाडिया, गणेश अग्रवाल, आनंद तिवारी, आरती शर्मा, वैभव शर्मा, समर्थ कामधेनु गौशाला के प्रभु दत्ता महाराज, भाग्यनगर गौसेवा सदन के सदस्य, जैन सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल, भारतीय जैन संघठना के अध्यक्ष निर्मल सिंघवी, प्रो. एम. के. भंडारी, श्री सच्चियाय संघ संतोष मंडल हैदराबाद के संस्थापक दुलीचंद नाहटा, अरविंद नाहटा, विपिन नाहटा, श्री राम जीव रक्षा सदन नंदीग्राम के प्रचार संयोजक राजेश तपाडिया, बीजेपी नेता सतीश जाजु, अचलगच्छ जैन संघ के ट्रस्टी केशवजीभाई छेडा, नरेश मोमया, दिलीप मोमाया, जे.सी.आई. बंजारा हैदराबाद जूनियर जेसी विंग के अनीलकुमार, सर्वेश मालानी, प्रशांत अग्रवाल, धनिष्ट भट्ट, देवांश काबरा, मेहुल जैन, प्रशांत रीमा मेहता, गौरव प्रीती दासोट, विकास हिना महेता, मनीष रचना खंडेलवाल, किया महेश्वरी, माली समाज अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी, नेमीचंद भाटी, तेलंगाना आंध्र प्रदेशीय महेश्वरी समाज अध्यक्ष कैलाश डालीया, श्रीकांत डालीया, हैदराबाद सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा अध्यक्ष भगवान पसारी, मंत्री राजेश मालपानी, समाजसेवी जुगलकिशोर जाजु, नवलकिशोर जाजु, रवि हेडा, मनहर गुप्ता व मंजू गुप्ता शामिल हैं।

आयोजन समिति के संयोजक

जन्म शताब्दी महोत्सव आयोजन समिति की ओर से जीवराम पटेल, जसमत पटेल, मुन्ना जोशी, हसमुख पटेल, वसंत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, हरिभाई मायछ, सुरेश पटेल, योगेश पटेल, अश्वीन पटेल, जयंती पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, प्रभु पटेल एवं अन्य समाजबंधुओं को भी विशेष निमंत्रण दिया गया है।

विशाल लोक डायरो में प्रमुख कलाकार

जसमत पटेल ने बताया कि विशाल लोक डायरो में देश के विख्यात कलाकार भाग लेंगे, जिनमें शामिल हैं। जिनमें- विख्यात लोक गायक विवेक सांखला, विख्यात लोक गायिका श्रुति पटेल और विख्यात हास्य कलाकार हकका भा गढवी एवं उनकी टीम।

सभी गौभक्तों से अपील

प्रधान संयोजक जसमत पटेल ने सभी गौभक्तों, समाजसेवियों एवं धार्मिक व्यक्तियों से अपील की कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस पावन कार्यक्रम में शामिल हों और पूज्य डोंगरेजी महाराज की जन्म शताब्दी महोत्सव को भव्य सफल बनाएं।

यह महोत्सव गौ-सेवा, लोक संस्कृति और धार्मिक भावना को एक साथ जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें लोक संगीत, डायरो और भक्ति के माध्यम से गौ-रक्षा के संदेश को फैलाया जाएगा।

अन्नदान भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा महायज्ञ : गोपाल गोयल

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे0राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान केंद्र, नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ मंगलवार को नियमित अन्नदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान गोपाल गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा महायज्ञ है, जिसमें सेवा, करुणा और मानवता का सच्चा स्वरूप दिखाई देता है। गोपाल गोयल ने कहा कि हमारी संस्कृति में अन्न को ईश्वर का रूप माना गया है और भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। राधे0राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर जिस निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे सेवा कार्य न केवल भूख मिटाते हैं, बल्कि समाज में प्रेम, एकता और संस्कारों को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुरेश डालमिया, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, गौरव गोयल, भार्खा गोयल, संजय गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा एवं श्यामसुंदर अग्रवाल सहित राधे0राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वसुधैव कुटुंबकम गच्ची बावली ने लक्ष्मी ममतानी के निवास पर भव्य सभा का आयोजन

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वसुधैव कुटुंबकम गच्ची बावली (अग्रवाल समाज) ने लक्ष्मी ममतानी के निवास स्थान प्रेस्टीज ट्रेंकुल, कोकपेट में एक उत्साहपूर्ण सभा का आयोजन किया। इस सभा में सदस्यों ने मिलकर विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां कीं और आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गीता अग्रवाल द्वारा आयोजित सरप्राइज गेम से हुई, जिसने सभी को हंसाया और माहौल को जीवंत बनाया। इसके बाद पर्ची निकालकर फिल्मी गीतों पर आधारित मजेदार गेम खेले गए, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया।तंबोला खेल का आयोजन किया गया, जिसमें कई दौर खेले गए। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। तंबोला के दौरान उपस्थित सदस्यों में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ती रही।

सभा में आगामी होली उत्सव मनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

सभी सदस्यों की सहमति से होली कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जल्द ही इसकी तारीख, स्थान और अन्य विवरण अंतिम रूप दिए जाएंगे।

कार्यक्रम में राज माथुर, गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, मंजू शर्मा, भारती अग्रवाल, लक्ष्मी ममतानी, वीना मदान, सुदेश अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, राज मथुर, राजेश अग्रवाल, रोशन मदान सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

यह सभा वसुधैव कुटुंबकम गच्ची बावली की सदस्यों के बीच आपसी भाईचारे, मित्रता और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने का एक सुंदर अवसर साबित हुई। समाज के सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताकर खुशी जाहिर की और होली जैसे त्योहार को और भी धूमधाम से मनाने की तैयारियों पर सहमति जताई।

श्री सिद्धचक्र महापूजन भव्यता एवं उत्साह के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में श्री सिद्धचक्र महापूजन का आयोजन अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह पूजन जैन समाज की आध्यात्मिक परंपरा और भक्ति का सुंदर प्रतीक रहा।

आज यहां जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में संयोजक प्रदीप संघवी ने बताया कि मातुश्री हिरवाई लालजी शिवजीभाई हरिया परिवार एवं पुष्पाबेन ताराचंद हरिया परिवार की ओर से ज्योतिबेन कुशाल हरिया, नेहा कमल हरिया, हिरल कुणाल हरिया द्वारा यह महापूजन करवाया गया।

पूजन विश्व विख्यात युवा विधिकार निखीलभाई अमृतलाल हरिया बाडा कच्छ द्वारा पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।अवसर पर विधिकार निखीलभाई ने कहा कि हमें मात्र चातुर्मास में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर समय यथासंभव धर्म, ध्यान, तप और आराधना में भाग लेना चाहिए। उन्होंने सभी से निवेदन किया कि स्वयं प्रतिदिन मंदिर जाएं तथा अपने बच्चों को भी प्रतिदिन मंदिर जाने, पूजा, आरती आदि कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर श्री अचलगच्छ जैन संघ के रमण नागडा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, श्री कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष हेमांग मोमाया, मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील कापडिया, मंत्री पंकज सावला, ट्रस्टी योगेश गोसर, प्रदीप संघवी, उत्तम शाह, किर्ती संघवी, देविका धिरेन हरिया, श्रुति चिराग सावला, वृष्टी कमल हरिया, पुनीत संघवी, हरेश देढिया मायरा, मिशीका सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।श्री सिद्धचक्र महापूजन जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जो सिद्धों की आराधना, आत्म-शुद्धि और मोक्ष मार्ग की प्रेरणा देता है। इस भव्य आयोजन ने रामकोट क्षेत्र के जैन समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया।

श्री कच्छी भवन एवं संबंधित परिवारों ने इस पूजन के माध्यम से धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी गहरी निष्ठा प्रदर्शित की। सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने विधिकार निखीलभाई के मार्गदर्शन से पूजन में भाग लेकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त की।

संत रविदास जी महाराज की 649वीं जयंती भव्यता से मनाई गई

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सूर्य वामसी संत रविदास मोची समाज सेवा संघ के तत्वावधान में मंगलवार की रात जियागुड़ा, संजयनगर स्थित लोगा समाज भवन एवं रविदास मंदिर में श्री संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 649वीं जयंती समारोह बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर में संत रविदास जी की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष महेशकर कांतिलाल, अध्यक्ष पी. मनोहरलाल और महासचिव उमेश महेशकर ने पूजा में मुख्य भूमिका निभाई।

शाम को बच्चों के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच पर भजन गाए गए तथा विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चेवेल्ला विधायक काले यादव ने शिरकत की। अन्य प्रमुख अतिथियों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद मित्रा कृष्णा, कांग्रेस नेता मित्रा अभिषेक, भाजपा नेता शिवकुमार यादव, सभापति जगदीश यादव, सुदर्शन मुदिराज, कुलसुमपुरा इंस्पेक्टर रामुलु, संघ के सदस्य मनोहर विनायकर, विनोद दयाल, मुकेश माहोरे, गणेश देवीकर, तुलजेश देवहंस, सुरेश विनायकर, चौ. तुलजेश, संजू परवारे, राजेश रवि, भाजपा नेता लक्ष्मी नारायण, भास्कर गुप्ता सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सूर्य वामसी संत रविदास मोची समाज सेवा संघ नियमित रूप से संत रविदास जी के आदर्शोंसमानता, भक्ति, कर्म और सेवाको जीवंत रखने के लिए ऐसे आयोजन करता है। इस जयंती समारोह ने समाज में एकता, भक्ति और सांस्कृतिक जागरूकता को मजबूत किया।

संत रविदास जी महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने संत रविदास जी के भजनों के साथ समारोह का समापन किया।

यूरिया ऐप पारदर्शी और किसानों के अनुकूल: कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव

हैदराबाद, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को रायथु नेस्तम (किसान मित्र) कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों के किसानों के साथ सीधा संवाद किया और कृषि पद्धतियों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की।संवाद के दौरान किसानों ने अपने अनुभव, चुनौतियां और राज्य सरकार की पहलों से होने वाले लाभों को साझा किया। मंत्री ने विशेष रूप से यूरिया ऐप पर फीडबैक मांगा, जिस पर किसानों ने इसकी पारदर्शी प्रणाली, समय पर उपलब्धता और उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति को लेकर संतोष व्यक्त किया।कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, रंगारेड्डी जिले के किसान शिव ने एकीकृत और प्राकृतिक खेती के तरीकों पर जागरूकता फैलाई। वहीं, इफ्को (इफको) के राज्य विपणन प्रबंधक कृपा शंकर ने नैनो यूरिया के लाभों और इसके सही उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया।

IN THE COURT OF THE HON'BLE V TH JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT HYDERABAD.

O.S.No. 145 of 2026

BETWEEN:
Madhu Kapur and others ...Plaintiffs
AND
(1) Mandal Revenue Officer, Khairtabad Mandal, Hyderabad, Hyderabad
(2) All concern ...Defendants
To,
(2) All concern

Take notice that the above plaintiffs filed legal heir suit to declare them as legal heir of Late Praveen Kapur and if any person or having any objections, you are hereby directed to appear before the Hon'ble Court on 23-2-2026 at 10:30 A.M. either by person or through Pleader otherwise matter will be decided in your absence. Hence this notice.

(BY ORDER OF COURT)

Sri Shrikanth Mandhani
Advocate, Hyderabad.
Ph: 9959746331

In the Court of the Hon'ble V Junior Civil Judge City Civil Court at Hyderabad

O.S No. 137 of 2026

Between:
Sri Anil Sanghai & others ...Plaintiffs
And
The Tahsildar & others ...Defendants
To,
All Concerned
Sir's/Madam,

Please take notice that the above suit in O.S No.137 of 2026 for declaration of legal heirs is filed before this Hon'ble Court by the plaintiff against defendants and the same is coming up for appearance and the same stands posted on **20.02.2026.** Please make it convenient to present either in person or through your Counsel before the above Hon'ble court at **10.30 A.M on 20.02.2026,** if you fail to appear on the above date the matter will be heard and decided as exparte.

(By order of the Court)

Sd/-
K. NITESH
Advocate
7-6-20, Trimulgherry,
Secunderabad - 15.

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF DOB
I, SC No.15816763-N, Rank: NK, Name: DEBABRATA MAITY, resident of at JAYNAGAR ROAD, BHUBANESWARI BAZAR, SOUTH 24, PARGANAS, WEST BENGAL - 743383, and have to change my Father Jhantu Maity DOB from 10-02-1963 to 17-12-1964 and change my Mother Parbati Maity DOB from 15-04-1970 to 01-01-1970, in my Service records.

CHANGE OF NAME
I, SUSHMA BEN B Spouse of Service No. 6943942L Hav VASAVA BHARAT BHAI, R/o.H.No.3/35/481, Valmiki Nagar, East Marredpally, Secunderabad, Hyderabad Dist have changed my name from SUSHMA BEN B to VASAVA SUSHAMA BEN vide affidavit dt:03-02-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6943942L Hav VASAVA BHARAT BHAI, R/o.H.No.3/35/481, Valmiki Nagar, East Marredpally, Secunderabad, Hyderabad Dist hereby declare that my son name is to be changed from NIKHIL KUMAR to VASAVA NIKHIL KUMAR.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6943942L Hav VASAVA BHARAT BHAI, R/o.H.No.3/35/481, Valmiki Nagar, East Marredpally, Secunderabad, Hyderabad Dist hereby declare that my son name is to be changed from VISHAL BHAI to VASAVA VISHAL BHAI.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6943942L Hav VASAVA BHARAT BHAI, R/o.H.No.3/35/481, Valmiki Nagar, East Marredpally, Secunderabad, Hyderabad Dist hereby declare that my daughter name is to be changed from PAYAL KUMARI to VASAVA PAYAL KUMARI.

CHANGE OF NAME
I, SNEHA VIJAY BAVACHE is legal spouse of No- 17005305H, Rank-NK, Name- BAWACHE VIJAY KIRAN, R/o Vill & PO-Soundalga, Teh-Chikodi, Dist-Belagavi, Karnataka, I have to change my Name from SNEHA to SNEHA VIJAY BAVACHE for all purpose vide affidavit dated: 02/02/2026.

मुंबई हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा टला
एयर इंडिया और इंडिगो के विमान आपस में टकराए

मुंबई/नई दिल्ली, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुंबई हवाई अड्डे पर उस समय एक बड़ा हादसा टल गया जब टैक्सीइंग (रनवे पर चलते समय) के दौरान एयर इंडिया और इंडिगो के दो विमानों के पंख (विंगटिप्स) आपस में टकरा गए। दोनों विमान यात्रियों से भरे हुए थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और दोनों विमानों को फिलहाल ग्राउंडेड (उड़ान से रोका गया) कर दिया गया है।

डीजीसीए अधिकारियों के अनुसार, एयर इंडिया की उड़ान एआई 2732 रनवे सी 1 से प्रस्थान के लिए टैक्सी कर रही थी, तभी हैदराबाद से आई इंडिगो की उड़ान 6ई 791 बगल के टैक्सीवे पर उनसे टकरा गई। दोनों विमानों के दाहिने पंखों के ऊपरी हिस्से एक-दूसरे को छू गए।

यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया, विमानों की जांच जारी

हादसे के तुरंत बाद दोनों विमानों को निरीक्षण के लिए बे (इ़ू) में वापस लाया गया। एयर इंडिया ने अपने बयान में कहा, ङ्गमुंबई से कोयंबटूर जाने वाली उड़ान अख2732 के विंगटिप को नुकसान पहुँचा है। एहतियात के तौर पर विमान को तकनीकी जांच के लिए रोका गया है। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।ङ्ग

इंडिगो के प्रवक्ता ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ङ्गलैंडिंग के बाद टैक्सी करते समय हमारे विमान का विंगटिप दूसरी एयरलाइन के विमान के संपर्क में आ गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं और स्थापित प्रोटोकॉल के तहत अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।ङ्ग

विमानन नियामक डीजीसीए के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या यह गलती ग्राउंड कंट्रोल की थी या पायलटों की ओर से कोई चूक हुई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय दृश्यता सामान्य थी।

विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि विंगटिप्स का टकराना एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है, क्योंकि इससे विमान के संतुलन और संरचनात्मक अखंडता पर असर पड़ सकता है। फिलहाल दोनों विमानों के मेंटेनेंस और फिटनेस रिपोर्ट आने तक उन्हें उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तिरुमाला घी मिलावट मामला: मास्टरमाइंडों की खैर नहीं, आंध्र कैबिनेट ने बनाई जांच समिति

विजयवाड़ा, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट के मुद्दे पर आंध्र प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस मामले के पीछे के असली ममास्टरमाइंडोंफ की पहचान करने के लिए एक अल्पकालिक प्रशासनिक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया।तीन घंटे तक चली इस लंबी बैठक में मंत्रियों ने एसआईटी की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री नायडू ने स्पष्ट किया कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है और दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो मिसाल बनेगी।

डखढ रिपोर्ट में बड़े खुलासे: नियमों की हुई अनदेखी

वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने मीडिया को बताया कि कैबिनेट ने अन्य सभी एजेंडे छोड़कर केवल एसआईटी रिपोर्ट पर चर्चा की। जांच में सामने आया है कि 2019 के बाद घी खरीद की निविदा शर्तों में अनावश्यक ढील दी गई थी। टर्नओवर में कटौती: पात्रता के लिए आवश्यक टर्नओवर को 250 करोड़ रुपये से घटाकर 150 करोड़ रुपये कर दिया गया। अनुभव की कमी: उन फर्मों को भी अनुमति दी गई जिनके पास डेयरी खरीद का न्यूनतम अनुभव भी नहीं था। फर्जी दस्तावेज: कई कंपनियों ने झूठे दस्तावेजों के आधार पर अनुबंध हासिल किए।

58 लाख लीटर मिलावटी घी और गंभीर लापरवाही

एसआईटी की जांच के अनुसार, लगभग 58 लाख लीटर मिलावटी घी की आपूर्ति की गई और उसका उपयोग लड्डू बनाने में किया गया। एनडीडीबी-सीएएलएफ प्रयोगशाला की रिपोर्ट में घी में सोयाबीन, सूरजमुखी, और कपास के तेल के साथ-साथ मछली के तेल और जानवरों की चर्बी की मौजूदगी के संकेत मिले थे।रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2022 में सीएफटीआरआई द्वारा दी गई चेतावनियों को भी नजरअंदाज किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में पूर्व ईओ अनिल कुमार सिंघल, एईओ ए.वी. धर्मारेड्डी और एफएंडसीएओ ओ. बालाजी जैसे वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं।कैबिनेट ने संकल्प लिया है कि मंदिर की पवित्रता और भक्तों की आस्था के बीच राजनीतिक विचार नहीं आएंगे। सूचना मंत्री कोलुसु पार्थसारथी ने बताया कि सरकार अब गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र को मजबूत करने के लिए संस्थागत सुधार लागू करेगी। स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने कहा कि दूध के बिना बनाए गए मिलावटी घी के उपयोग ने भक्तों के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है, जिसकी भरपाई कड़ी कार्रवाई से ही संभव है।

हुसैन सागर झील में कूदने के बाद 26 वर्षीय महिला की दुखद मौत

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में एक दुखद घटना घटी है, जहां 26 वर्षीय एक महिला ने हुसैन सागर झील में कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कुकाटपल्ली निवासी विजयलक्ष्मी के रूप में हुई है, जिसका शव तलाशी अभियान के बाद झील से बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, विजयलक्ष्मी दो दिन पहले अपने परिवार को यह कहकर घर से निकली थीं कि वह जल्द ही लौट आएंगी। जब वह वापस नहीं लौटीं, तो परिवार को चिंता हुई और उन्होंने कुकाटपल्ली पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस अधिकारियों ने उन अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि महिला ने वैवाहिक समस्याओं के कारण यह चरम कदम उठाया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसे दावे पूरी तरह से झूठे हैं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, विजयलक्ष्मी कुछ समय से गंभीर अवसाद से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था। जांचकर्ताओं का मानना है कि उन्होंने लंबे समय तक मानसिक तनाव के कारण यह कदम उठाया होगा।

पुलिस ने कहा कि मामले की सटीक परिस्थितियों की जांच की जा रही है और आगे की जांच जारी है।

इस अचानक हुई मौत से परिवार के सदस्य गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने शोक संतप्त परिवार को पूरा सहयोग दिया है और लोगों से घटना के बारे में अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचने का आग्रह किया है।

हुसैन सागर में हुई यह आत्महत्या की घटना ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और भावनात्मक संकट का सामना कर रहे लोगों के लिए समय पर सहायता के महत्व को उजागर किया है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को मानसिक तनाव या अवसाद के लक्षण दिखें, तो तुरंत परिवार, दोस्तों या पेशेवर मदद लें। हैदराबाद में मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन और काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध हैं।

निकाय चुनाव से पहले भाजपा में गृहयुद्ध
टिकट के बदले रुपये वसूलने के आरोप से मचा हड़कंप!

करीमनगर/जगतियाल, 3 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले जगतियाल जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर कलह खुलकर सामने आ गई है। पार्टी के पुराने और वफादार कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नेतृत्व पर मकैश-फॉर-टिकटफ (टिकट के बदले पैसे) का सनसनीखेज आरोप लगाते हुए विद्रोह कर दिया है, जिससे चुनावी अभियान संकट में पड़ गया है।पार्टी के भीतर यह संघर्ष पुराने कैडर बनाम नए आगंतुक के रूप में तब्दील हो गया है। विवाद के केंद्र में स्थानीय भाजपा नेता भोगा श्रावणी और उनके पति प्रवीण हैं।

पुराने कार्यकर्ताओं का आरोप: 5 लाख में बेचे जा रहे हैं टिकट

दिग्गज नेता एसीएस राजू (राजन्ना) के बेटे के नेतृत्व में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नगर निकाय चुनाव के टिकट 5 लाख रुपये प्रति टिकट की दर से बेचे जा रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि दशकों से पार्टी की सेवा करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर उन अमीर नए लोगों को तरजीह दी

जा रही है जो पैसे देने को तैयार हैं।

सांसद धर्मपुरी अरविंद पर भी उठे सवाल

विद्रोह की यह आंच निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद तक भी पहुँच गई है। असंतुष्ट गुट ने सांसद पर न केवल दोषपूर्ण टिकट वितरण की निगरानी करने, बल्कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के साथ गुप्त आंतरिक समझ रखने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि अरविंद कांग्रेस उम्मीदवारों को फायदा पहुँचाने के लिए जगतियाल भाजपा को भीतर से कमजोर कर रहे हैं।

आक्रोशित वरिष्ठ नेताओं ने चेतावनी दी है कि वे पार्टी के इस व्यापारीकरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे। असंतुष्ट समूह ने कहा, इस धोखे के लिए असली भाजपा कार्यकर्ता श्रावणी, प्रवीण या सांसद अरविंद को माफ नहीं करेंगे। उन्होंने जगतियाल से एक शुद्धिकरण आंदोलन शुरू करने की कसम खाई है और धमकी दी है कि यदि पार्टी की विचारधारा को बचाने के लिए जरूरी हुआ, तो वे वर्तमान नेतृत्व द्वारा चुने गए उम्मीदवारों को हराने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भ्रष्टाचार के इन सार्वजनिक आरोपों और कांग्रेस के साथ मिलीभगत के दावों ने बीआरएस और कांग्रेस को बड़ी बढ़त दिला दी है। यदि राज्य नेतृत्व ने जल्द ही 5 लाख की रिश्वत के आरोपों और सांसद की भूमिका पर हस्तक्षेप नहीं किया, तो आगामी निकाय चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ सकता है।

सिगाची रासायनिक विस्फोट मामला: तेलंगाना हाईकोर्ट ने सीईओ अमित राज सिन्हा को जमानत दी

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार, 3 फरवरी को सिगाची फैक्ट्री के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित राज सिन्हा को पिछले साल जून में संगारेड्डी स्थित उसके फार्मा संयंत्र में हुए विस्फोट के संबंध में जमानत दे दी, जिसमें 54 लोगों की मौत हो गई थी।सिन्हा को 28 दिसंबर को गैर इरादतन हत्या के आरोप में उनके और पांच अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्हें इस मामले में आरोपी नंबर 2 के रूप में नामित किया गया था।

चार अन्य निदेशकों को भी अग्रिम जमानत

इसके अतिरिक्त, अदालत ने कंपनी के चार अन्य निदेशकों को भी अग्रिम जमानत दे दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति कलासिकम सुजाना की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने आरोपी पर कई शर्तें लगाईं,

जिनमें 1 लाख रुपये के निजी बांड पर दो जमानती पेश करना शामिल है।उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 480(3) के तहत उल्लिखित शर्तों का पालन करने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने या गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास करने से परहेज करने के लिए कहा गया है।स्वतंत्र निदेशक बिंदू विनोदहन, धनलक्ष्मी गुंटका और येद्दुला जनार्दन रेड्डी सहित चार अन्य लोगों को भी पूर्णकालिक निदेशक और कार्यकारी निदेशक रविंद्र प्रसाद सिन्हा के साथ समान शर्तों पर अग्रिम जमानत दी गई।

इन चारों को 2 फरवरी से दो सप्ताह के भीतर संगारेड्डी के प्रथम श्रेणी के अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है।

54 लोगों की मौत वाला भीषण विस्फोट

30 जून, 2025 को हैदराबाद से लगभग 50 किलोमीटर दूर, तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में स्थित सिगाची उद्योग में एक भीषण रासायनिक विस्फोट हुआ, जिसमें 44 श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। विस्फोट इतना भीषण था कि श्रमिक हवा में उछल गए और कई मीटर दूर जा गिरे।प्रारंभिक जांच से पता चला कि यह दुर्घटना सूक्ष्म क्रिस्टलीय सेलुलोज (एमसीसी) नामक महीन, ज्वलनशील पाउडर को संसाधित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले स्प्रे ड्रायर या सुखाने की इकाई में तापमान बढ़ने के कारण हुई। अस्पतालों में 10 और श्रमिकों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या 54 हो गई है।

उच्च न्यायालय का सख्त रुख

अदालत ने जमानत देते समय स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आरोपी किसी भी प्रकार से जांच प्रक्रिया में बाधा न डालें। मामले की जांच अभी भी जारी है और पुलिस द्वारा कंपनी के सुरक्षा मानकों, प्रबंधन की लापरवाही तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

यह घटना तेलंगाना में औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर बड़े सवाल खड़े कर चुकी है और श्रमिकों के अधिकारों तथा कारखानों में सुरक्षा उपायों को लेकर बहस तेज हो गई है।

बंजारा हिल्स स्थित सदर्न मिर्ची होटल में लगी भीषण आग, समय पर कार्रवाई से टला बड़ा हादसा

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स में शनिवार को सदर्न मिर्ची होटल में लगी आग से अफरा-तफरी मच गई, लेकिन होटल कर्मचारियों और अग्निशमन सेवाओं की त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई से एक बड़ी आपदा टल गई।यह घटना बंजारा हिल्स के रोड नंबर 3 पर स्थित सदर्न मिर्ची होटल में घटी। प्रारंभिक जानकारी के

अनुसार, रसोई में खाना बनाते समय आग लग गई। एग्जॉस्ट फैन से लपटें निकलीं, जो देखते ही देखते पूरे रसोई क्षेत्र में फैल गईं, जिससे कर्मचारियों और आसपास के निवासियों में चिंता फैल गई।होटल प्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल गाड़ियां बिना देरी किए मौके पर पहुंचीं और आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया।

साइबर क्राइम विंग की कड़ी चेतावनी
सिर्फ एक ओटीपी शेयर करने से खाली हो सकता है बैंक खाता

हैदराबाद, 03 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) हैदराबाद पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने नागरिकों को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सिर्फ एक ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) साझा करने से उनका बैंक खाता खाली हो सकता है। यह चेतावनी ओटीपी आधारित साइबर धोखाधड़ी में तेजी से हो रही वृद्धि के मद्देनजर जारी की गई है, जिसमें अपराधी बैंक अधिकारी, ग्राहक सेवा अधिकारी, डिलीवरी एजेंट या नौकरी दिलाने वाले एजेंट बनकर संवेदनशील जानकारी चुराते हैं और पैसे हड़प लेते हैं।

ओटीपी धोखाधड़ी करने वाले लोग पीड़ितों को कैसे फंसाते हैं हैदराबाद पुलिस की साइबर क्राइम विंग के अनुसार, साइबर अपराधी लोगों को वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा करने के लिए बरगलाने के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनमें- बैंकों या सरकारी कार्यालयों से होने का दावा करने वाले फर्जी फोन कॉल, धोखाधड़ी वाले एसएमएस और व्हाट्सएप संदेश, फ़िशिंग लिंक और नकली वेबसाइ , ऑनलाइन फर्जी कस्टमर केयर नंबर मिले।

एक बार ओटीपी साझा हो जाने पर, धोखेबाज बैंक खातों, यूपीआई ऐप्स, क्रेडिट कार्ड और

डिजिटल वॉलेट तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त कर लेते हैं, जिससे मिनटों के भीतर भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है।

ओटीपी आधारित आम घोटालों की पहचान की गई साइबर क्राइम पुलिस ने वर्तमान में उपयोग में आने वाली कई सामान्य धोखाधड़ी तकनीकों की सूची दी है: फर्जी केवाईसी अपडेट कॉल, कैशबैक और रिफंड घोटाले, नौकरी और ऋण धोखाधड़ी, फर्जी यूपीआई संग्रहण अनुरोध, सिम-स्वैप धोखाधड़ी, ई-कॉमर्स रिटर्न और रिप्लेसमेंट घोटाले

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि ये घोटाले सावधानीपूर्वक इस तरह से रचे गए हैं कि पीड़ितों में अफरा-तफरी और दहशत पैदा हो, जिससे वे बिना सत्यापन किए कार्रवाई करने के लिए मजबूर हो जाएं।नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह इस सलाह में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई भी बैंक, सरकारी एजेंसी या वास्तविक कंपनी कभी भी ओटीपी नहीं मांगती है। नागरिकों से इन सुरक्षा उपायों का पालन करने का आग्रह किया गया है: कभी भी किसी के साथ जढझ शेयर न करें, अज्ञात यूपीआई अनुरोधों को स्वीकृत न करें, ओटीपी या लेनदेन विवरण वाले स्क्रीनशॉट साझा करने से बचें, ग्राहक सेवा नंबरों की पुष्टि केवल आधिकारिक वेबसाइटों या ऐप्स के माध्यम से ही करें, एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें

अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की सिफारिश की जाती है डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों को निम्नलिखित सलाह दी: सिम लॉक सक्षम करें, डिवाइस स्क्रीन लॉक का उपयोग करें, बैंक लेनदेन अलर्ट सक्रिय करें, ऐप्स और ऑपरेटिंग सिस्टम को नियमित रूप से अपडेट करें।

इन कदमों से साइबर धोखाधड़ी का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है।

साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट कैसे करें पीड़ितों या धोखाधड़ी का संदेह होने पर तुरंत घटना की सूचना निम्नलिखित पते पर दें: राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन: 1930 जल्दी रिपोर्ट करने से लेन-देन को रोकने में मदद मिल सकती है और खोए हुए पैसे की वसूली की संभावना बढ़ सकती है।

हैदराबाद में साइबर अपराध के तहत जारी ओटीपी धोखाधड़ी की चेतावनी इस बात की याद दिलाती है कि एक पल की लापरवाही भी भारी वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है, और साइबर अपराधियों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका सतर्कता ही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें और हमेशा दो बार सोच-समझकर कार्रवाई करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.